CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक संपर्क करें : deshbandhuraipur@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 12 जुलाई 2025 । वर्ष – 35 । अंक– 73 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु

साय कैबिनेट की बैठक में अहम फैसले

रायपुर-दुर्ग-भिलाई और नया रायपुर को मिलाकर राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण बनाने की मंजूरी

रायपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। इनमें रायपुर, दुर्ग–भिलाई और नया रायपुर अटल नगर को मिलाकर राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण बनाने,प्रथम अनुपूरक बजट को मंजूरी, छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक को अनुमति, युवाओं के हित संबंधी सहित 12 अहम निर्णय लिए। केबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने मीडिया को दी।

रायपुर, दुर्ग–भिलाई और नया रायपुर अटल नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए इस क्षेत्र के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह प्राधिकरण कार्य करेगा। यह प्राधिकरण राजधानी क्षेत्र के लिए योजना बनाना, निवेश को बढ़ावा देना, विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के बीच समन्वय तथा शहर के विस्तार को सही ढंग से नियंत्रित करने का काम करेगा।

छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे अंतर्राज्यीय लेनदेन में इनपुट सेवा वितरक के नियम और अधिक प्रभावी तथा केंद्र सरकार के वित्त अधिनियम, 2025 के संशोधनों के अनुरूप यह होगा।

अन्य फैसलों में मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उचित प्रबंधन हेतु अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008 तथा 2009 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु 30 सांख्येतर पद निर्मित कर वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन) के मध्य एक गैर–लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई ।इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी का ज्वाइंट वेंचर वंचित समुदायों के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना, अनुसूचित जाति उपयोजना आदि के अप्रयुक्त फंड का अभिसरण कर आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक बदलाव के लिए कार्य करेगा।

कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कौशल के साथ फॉरेन लैंग्वेज सिखाने का कार्य किया जाएगा।

पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेन्चर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है।

मंत्रिपरिषद द्वारा पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम–1991 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के जरिए सशक्त बनाने के लिए छात्र स्टार्ट–अप और नवाचार नीति लागू करने का ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

प्रदेशवासियों को लगा बिजली का करंट

रायपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली की नई दरों की घोषणा कर दी है। आयोग के कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अध्यक्ष व सदस्यों ने यह जानकारी मीडिया को दी।

छत्तीसगढ़ में बिजली की नई दरें 1 अप्रैल से लागू होनी थी लेकिन अयोग में सदस्यों का पद रिक्त होने के कारण जन सुनवाई की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो पाई। जन सुनवाई जून में पूरी हुई है। ऐसे में इस साल बिजली की नई दरें 1 जलाई 2025 से लागू होगी। आयोग ने घरेलू बिजली दरों में 10 से 20 पैसा प्रति यूनिट की वृद्धि कर दी है।

आयोग द्वारा राज्य की विद्युत कंपनियों के विगत वर्षों के राजस्व घाटा तथा राजस्व आधिक्य पर विचारोपरान्त वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मांग की गई वार्षिक राजस्व आवश्यकता रू.28397.64 करोड़ के स्थान पर रू.25636.38 करोड़ मान्य किया गया है।

वितरण कंपनी द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष हेतु अनुमानित विद्युत विक्रय 35727 मिलियन यूनिट के स्थान पर 36540 मिलियन यूनिट मान्य किया गया है।

आयोग ने की बिजली की नई दरों की घोषणा

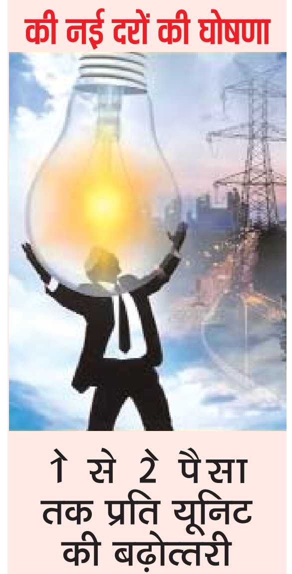

1 से 2 पैसा तक प्रति यूनिट की बढ़ोत्तरी

इसी तरह वितरण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए विद्युत की अनुमानित बिक्री पर प्रचलित टैरिफ से अनुमानित रू.4947.41 करोड़ राजस्व घाटे के स्थान पर रू.523.43 करोड़ मान्य किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए औसत विद्युत प्रदाय दर रू.7.02 प्रति यूनिट अनुमानित की गई है। आयोग द्वारा वर्तमान टैरिफ आदेश में लिए गए निर्णयों के फलस्वरूप औसत विद्युत बिलिंग दर रू.7.02 प्रति यूनिट अनुमानित है। तदनुसार वर्तमान प्रचलित दर से विद्युत दरों में औसत 1.89 प्रतिशत की वृद्धि अनुमोदित की गई है ।जारी की जा रही नई विद्युत दरें जो कि संलग्नक–1 और संलग्नक–2 में उपलब्ध हैं, जो कि 1 जुलाई, 2025 से प्रभावशील होंगी।

घरेलु उपभोक्ता घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 10 पैसे प्रति यूनिट से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है।

गौशाला, शासन द्वारा अधिसूचित बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर, क्षेत्र विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में आने वाले स्टे–होम्स में प्रयुक्त होने वाली विद्युत पर घरेलू ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

गुजरात पुल हादसे में मरने वालों की संख्या 21 पहुंची

अहमदाबाद। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुराने पुल के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। शुक्रवार को एक घायल की अस्पताल में मौत हुई। मरने वालों का आंकड़ा 2 हो गया है। एक शख्स की तलाश में एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें जुटी हैं।

तेलंगाना भाजपा विधायक राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना में गोशामहल सीट से विधायक राजा सिंह लोध का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने अधिसूचना जारी करके बताया कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने उनके पार्टी से इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक सफल अभियान में नारकोटिक्स मामले के वांछित अपराधी कुब्बावाला मुस्तफा को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत ले आई।

ओडिशा में संविधान बचाओ रैली में बोले राहुल गांधी

संविधान से खिलवाड़ कर रही सरकार

भुवनेश्वर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भुवनेश्वर में कांग्रेस के संविधान बचाओ समावेश कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला। बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र की तरह अब बिहार में चुनाव को चोरी करने की साजिश कर रही है। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। मैं कल बिहार में था। जिस तरह महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई, उसी तरह का प्रयास बिहार में किया जा रहा है। चुनाव की चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साजिश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा के रूप में काम कर रहा है, वह अपना काम नहीं कर रहा है।

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण के नाम पर अब बिहार में चुनाव चोरी करने की हो रही साजिश : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए। कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और वे कहां से आए थे। बिहार में मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि अडाणी ओडिशा सरकार चलाते हैं। अडाणी नरेंद्र मोदी को चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है, तो लाखों लोग इसे देखते हैं। फिर एक नाटक होता है कि अडाणी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ में आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडाणी जैसे 5–6 अरबपतियों की सरकार है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ नया शुरू ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सावरकर पर बयान के लिए दोषी नहीं : राहुल गांधी

सावरकर पर दिए बयान के लिए राहुल गांधी ने खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने साफ कहा कि मैं इस मामले में दोषी नहीं। पुणे की अदालत में शुक्रवार को मानहानि मामले की सुनवाई हुई यह मामला राहुल गांधी के एक पुराने बयान से जुड़ा है जो उन्होंने वीर सावरकर को लेकर दिया था। इस मामले की शिकायत सावरकर के परपोते सत्यकी सावरकर ने की थी। कोर्ट ने राहुल गांधी पर आरोप पढ़कर सुनाया। राहुल गांधी की ओर से उनके वकील मिलिंद पवार पेश हुए और उन्होंने अदालत में बताया कि राहुल गांधी खुद को इस मामले में दोषी नहीं मानते।

बोर गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिरी, 5 की मौत

कवर्धा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के कुकदूर थाना अंतर्गत आगरपानी गांव के पास दर्दनाक घटना घटी। एक बोर गाड़ी अनियंत्रित होकर 60 गहरी खाई में गिर गई। काफी गहराई में गिरने के बाद ट्रक के परखच्चे उड़ गए। ट्रक के मलबे के पास से 5 लोगों की लाश मिली। रेस्क्यू के बाद ट्रक के नीचे दबे 6 लोगों को निकाला गया है, जिन्हें काफी चोटें लगी है। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

■ पंडरिया तहसील के आगरपानी के पास दर्दनाक घटना घटी

शहडोल एमपी से बेमेतरा जा रही बोर गाड़ी क्रमांक ञ्जह 88 ष्ठ 1702 ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गई। शुक्रवार सुबह कुछ लोगों ने खाई में ट्रक देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद चार शवों को ट्रक के नीचे से निकाला। 2 गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले, जिन्हें कुकदूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। ट्रक के नीचे और भी लाश दबे होने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, जिसके बाद चार और घायलों को ट्रक के नीचे से निकाला गया। सभी को अस्पताल भेजा गया है। मौके से 4 लाश मिली घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल में भर्ती 2 और लोगों की मौत– अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार गंभीर घायलों में 2 और लोगों की मौत हो चुकी है। यानी ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

चुनाव आयोग को नहीं दे सकते बेलगाम ताकत

नई दिल्ली,11 जुलाई (एजेंसियां)। एक देश–एक चुनाव के लिए 129 वें संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय कमेटी की बैठक शुक्रवार को संसद भवन में हुई। इस बैठक में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जगदीश सिंह खेहर ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बैठक के दौरान अपनी बातें भी रखी। दोनों पूर्व सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के चुनाव आयोग को एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली को लागू करने में अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने भी प्रस्तावित संविधान संशोधन कानून में चुनाव निकाय को दी गई 'व्यापक शक्तियों' पर सवाल उठाया था।

■ जेपीसी की बैठक में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने दिया सुझाव

डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर ने संसदीय समिति को सुझाव दिया कि चुनावों के संचालन पर एक निगरानी तंत्र होना चाहिए।

निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल जरूरी–न्यायाधीशों में से एक ने यह भी कहा कि निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल सुशासन के लिए महत्वपूर्ण है। इसे (पांच साल के कार्यकाल को) किसी भी परिस्थिति में कम नहीं किया जाना चाहिए। संविधान (एक सौ उनतीस वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति जांच कर रही है। बता दें कि देश के दो अन्य पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित और रंजन गोगोई भी समिति के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं। हालांकि दोनों ने एक साथ चुनावों की संवैधानिकता पर सवाल नहीं उठाया, लेकिन उन्होंने विधेयक के कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए और सुझाव दिए थे।

राधिका हत्या मामले में खुलेंगे राज

गुरुग्राम,11 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुग्राम के सेक्टर–57 के सुशांतलोक–2 में गुरुवार की सुबह करीब 11.30 बजे महिला टेनिस खिलाड़ी को उसके पिता ने चार गोली मारकर हत्या कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टेनिस खिलाड़ी के अकेडमी चलाने पर नाराजगी के चलते पिता ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से उसी पीठ में गोली मार दी। राधिका यादव को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने आरोपी को एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। मृतका की पहचान राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव (करीब 25 वर्ष) के रूप में हुई, जोकि अपने परिवार के साथ सेक्टर–57 स्थित सुशांतलोक–2 में रहती थी। टेनिस खिलाड़ी को गोली मारने की सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त (पूर्व), सेक्टर–56 थाने के प्रभारी, एफएसएल, सीन ऑफ क्राइम और फिंगरप्रिंट की पुलिस टीमें घटनास्थल पहुंची। जिस घर में गोली मारी गई थी, पुलिस ने वहां पर साक्ष्य एकत्रित किए गए। मृतका के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी रखवाया गया। पुलिस जांच में पता चला कि राधिका ने टेनिस खेल में कई पदक भी जीते हैं। कुछ माह पहले कंधे में चोट लगने के कारण राधिका ने टेनिस खेलना छोड़ दिया था। इसके बाद राधिका ने वजीराबाद गांव में बच्चों को टेनिस सिखाने के लिए अकादमी शुरू की थी, लेकिन राधिका के पिता दीपक इस अकादमी को खोलने के खिलाफ थे। मृतका राधिका एक टेनिस अकेडमी चलाती थी और उसके पिता टेनिस ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

■ आरोपी पिता को एक दिन की पुलिस रिमांड

■ टेनिस खिलाड़ी बेटी को मौत के घाट उतारा

उपलब्धि

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स विश्व धरोहर के लिए नामित, भारत की ओर से 224-25 चक्र के लिए प्रस्तुत किया गया यह नामांकन

दुनिया के 31 अन्य स्थलों के साथ होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने के लिए नामांकित किया गया है। इस प्रस्ताव का मूल्यांकन 6 से 16 जुलाई के बीच पेरिस में चल रहे यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) के 47वें सत्र में किया जा रहा है।

इस सत्र में दुनिया भर से कुल 32 नए स्थलों के नामांकन पर चर्चा की जा रही है, जिनमें भारत का यह ऐतिहासिक सैन्य तंत्र भी शामिल है। भारत की ओर से यह नामांकन 2024–25 चक्र के लिए प्रस्तुत किया गया है। इन 12 स्थानों में महाराष्ट्र का साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खांदेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु का जिन्जी किला शामिल है। इन किलों को देश के कई भौगोलिक और प्राकृतिक क्षेत्रों में इस तरह से बनाया गया था कि वे मराठा शासन की सैन्य ताकत को दर्शाते हैं। इनमें पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्र के किनारे और अंदरूनी मैदानों पर बने किलों का अनोखा संगम देखने को मिलता है। विश्व धरोहर समिति की बैठक में 11 से 13 जुलाई के बीच 32 स्थलों की समीक्षा की जा रही है। भारत के इस नामांकन के साथ–साथ कैमरून का डीआईवाई–जीआईडी–बीआईवाई सांस्कृतिक क्षेत्र, मलावी का माउंट मुलंजे सांस्कृतिक परिदृश्य, और यूएई का फाया पैलियोलैंडस्केप जैसे स्थलों पर भी चर्चा की जा रही है। इसके अलावा दो पहले से ही यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की सीमाओं में संभावित बदलाव के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। अगर इस नामांकन को यूनेस्को की विश्व हेरिटेज सूची में स्थान मिलता है, तो यह भारत के ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

क्या है मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स में 12 किले और किलेबंद क्षेत्र शामिल हैं जो 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित किए गए थे। यह किले मराठा साम्राज्य की सैन्य शक्ति, रणनीति और निर्माण कला का अद्भुत उदाहरण माने जाते हैं। यह किले न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण थे। यूनेस्को के ऑपरेशनल गाइड लाइंस 2023 के अनुसार, हर देश एक बार में केवल एक ही नामांकन जमा कर सकता है। भारत ने इस चक्र के लिए मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स को चुना है।

शिक्षा के क्षेत्र में मुंगेली को मिलेगी नई पहचान

शिक्षा गुणवत्ता के लिए चलाया जाएगा '90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान'

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर कार्ययोजना पर की विस्तृत चर्चा

मुंगेली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। शिक्षा के क्षेत्र में मुंगेली जिले को एक नई पहचान दिलाने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से "90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान "चलाया जाएगा। इस अभियान को कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल और जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय के मार्गदर्शन में संचालित किया जाएगा।

जिला कलेक्ट्रेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर इस अभियान की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक छात्रों को 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक दिलाना है।इस पहल में शिक्षकों, पालकों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर ने विशेष रूप से अंग्रेज़ी शिक्षा पर ज़ोर देते हुए प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए और विद्यालयों में अंग्रेज़ी के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की बात कही। उन्होंने शिक्षकों को विषयवार व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर छात्रों के डाउट्स वीडियो कॉल या यूट्यूब लिंक के माध्यम से दूर करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही बच्चों के व्यक्तित्व विकास, शत-प्रतिशत उपस्थिति, पाठ्यक्रम की समय पर पूर्णता और शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने जैसे दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए ऐसा शैक्षणिक वातावरण तैयार करें जिसमें वे सहज और आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करें। 90 प्लस अभियान न सिर्फ परीक्षा परिणाम सुधारने में बल्कि छात्रों के आत्मबल को बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडे ने बताया कि 50 प्रतिशत से कम अंक लाने वाले छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं संचालित की जाएंगी ताकि उन्हें बाकी छात्रों के समकक्ष लाया जा सके। इस अभियान के लिए विकासखंड और जिला स्तर पर विशेष शिक्षकों की समितियाँ गठित की गई हैं, जो नियमित मूल्यांकन और मार्गदर्शन का कार्य करेंगी। जिला शिक्षा अधिकारी सी.के. धृतलहरे ने जानकारी दी कि जुलाई से दिसंबर 2025 तक सभी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की समयबद्ध योजना बनाई गई है। छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सख्त मॉनिटरिंग की जाएगी और शिक्षण गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान रहेगा। मासिक मूल्यांकन परीक्षाएं आयोजित कर कमजोर छात्रों की पहचान की जाएगी और उनके लिए सुधारात्मक शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक विषय के लिए मास्टर ट्रेनर चयनित किए जा रहे हैं, जिन्हें प्रशिक्षण देकर वे अपने संस्थानों में प्रभावी शिक्षण पद्धति लागू करेंगे। जहां किसी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, वहां वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। साथ ही पालक-शिक्षक समितियों की मासिक बैठकें आयोजित कर छात्रों की प्रगति पर चर्चा होगी। छात्रों के लेखन कौशल को सुधारने के लिए उत्तर लेखन अभ्यास भी कराया जाएगा। इस बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

तखतपुर विधायक धरमजीत की उपस्थिति में डीएवी विद्यालय में पौधरोपण

तखतपुर 11 जुलाई (देशबन्धु)। डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देवरीखुर्द में विधायक माननीय धरमजीत सिंह, पूर्व विधायक अकलतरा चुन्नी लाल साहू, राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा के जिला समन्वयक मनोज सिन्हा, जनपद सदस्य मनहरण लाल कौशिक, विधायक प्रतिनिधि संतोष कौशिक देवरीखुर्द के सरपंच राम कुमार कौशिक, स्माइल वेलफेयर की फाउंडर एवं एस एम डी सी की अध्यक्षा नीरू विष्ट संस्था प्रमुख विनय कुमार श्रीवास्तव, विद्यालयीन शिक्षकगण अभिभावकों एवं छात्रा छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति और कुशल निर्देशन में वृक्षारोपण किया गया।

जिसके तहत विद्यालयीन परिसर में एवं फलदार, छायादार, तथा औषधीय पौधों जैसे ऑम, अमरूद, ऑवला, पीपल, सहजन, बास इत्यादि का रोपण किया गया तथा उनकी सुरक्षा हेतु संकल्प लिया गया।

एक पेड़ मॉ के नाम कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक धरमजीत सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर पर्यावरण संरक्षण के लिए देशभर में वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ मां के नाम शुरू किया गया है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना का जिक्र करते हुए मां का लगाव बच्चों के साथ अधिक रहता है और अपनी ममता की छाया हमेशा प्रदान करती है, ठीक पेड़ भी माँ की तरह होते है और उनकी उपस्थिति से पृथ्वी की हरा भरा एवं स्वस्थ रखने के दायित्वों का निर्वहन करती है और अपने साए में समेटे रहती है।

विधायक ने उपस्थित अभिभावकों एवं, बच्चों से अपील की कि सभी अपने घर के पास एक पेड़ जरूर लगाये और पर्यावरण को संरक्षित करने में सहयोग प्रदान करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा के जिला समन्वयक मनोज सिन्हा ने अपने उद्बोधन में बताया कि केंद्र सरकार की फ्लैग शिप योजना के अंतर्गत द्वितीय चरण में पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए इस योजना की पहल की गई।

विद्यालय के संस्था प्रमुख ने बताया कि एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारे वातावरण को स्वच्छ व शुद्ध रखना है तथा प्रकृति के प्रति सकारात्मक रवैये को लेकर लोगों को जागरूक किया जाना है ताकि बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण अशुद्ध होते वातावरण से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे अनुकूल बनाया जा सके।

कक्षा एल के जी के विद्यार्थियों द्वारा ग्रीन डे सेलिब्रेशन मनाया गया, इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हरे रंग के वस्त्र धारण कर पर्यावरण को संरक्षित रखने का संदेश दिया। साथ ही साथ बच्चों के द्वारा वृक्षारोपण भी कराया गया।

सार-संक्षेप

उर्वरक विक्रय में अनियमितता पर 13 कृषि केन्द्रों को नोटिस

3 केन्द्रों के विक्रय पर प्रतिबंध

मुंगेली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। कृषि विभाग के संचालक राहुल देव के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में खाद-बीज की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।कृषि विभाग के उपसंचालक एम.आर. तिग्गा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर जायसवाल कृषि केन्द्र एवं ट्रेडर्स औराबांधा, अमन कृषि केन्द्र लछनपुर, नारायण ट्रेडर्स सारधा, राठौर कृषि केन्द्र सारधा, हरिओम कृषि केन्द्र हरदी, जानकी खाद भंडार झोंका, साहू कृषि केन्द्र भटगांव, बालाजी ट्रेडर्स रीवापार, मां शैलपुत्री कृषि केन्द्र कोदवाबानी, सोनकर कृषि केन्द्र ठकुरीकापा, वैभव कृषि केन्द्र भटगांव, हेमंत कृषि केन्द्र भटगांव और साहू कृषि केन्द्र लौदा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

तीन कृषि केन्द्रों के उर्वरक विक्रय पर प्रतिबंध

जिला निरीक्षक मनहरण कुर्रे ने बताया कि 7 उर्वरकों के नमूने लिए गए हैं और सभी केन्द्रों को निर्देशित किया गया है कि उर्वरक का विक्रय केवल निर्धारित मूल्य पर एवं पॉस मशीन से ही किया जाए। साथ ही केन्द्रों में मूल्य सूची व स्टॉक की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग की सहायक संचालक ललिता मरावी, निरीक्षक राजेश साहू, योगेश दुबे, उमेश दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने दिया धरना

तखतपुर 11 जुलाई (देशबन्धु)। तखतपुर विधानसभा के समस्या को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन नगर कांग्रेस कमेटी एंव आशीष सिंह ठाकुर के नेतृत्व में किया गया। धरना प्रदर्शन में विचार रखते हुए कांग्रेस नेता आशीष सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को लोगों की समस्याओं से कोई लेना देना नही है सभी अपने में मस्त है और प्रदेश की जनता त्रस्त है जितनी दूर्दशा सड़कों की भाजपा की इस कार्यकाल में हुई है उससे अधिक कभी नही हुई है। राहगीर घर से निकलते ही बड़ी सावधानी के साथ सड़क पर चलते है ताकि वे गढ्ढे से बचकर ठीक से निकल जाए। कांग्रेस की ओर से धरना प्रदर्शन मनियारी के पुल के पास प्रांरभ हुआ और कांग्रेस पदयात्रा करते हुए गांधी पुतला के पास पहुंचें जहां गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए एवं गत दिवस सिलेण्डर से भरी आटो के पलट जाने की घटना हुई थी उस जगह पर पूजा अर्चना कर राहगीरों को दूर्घटना से बचाने की भगवान से विनती की गई। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पाण्डेय ने कहा कि भाजपा की सरकार जनप्रतिनिधि और अधिकारी केवल अपनी जेब गरम कर रहे है स्कूल बंद कर रही है और शराब भठ्ठी खोल रही है यहीं भाजपा की रीति है। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शिवबालक कौशिक ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लोगों को बरगलाकर चुनाव से जीत गई लेकिन अब जो झुठे वादा किए थे उन्हें पूरा करने में पसीने छुट रहे है। किसानों को ज्यादा उपज न मिले इसलिए सोसायटी में खाद नही मिल पा रही है इसका सीधा असर धान की उत्पादन पर होगा यदि उत्पादन कम होगी तो सरकार तो कम धान खरीदना पड़ेगा।कार्यक्रम का संचालन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अजय देवांगन एवं आभार प्रदर्शन नगर कांग्रेस कमेटी बिहारी देवांगन ने किया।

युवक के पास से देशी शराब जब्त

तखतपुर 11 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध रूप बिक्री के लिए देशी शराब को पुलिस ने जप्त करते हुए आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34,1 क के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि समडील बंधिया तालाब के पास एक युवक देशी शराब बिक्री के लिए रखा हुआ है सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर आरोपी के पास से साढ़े चार लीटर देशी शराब जप्त करते हुए आबकारी अधिनियम की धारा 34,1 क के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कौशल विकास प्राधिकरण समिति की बैठक आयोजित

लक्ष्य के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उनका प्लेसमेंट करने पर जोर

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही, 11 जुलाई (देशबन्धु)। कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय कौशल विकास प्राधिकरण समिति की बैठक में जिले को प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करने और उनका प्लेसमेंट करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में समिति के सदस्यों ने कौशल प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। सदस्यों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में बड़ी संख्या में आवास निर्माण को ध्यान में रखते हुए राजमिस्त्री का प्रशिक्षण देने सुझाव दिया। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के बाद हितग्राहियों को स्वरोजगार हेतु शासकीय योजनाओं से जोडते हुए उन्हें प्राथमिकता से लोन स्वीकृत कराने, स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रतिष्ठानों में रोजगार दिलाने, बैठक की सूचना के साथ बैठक की एजेंडा उपलब्ध कराने, समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित कर बैठक में लिए गए निर्णय एवं सुझावों के पालन प्रतिवेदन से अवगत कराने सहित कई सुझाव दिए। बैठक में सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि जिले में 8 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (वीटीपी) संचालित है। इनमें अंत्यावसायी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र पेण्ड्रारोड, शासकीय आईटीआई गौरेला, शासकीय आईटीआई पेण्ड्रा, रक्षित आरक्षी पेण्ड्रा, शासकीय आईटीआई मरवाही, डीएम स्कील एजुकेशन धनपुर मरवाही, कैरियर जोन एजुकेशनल सोसायटी मरवाही एवं लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी गौरेला शामिल है। वर्ष 2025-26 के लिए कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्लंबर जनरल के लिए 90, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन एवं जनरल ड्यूटी असिस्टेंट के लिए 60-60, सेल्फ एम्प्लाएड टेलर, योगा इंस्ट्रक्टर के लिए, इलेक्ट्रिशियन डोमेस्टिक साल्यूशन, रूम अटेंडेंट, फील्ड टेक्नीशियन एसी, डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर, डेस्कटॉप पब्लिशिंग एवं मेसन जनरल के लिए 30-30 युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, समिति के सदस्य उपस्थित थे।

अतिक्रमण बना सिरदर्द, प्रशासनिक सख्ती के बाद भी नहीं रुक रहा कब्जा

मुंगेली 11 जुलाई (देशबन्धु)। नगर में अतिक्रमण का मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। नगर पालिका द्वारा लगातार निरीक्षण और नोटिस दिए जाने के बावजूद दुकानदार अपनी दुकानों के सामने सड़क पर सामान फैलाकर व्यापार कर रहे हैं, जिससे न केवल यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है बल्कि आए दिन जाम की स्थिति भी बन रही है।

नगर के प्रमुख मार्ग पड़ाव चौक से लेकर पंडरिया रोड तक, सड़क किनारे ठेले, गुमचे और सब्जी की दुकानों की भरमार है। सड़क का आधा हिस्सा इन अस्थायी दुकानों ने घेर लिया है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही है। यही हाल नगर के हृदय स्थल गोलबाजार क्षेत्र का है, जहां हर दिन सब्जी विक्रेता और ठेलेवाले सड़कों पर कब्जा जमाकर बैठे रहते हैं। इससे आम राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

> दुकानदारों की मनमानी से यातायात बाधित, जुमलेबाज जनप्रतिनिधि केवल फोटो तक सीमित

हालांकि नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार निरीक्षण कर नोटिस जारी किए हैं, लेकिन इन कार्रवाइयों का कोई खास असर नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार जनप्रतिनिधि सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं। उन्हें न तो आम नागरिकों की परेशानी से कोई लेना-देना है और न ही नगर के समुचित विकास से।

इस विषय पर जब नगर पालिका उपाध्यक्ष से पूछा गया, तो उन्होंने हमेशा की तरह सुधार की प्रक्रिया का हवाला देकर बात टाल दी। नवपदस्थ नगर पालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी होरी लाल ठाकुर ने कहा कि ठेले-गुमचे लगाने वालों के कारण यातायात बाधित हो रही है। अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

नगरवासियों की मांग है कि अतिक्रमण के खिलाफ सख्त और स्थायी कार्रवाई हो, ताकि यातायात व्यवस्था सुधरे और राहगीरों को राहत मिल सके। प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है, नहीं तो यह समस्या आने वाले दिनों में और भी गंभीर रूप ले सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर-दुर्ग-भिलाई और...

एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जनजातीय क्षेत्रों में नवाचार केंद्र स्थापित करना और कृषि, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य व विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर खास ध्यान देना भी इस नीति के प्रमुख उद्देश्य हैं।इससे युवाओं को नई सोच और तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप पर अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के छोटे और मध्यम व्यापारियों को प्रोत्साहित करने तथा न्यायालयों में लंबित कर संबंधी मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया है। छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे नक्शा बंटवारे और अभिलेखों के अद्यतनीकरण में सहूलियत होगी अवैध प्लाटिंग पर रोक लगेगी, जियो-रेफरेंस मैप से भविष्य में कानूनी विवाद कम होंगे। नामांतरण की प्रक्रिया आसान होगी। भूमि धारक की मृत्यु पर संयुक्त खाताधारकों और वारिसों को नामांतरण में सहूलियत होगी। भवन या भूखंड का हस्तांतरण भूमि के अनुपात में हो सकेगा। औद्योगिक नीति, आवास योजना और नगरीय विकास की प्रक्रियाएं सरल होंगी। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय अधिनियम, 2004 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

प्रदेशवासियों को लगा ...

विद्युत दर लागू करने हेतु घरेलू उपभोक्ता श्रेणी (स्क्क-1) में सम्मिलित किया गया है। घरेलु उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है। गैर घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। आफसेट प्रिन्टर्स एवं प्रिंटिंग प्रेस उपभोक्ताओं को स्क्क-2 से हटाकर स्क्क-5 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। गैर घरेलु उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर भी नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है। राज्य शासन द्वारा अधिसूचित वाम चरमपंथी प्रभावित जिलों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु मोबाईल टॉवर की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु इन क्षेत्रों में आने वाले सभी मोबाईल टॉवरों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है।

संविधान से खिलवाड़ ...

हुआ है। ओडिशा में 40 हजार से ज्यादा महिलाएं गायब हो गईं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएं कहां गईं। यहां हर दिन महिलाओं पर अत्याचार होता है। उनके साथ दुष्कर्म होता है। ओडिशा में हर दिन 15 महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है। आपकी सरकार चौबीसों घंटे आपका खून चूसती है, आपकी जमीन छीनती है।

बोर गाड़ी अनियंत्रित होकर...

इस दर्दनाक घटना में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 5 का इलाज चल रहा है।

जिस तरह से लाश अकड़ चुकी है, उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि घटना देर रात हुई होगी। रात में इस रोड से लोगों का आवागमन कम होता है जिसके कारण किसी घटना का पता नहीं चला। सुबह आसपास के ग्रामीण जंगल की ओर जा रहे थे तब दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को देखा और पुलिस को सूचना दी। शहडोल एमपी से बेमेतरा जा रही बोर गाड़ी क्रमांक ड्डह्र 88 ष्ठ 1702 ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गई जिससे घटनास्थल पर तीन लोगों की मृत्यु हो गई थी तथा घायल 6 लोगों को तुरंत इलाज हेतु कुकदूर अस्पताल भेजा गया था जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां पर दो लोगों की और मृत्यु हो गई है चालक हरि वलगन (तमिलनाडु), वाहन मालिक किशोर तंगवेल (तमिलनाडु)। मृतकों में 1. गजेंद्र राम पिता रंगू राम उम्र 30 वर्ष निवासी ठेठे टांगर बरा गजोर थाना कुनकुरी, 2. सुभाष राम पिता बलदेव उम्र 25 वर्ष ग्राम बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर, 3. हरीश पिता चंद्राराम उम्र 19 वर्ष जाति भुईहर ग्राम बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर, 4. देवधर पिता देवभोराम उम्र 45 वर्ष निवासी नारियरढार कोका भरी थाना भन्सानेल जिला जशपुर, 5. राज उम्र 50 वर्ष निवासी तिर चूमगोड़ थाना नामकल जिला नामकल तमिलनाडु शामिल है।

राधिका हत्या मामले में ...

अकेडमी चलाने की बात से खुश नहीं थे। मृतका के साथ टेनिस अकेडमी चलाने को बात पर हुए विवाद के चलते बृहस्पतिवार को राधिका यादव के पिता ने गुस्से में आकर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से तीन गोली उसकी पीठ में मार दी। गोली लगने के बाद राधिका का चाचा कुलदीप और चचेरा भाई उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई।

दुनिया के 31 अन्य...

लिए गर्व का विषय होगा। इससे इन ऐतिहासिक स्थलों की वैश्विक मान्यता बढ़ेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, और इनके संरक्षण के प्रयासों को और गति मिलेगी।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम अंकिता दुआ पति अमित दुआ अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम अंकिता पिपलानी दुआ पति अमित दुआ निवास वार्ड नं. 31, ऋषि कॉलोनी, ट्विंकल नर्सरी के पास, दयालबंद, बिलासपुर छ.ग. 495001 रख ली हूं। अत: अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम अंकिता पिपलानी दुआ पति अमित दुआ नाम से जाना एवं पहचाना जाय।

अंकिता पिपलानी दुआ
वार्ड नं. 31, ऋषि कॉलोनी, ट्विंकल नर्सरी के पास, दयालबंद, बिलासपुर (छ.ग.)495001

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बीपी-4, टेक्नोपोलिस बिल्डिंग, चौथी मंजिल, सेक्टर V, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता पश्चिम बंगाल- 700091
CIN No: L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कर्ज़दार- इंटेरियो नेशन, ज़मानतदार- उचित सूद, अजय बुधवानी, रीनम सूद और बंधककर्ता- उचित सूद और रीनम सूद/ पार्टनर्स उचित सूद और अजय बुधवानी द्वारा प्रतिनिधित्व, दूसरी मंजिल, पी सी ज्वैलर्स के सामने, अग्रसेन चौक, नटराज होटल के पास, छत्तीसगढ़, बिलासपुर- 495001/ 028205501376	फ्लैट क्रमांक 605, 6वीं मंजिल, ओम श्री फेज-2, खसरा क्रमांक 1048/14, शंकर नगर, पी.एच. क्रमांक 110/40, आर.एन.एम. रायपुर 1, भीमराव अंबेडकर वार्ड क्रमांक 27, रायपुर नगर निगम, तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.) (कुल क्षेत्रफल- 772 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: स्वीकृत मानचित्र के अनुसार, दक्षिण में: स्वीकृत मानचित्र के अनुसार, पूर्व में: स्वीकृत मानचित्र के अनुसार, पश्चिम में: स्वीकृत मानचित्र के अनुसार/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि 09/07/2025	25/03/2025 रु. 25,87,185.00/-	बिलासपुर/ जोधपुर/ रायपुर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जुलाई 11, 2025, स्थान : रायपुर एवं बिलासपुर — भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रेम लता अग्रवाल (Prem Lata Agrawal) पति सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी मतोमा चर्च के सामने, वार्ड नं. 04, गांधी नगर, बिलासपुर यह घोषणा करती हूं कि मेरे पुराने दस्तावेजों में भूलवश मेरा नाम प्रेम लता अग्रवाल (Prim Lata Agrawal) दर्ज हो गया था, एवं मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम प्रेम लता अग्रवाल (Prem Lata Agrawal) जो कि मेरा सही नाम है। अत: अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों प्रेम लता अग्रवाल (Prem Lata Agrawal) से ही जाना एवं पहचाना जाये।

प्रेम लता अग्रवाल (Prem Lata Agrawal)
पति सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी मतोमा चर्च के सामने, वार्ड नं. 04, गांधी नगर, बिलासपुर

न्यायालय - भाड़ा नियंत्रक अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

तिलकराज कालरा पिता स्व. श्री मदनलाल कालरा .... आवेदक/ भवन स्वामी
बनाम
श्री नीतिन द्विवेदी पिता श्री अवधेश कुमार द्विवेदी .... अनावेदिका/ किरायेदार
प्रकरण क्रमांक .... 14/ अ-90(7)/ 2025
पेशी दिनांक 25/07/2025

प्रति,
श्री नीतिन द्विवेदी, उम्र 31 वर्ष, पिता श्री अवधेश द्विवेदी निवासी- विद्यानगर बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.
वर्तमान पता- दुकान नं. 01 नेचर सिटी गेट के पास सकरी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक तिलकराज कालरा पिता स्व. श्री मदनलाल कालरा के द्वारा आपके विरूद्ध छ.ग. भाड़ा नियंत्रण अधिनियम 2011 के अधीन किरायेशुदा परिसर से बेदखली एवं बकाया किराया राशि की वसूली हेतु मामला न्यायालय में पेश किया है जो कि विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में सुनवाई तिथि दिनांक 25/07/2025 को नियत है।

आप सुनवाई तिथि 25/07/2025 को स्वत: या अपने विधिक अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय भाड़ा नियंत्रक, बिलासपुर के न्यायालय में समय 3.00 बजे अपने पक्ष समर्थन में सुनवाई हेतु उपस्थित रहें। आपके अनुपस्थित रहने पर प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 08/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

सील — **भाड़ा नियंत्रक जिला बिलासपुर (छ.ग.)**

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ क्यू. / तह./ वा./ 24
अकलतरा, दिनांक 04/07/2025
रा.प्र.क्र...../ ब-121/ 2024-25
ग्राम किरारी प.ह.नं. 25

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता आवेदक राजेश कुमार पिता रामनारायण जाति कुर्मी निवासी ग्राम किरारी थाना अकलतरा तहसील अकलतरा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) ने आवेदन मय शपथपत्र पेश कर निवेदन किया है कि उनके पिता रामनारायण पिता मंगलू का मृत्यु दिनांक 21/05/2003 को ग्राम किरारी में हुआ पर भूलवश मृत्यु पंजीयन ग्राम किरारी में नहीं करा पाने कारण जन्म/ मृत्यु पंजीयन दर्ज कर प्रमाण पत्र की मांग किया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 21/07/2025 को दावा/ आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)**

देश

उवाच “ नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार समाज के सभी वर्गों को सशक्त और सुरक्षित बनाने के दिशा में काम कर रही है। राजग सरकार ने दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की पेंशन 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए कर समाज के हर तबके के साथ होने का अपना वादा पूरा किया है: **सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिहार**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36°	27°
मुंबई	3°	27°
कोलकाता	34°	27°
चेन्नई	36°	27°

दलित व आदिवासी विरोधी भाजपा उत्पीड़न करने वालों के साथ : कांग्रेस

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी को दलित और आदिवासी विरोधी करार देते हुए कहा है कि पहले की सरकारें दलित, पिछड़े, आदिवासी छात्रों के साथ उत्पीड़न की घटना होने पर उनके साथ खड़ी होती थी और आरोपियों को सजा दी जाती थी लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद माहौल बदला है और अब जो उत्पीड़न करते हैं सरकार उनके साथ खड़ी होती है।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री बी वी मालु तथा कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 2014 के बाद एक नए तरह के भारत का उदय हुआ है। पहले जब कहीं भी दलित, पिछड़े, आदिवासी छात्रों के साथ उत्पीड़न की घटना होती थी, तब सरकार पीड़ित लोगों के साथ खड़ी होती थी, वहीं जो लोग इसके आरोपी होते थे, उनको सजा दी जाती थी लेकिन 2014 के बाद जो लोग दलित, पिछड़े, आदिवासी छात्रों के साथ उत्पीड़न की घटनाएं करते हैं, भाजपा सरकार उनके साथ खड़ी रहती है।

रोहित वेमुला को कई तरह से प्रताड़ित किया गया

उन्होंने इस संबंध में रोहित वेमुला हत्या मामले का जिक्र करते हुए कहा कि 2016 में 17 जनवरी को रोहित वेमुला को किन परिस्थितियों में जान देनी पड़ी।

पहले की सरकार पीड़ित लोगों के साथ खड़ी होती थी, वहीं जो लोग इसके आरोपी होते थे, उनको सजा दी जाती थी लेकिन 2014 के बाद जो लोग दलित, पिछड़े, आदिवासी छात्रों के साथ उत्पीड़न की घटनाएं करते हैं, भाजपा सरकार उनके साथ खड़ी रहती है : **राजेंद्र पाल**

सरकार ने सात महीने तक उनकी छात्रवृत्ति को रोक दिया था और उन्हें कई तरह से प्रताड़ित किया गया। उत्पीड़न का यह मामला हैदराबाद यूनिवर्सिटी के अंदर हुआ। मामले को अंबेडकर एसोसिएशन ने उठाया और उसके बाद कार्रवाई कर सुशील कुमार को लिखित में माफी मांगने के लिए कहा गया लेकिन उसने माफी मांगने के बजाय भाजपा की मदद लेकर उनके खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज करा दी। इसमें भाजपा सरकार के तमाम नेता मिले हुए थे। इस ममाले में हालात ऐसे पैदा किये गये कि रोहित वेमुला ने आत्महत्या कर ली।

आरएसएस चीफ के बयान पर पवन खेड़ा का तंज

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सुझाव दिया है कि 75 साल के बाद व्यक्ति को दूसरों के लिए भी रास्ता बनाना चाहिए। आरएसएस प्रमुख के इस बयान का कांग्रेस ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमें खुश होना चाहिए कि मोहन भागवत और प्रधानमंत्री मोदी दोनों इस साल 75 वर्ष के हो रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोहन भागवत के बयान का जिक्र करते हुए कहा, ‘कल मोहन भागवत ने एक खुशखबरी सुनाई। उन्होंने कहा कि 75 साल का होने के बाद इंसान को किसी और को मौका देना चाहिए। अब यह खुशखबरी इसलिए है, क्योंकि मोहन भागवत 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं और 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 75 साल के हो रहे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि अगर नरेंद्र मोदी राजनीति में न होते तो कहां होते? पवन खेड़ा ने कहा, ‘पिछले 11 साल में उन्होंने (पीएम मोदी) देश, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की जो हालत की है, 17 सितंबर को हमें उससे निजात मिलेगी और 11 सितंबर को इससे निजात मिलने का पहला कदम होगा। दोनों की जोड़ी ने ही संविधान की ये हालत की और उसकी (संविधान) आत्मा के साथ खिलवाड़ किया।

‘जल्द आएंगे अच्छे दिन’

मोहन भागवत ने एक खुशखबरी सुनाई। उन्होंने कहा कि 75 साल का होने के बाद इंसान को किसी और को मौका देना चाहिए। अब यह खुशखबरी इसलिए है, क्योंकि मोहन भागवत 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं और 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 75 साल के हो रहे हैं : **पवन खेड़ा**

रोहित वेमुला के परिजनों के साथ खड़े रहे राहुल

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लगातार इस मुद्दे को संसद में उठाया और रोहित वेमुला के परिजनों के साथ खड़े रहे जबकि भाजपा सरकार हमेशा से आरोपियों के साथ खड़ी रहती है और उन्हें सजा देने के बजाय पुरस्कृत करती है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि श्री बंडारू दत्तात्रेय को सजा देने के बजाय, हरियाणा का राज्यपाल बना दिया गया जबकि एम सुशील कुमार को दिल्ली विश्वविद्यायल में प्रोफेसर बनाया गया। इसी तरह से राम चंद्र राव का रोहित वेमुला हत्या में अहम रोल था।

बिहार में बुजुर्गों, महिलाओं, विधवा और दिव्यांगों की मासिक पेंशन राशि 400 रुपए महीना से बढ़ाकर 1100 रुपए की

पटना, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार में बुजुर्गों, महिलाओं, विधवा और दिव्यांगों की मासिक पेंशन राशि 400 रुपए महीना से बढ़ाते हुए 1100 रुपए कर दे गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को इसके तहत के बिहार के 1 करोड़ 11 लाख पेंशनधारकों के खाते में राशि हस्तांतरित की। सीएम नीतीश ने पेंशन राशि बढ़ाने को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी 2025 को महिला संवाद कार्यक्रम में जब बैठक हो रही थी उस दौरान हमने महिलाओं से बातचीत की उनसे चर्चा के दौरान यह लगा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि को बढ़ाया जाना चाहिए। इसके तहत पेंशन की 400 की राशि को बढ़ाकर 1100 किया गया है।

सीएम नीतीश ने ऐलान किया कि अब से प्रत्येक महीने की 10 तारीख को 1100 रुपए की पेंशन राशि जाएगी। इसके तहत शुक्रवार को 1.11 करोड़ पेंशनधारी बिहारियों के बैंक खाते में 1227 करोड़ रुपए की राशि भेजी। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को हमारी सरकार बिहार में बनी थी। पिछले 20 वर्ष में हमारी सरकार ने सभी के कल्याण के लिए कई काम किये।सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के हित के लिए हम निरंतर काम किया है. इसी क्रम में पेंशन की राशि को बढ़ाकर 400 रुपए से 1100 रुपए महीना करने का निर्णय लिया। इससे 1.11 करोड़ पेंशनधारी लाभान्वित होंगे।

लालू-राबड़ी राज पर निशाना साधते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि 24 नवंबर 2005 के पहले कहीं कुछ नहीं था। हमारी सरकार आई तो हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर जगह के लिए काम किया गया। राजद से दो बार हाथ मिलाने पर सफाई देते हुए कहा कि हम गलती से दो बार उन लोगों को साथ लिए थे। अब फिर से कहीं नहीं जाने वाले हैं। अब आगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे।

सीएम नीतीश ने कहा कि उनकी सरकार ने शुरू से ही महिलाओं की सशक्तिकरण और उन्हें आत्म निर्भर बनाने के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार महिला को नहीं पूछती थी। लेकिन हमारी सरकार ने पंचायती राज में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया। सरकारी नौकरी में आरक्षण 35 फीसदी दिया। उन्होंने कहा कि अब महिलाओं की स्थिति कितनी बदली है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि महिला सब अब कितना बढ़िया कपड़ा पहनती हैं।

- 1 करोड़ 11 लाख पेंशनधारकों के खाते में हस्तांतरित की गई राशि
- प्रत्येक महीने की 10 तारीख को 1100 रुपए की पेंशन राशि जाएगी: नीतीश

सार संक्षेप

गजराज के परिवार को खोजे सरकार : जीतू पटवारी

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अशोकनगर के मुंगावली में कथित तौर पर मानव मल खिलाए जाने से चर्चाओं में आए गजराज लोधी के परिवार सहित 14 दिन से लापता होने का आरोप लगाया है। साथ ही चेतावनी दी है कि इस परिवार को सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं लाया गया तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने संवाददाताओं से बात करते हुए गजराज के परिवार सहित गुमशुदगी को लेकर उठाए गंभीर सवाल उठाए और कहा कि अपहरण या हत्या की आशंका है, जिस पर सरकार स्पष्ट जवाब दे और लापता परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने लाए। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अशोकनगर जिले मुंगावली क्षेत्र के मूडरा का गजराज लोधी, उनके भाई रघुराज लोधी और पूरे परिवार की रहस्यमय तरीके से गुमशुदगी हुई है।

मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए : दिग्विजय

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीद रही है। इस दौरान किसानों को कुछ समस्याएं आ रही है। इसको लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक पत्र लिखकर मूंग की एम.एस.पी. पर खरीदी हेतु वेयरहाउस मैपिंग में पारदर्शिता एवं स्लॉट बुकिंग शीघ्र प्रारम्भ करने के संबंध में अनुरोध किया है। दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश में मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीदी के संबंध में कुछ समस्या आ रही हैं।

‘हम हिंदुओं के चौकीदार, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता’: नितेश

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। नितेश राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में एनडीए सरकार होते हुए हिंदुओं को कोई नहीं डरा सकता है। हम हिंदुओं के चौकीदार हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है, हम भी यहां खड़े हुए हैं। मंत्री नितेश राणे ने शुक्रवार को मुंबई के बोरीवली में एक परियोजना का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में भाषण के दौरान नितेश राणे ने कहा, ‘हमारी सरकार रहेगी, तभी देवताओं की रक्षा होगी। मुंबई का डीएनए हिंदू है और अब नगर निगम में सिर्फ भगवा झंडा ही रहेगा।’ उन्होंने कहा, ‘मैं हिंदुओं के वोट से विधायक बना हूं। अगर मैं हिंदुओं की बात नहीं करूंगा तो किसकी करूंगा? मालवणी जाकर देखो, पहले वो ‘कुछ दे भाऊ’ कहेंगे, फिर वही लोग तुम्हें बाप बनाने की कोशिश करेंगे।

यूपी में हत्या, लूट अब आम बात : अखिलेश

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी तत्व बेखौफ है जबकि हत्या,लूट की वारदातें आम हो चुकी हैं। श्री यादव ने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है। भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार तो अब रोज की आम बातें हो गई हैं। पुलिस निरंकुश हैं मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध है। शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है।

उन्होने कहा कि कोई दिन तो नहीं जाता है जब राजधानी लखनऊ सहित अन्य जनपदों में अपराधिक वारदातें न होती हों। भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। कहीं दबंग दलितों की बारात में डीजे बजाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं तो कहीं दूल्हें के घोडे पर चढ़ने पर हंगामा हो जाता है। ताजा घटना बाराबंकी की हैं जहां एक दलित युवक शैलेन्द्र गौतम को मंदिर में प्रवेश से रोका गया और बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी गई।

श्री यादव ने कहा कि सच तो यह है कि अब प्रदेश में लोग आतंक और भय में जी रहे हैं। भाजपा सरकार की हर मोर्चे पर विफलता के चलते प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही है। बच्चियां और महिलाएं अपमानित हो रही है। कानून व्यवस्था तो पूरी तरह ध्वस्त है। इस वजह से प्रदेश में न तो कोई निवेश आ रहा है और नहीं कोई उद्योग लग रहा है। बल्कि जो उद्योग लगे हैं वे भी अब बाहर जाने का मन बना रहे है। मुख्यमंत्री जी बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं पर कोई भी दावा जमीन पर नहीं उतर रहा है।

उन्होने कहा कि विडम्बना है कि प्रदेश में बड़े घोटाले में संलिप्त एक आईएएस अफसर लम्बे समय से फरार हैं पुलिस उन्हें खोज नहीं पा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं : **अखिलेश यादव**

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए सेना ने शुरू किया ‘ऑपरेशन शिवा’

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने श्री अमरनाथ जी की सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर ‘ऑपरेशन शिवा 2025’ शुरू किया है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थित छद्म आतंकवादियों से बढ़े खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी दोनों यात्रा मार्गों पर मज़बूत और पुख्ता सुरक्षा प्रदान करना है, इस वर्ष अभियान के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य जरूरी संसाधनों से लैस 8500 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। साथ ही आतंकवाद-रोधी ग्रिड, सुरक्षा तैनाती और यात्रा मार्गों की सुरक्षा के उपाय किए गए हैं। नागरिक अधिकारियों को भी विशेष रूप से आपदा प्रबंधन और आपात स्थिति में सहायता प्रदान की जा रही है। सेना ने ड्रोन खतरों को बेअसर करने के लिए 50 से अधिक ड्रोन रोधी प्रणाली भी तैनात की है। यात्रा मार्गों और पवित्र गुफा की निगरानी के लिए ड्रोन मिशन चलाए जा रहे हैं।

झारखंड सरकार के कर्मियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता छह प्रतिशत बढ़ा

रांची, 11 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने शुक्रवार को राज्य सरकार के कर्मियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (डीए) में छह फीसदी की बढ़ोतरी को स्वीकृति दे दी। छठे वेतनमान वाले सभी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ता अब 246 प्रतिशत से बढ़कर 252 प्रतिशत हो जाएगा। यह 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूर प्रदान की गई। कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 27 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार, झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से 7 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कुल पांच कार्यदिवस होंगे।

कैबिनेट ने राज्य में सभी पुलिस थानों के लिए चार पहिया और दो पहिया वाहन की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। प्रस्ताव के अनुसार, दो चरणों में कुल 1,255 महिंद्रा बोलेरो एसयूवी और 1,000 दो पहिया वाहन खरीदे जाएंगे। सरकार ने रांची के नामकुम प्रखंड के नयाभुसूर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित डॉ. अभिनीति सिद्धार्थ और जामताड़ा जिले के नाला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. स्नेहा सिंह को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। दोनों लंबे समय से अपनी ड्यूटी से गैरहाजिर हैं। वहीं, जमशेदपुर के सिविल सर्जन रहे डॉ. अरविंद कुमार लाल की सेवा से बर्खास्तगी का फैसला वापस ले लिया गया है।

- कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई
- झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से 7 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा

निगम की बोर्ड बैठक में हंगामा

पटना, 11 जुलाई (देशबन्धु)। पटना नगर निगम की नवमी साधारण बैठक में जमकर हंगामा और नारेबाजी देखने को मिली। बैठक के दौरान मेयर सीता साहू द्वारा पास कराए गए एजेंडे का कड़ा विरोध किया गया। निगम आयुक्त अनिमेष पाराशर ने भी एजेंडे को नियम विरुद्ध बताते हुए आपत्ति जताई। बैठक में डिप्टी मेयर रश्मि चंद्रवंशी, निगम आयुक्त सहित कई पार्षद उपस्थित थे। इस दौरान मेयर और निगम आयुक्त के सामने ही पार्षद आपस में उलझ गए और तीखी नोकझोंक व गाली-गलौज हुई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मेयर गुट के विरोधी पार्षदों ने निगम आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर बैठक का बहिष्कार कर दिया और बाहर निकल गए। बैठक में भारी हंगामा, विरोध और अनुशासनहीनता के चलते कार्यवाही रोक दी गई।

पार्षदों ने एक दूसरे का कुर्ता फाड़ा

इस तरह की हरकतें कभी नहीं हुई : सीता साहू

पटना मेयर सीता साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैं 2017 से कार्यभार संभाल रही हूं लेकिन आज तक इस तरह की हरकतें सामने नहीं हुआ करती थी लेकिन दुर्भाग्य है कि महत्वपूर्ण बैठक में भी पार्षदों की कुव्यवस्था स्पष्ट तौर पर दिख रही है कि कामों में बाधा डालना है गुस्से में सीता साहू ने बोली की दो पार्षद को हटाया गया है इस कमेटी का सदस्य नहीं है लेकिन हस्तक्षेप करने पहुंच जाते हैं कार्यों में बाधा डालते हैं इंद्रदीप वार्ड नंबर 47 आशीष वार्ड नंबर 38 के हैं जिन्होंने अपनी उदंडता से इस बैठक में होने वाली सभी महत्वपूर्ण एजेंडे में बाधा पहुंचाई इस बात की शिकायत मुख्यमंत्री तक करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी सफलता, भारत को नुकसान के दावे खोखले, सबूत हैं तो दिखाओ : अजित डोभाल

चेन्नई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शुक्रवार को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर पहली बार बयान दिया। उन्होंने अभियान की सफलता को लेकर खड़े किए जा रहे सवालों को सिरे से खारिज किया। विदेशी मीडिया को चुनौती दी कि अगर उनके पास भारत के नुकसान को लेकर कोई सबूत है तो उसे पेश करें। आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने ये बातें कही। अजित डोभाल ने कहा कि हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को चुनकर निशाना बनाया। ये सीमावर्ती इलाके नहीं थे, बल्कि वो जगहें थीं जहां हमें यकीन था कि आतंकी मौजूद हैं। हम एक भी लक्ष्य से चूके नहीं और कोई अन्य जगह को निशाने पर लिया नहीं। हमला पूरी तरह सटीक और पूर्व-निर्धारित जानकारी के आधार पर किया गया था। महज 23 मिनट में पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। इस दौरान भारतीय वायुसेना और सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर ऐसी सामरिक एकता दिखाई, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई। उन्होंने कहा कि विदेशी मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया और न ही यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। एनएसए ने कहा, ‘विदेशी प्रेस कहता रहा कि पाकिस्तान ने ये कर दिया, वो कर दिया, लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आया हो, यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो।

हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को चुनकर निशाना बनाया। ये सीमावर्ती इलाके नहीं थे, बल्कि वो जगहें थीं जहां हमें यकीन था कि आतंकी मौजूद हैं: **अजित डोभाल**

अमित शाह का केरल दौरा आज भाजपा मुख्यालय का करेंगे उद्घाटन

तिरुवनंतपुरम, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे। इस दौरान वह भारतीय जनता पार्टी के नव-निर्मित राज्य मुख्यालय का उद्घाटन करेंगे। शाह शुक्रवार रात विशेष विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे। शनिवार को वे औपचारिक रूप से भाजपा के नए राज्य कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और इसके बाद शहर के बीचों-बीच एक प्रमुख स्थान पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों के लिए सामुदायिक भोजन का आयोजन भी किया जाएगा। सार्वजनिक सभा के बाद अमित शाह कन्नूर रवाना होंगे, जहां वे शाम 4 बजे के आसपास प्रसिद्ध थलिपाराम्बा राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वे संभवत: उसी दिन दिल्ली लौट जाएंगे। शाह का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब राज्य में निकाय चुनाव करीब हैं।

‘तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण ऐतिहासिक कदम’

हैदराबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधायक महेश कुमार गौड़ ने शुक्रवार को स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के राज्य सरकार के फैसले की सराहना करते हुए इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए श्री गौड़ ने कहा कि यह ऐतिहासिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिन्होंने लगातार पिछड़े वर्गों के सशक्तीकरण का समर्थन किया है। उन्होंने सामाजिक न्याय के प्रति कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पूरा करने के लिए इस साहसिक कदम को उठाने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य कैबिनेट सहयोगियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ‘रेवंत रेड्डी उच्च जाति की पृष्ठभूमि से होने के बावजूद पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए अपनी बात पर खरे उतरे हैं।’ श्री गौड़ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक के. कविता द्वारा इस फैसले का श्रेय लेने की कोशिशों का मजाक उड़ाया और पिछड़े वर्गों के कल्याण में उनकी अचानक दिलचस्पी पर सवाल उठाया।

‘रेवंत रेड्डी उच्च जाति की पृष्ठभूमि से होने के बावजूद पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए अपनी बात पर खरे उतरे : **गौड़**

यात्रा | हर बार रक्षा बंधन से पहले पिघलता हिमलिंग बना विवाद का मुद्दा

अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग पिघल गया

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 जुलाई (देशबन्धु)। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने इसके पिघलने की प्रक्रिया से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि यह प्राकृतिक प्रक्रिया है पर कश्मीर के पर्यावरणविद इसे मानने को तैयार नहीं हैं जिनका कहना था कि क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल होने की अनुमति देने से ऐसा हुआ है।

चिंता की बात यह है कि इस बार यह यात्रा शुरू होने के 7 दिनों के भीतर ही पिघल गया।

पिछले कई सालों से जिस तेजी से हिमलिंग पिघल रहा है उसे रोकने की खातिर किए जाने वाले उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। दरअसल गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से हिमलिंग को नुक्सान पहुंच रहा है क्योंकि लाखों भक्तों की गर्म सांसों को हिमलिंग सहन नहीं कर पा रहा है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी अप्रत्यक्ष तौर पर भक्तों की सांसों की थ्यूरी को मानते हैं पर प्रत्यक्ष तौर पर वे इसे कुदरती प्रक्रिया करार देते थे।

श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते थे कि ग्लोबल वार्मिंग भी इसे प्रभावित कर रही है। वे इससे इंकार करते थे कि गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वर्ष 1996 के अमरनाथ हादसे के बाद नीतिन सेन गुप्ता कमेटी की सिफारिश थी कि 75 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल न होने दिया जाए। पर ऐसा कभी नहीं हो पाया। इस बार 7 दिनों में डेढ़ लाख श्रद्धालु गुफा में पहुंचे हैं।

श्राइन बोर्ड बोला प्राकृतिक नियम पर्यावरणविद बोले संख्या कम करो

इस पर पर्यावरणविद खफा हैं। वे कहते हैं कि यात्रियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि न सिर्फ हिमलिंग को पिघलाने में अहम भूमिका निभा रही है, यात्रा मार्ग के पहाड़ों के पर्यावरण को भी जबरदस्त क्षति पहुंचा रही है। इन पर्यावरणविदों का कश्मीर के अलगाववादी भी समर्थन करते रहे हैं। दिवंगत सईद अली शाह गिलानी गुट ने तो यात्रा को 15 दिनों तक सीमित करने और यात्रियों की संख्या कम करवाने को कई बार मुद्दा बनाया है।

श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं की संख्या को कम करने को राजी नहीं दिखता है। पर वह हिमलिंग के संरक्षण की योजनाओं पर अमल करने का इच्छुक जरूर दिखता है। श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं की संख्या को कम करने की बजाय यात्रा को सारा साल चलाने के पक्ष में भी समर्थन जुटाने में जुटा हुआ है, जो माहौल को और बिगाड़ रहा है इसके प्रति कोई दो राय नहीं है। यात्रा शुरू होने के बाद भक्तों के अलावा गुफा के आस-पास बड़ी तादाद में सुरक्षाकर्मी भी मौजूद हैं। भारी भीड़ की वजह से अमरनाथ गुफा के आसपास का तापमान और बहुत बढ़ गया है, हालांकि श्राइन बोर्ड ने दावा किया था कि पिछले दो तीन साल में उन्होंने कुछ ऐसे उपाय किए हैं, जिससे गुफा तापमान ना बढ़े। जब 30 जून को बाबा बर्फानी ने पहली बार दर्शन दिए थे तब शिवलिंग का आकार करीब 18 फीट का था। और धीरे - धीरे वह अब लगभग पूरी तरह से पिघल गया है। हालांकि अधिकारी कहते थे कि ये अभी भी एक फीट के करीब विद्यमान है। ये पहला मौका नहीं है जब बाबा बर्फानी पहली बार अपने भक्तों से रूठे हों, इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है।

अभिमत

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है।

बाढ़ क्यों स्थायी समस्या बन गई है?

नवाचार

■ **बाबा मायाराम**

इन दिनों लगातार बारिश हो रही है। नदी-नाले, ताल—तलैया सभी उफान पर हैं। चारों तरफ पानी ही पानी है। नदियों में बाढ़ से नुकसान की खबरें आ रही हैं। लेकिन यह हर साल की समस्या है, बाढ़ अब मौसमी नहीं, स्थायी समस्या बन गई है, बल्कि लगातार बढ़ रही है। हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। आज इस कॉलम में इसी पर बात करना चाहूंगा, जिससे बाढ़ की समस्या को समझा जा सके।

नदियों में पहले भी बाढ़ आती थी। बारिश पूरे चार महीने होती थी। झड़ी लगी रहती थी। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होता था। अब बारिश के दिन कम हो गए हैं। कुछ ही समय में बारिश ज्यादा हो जाती है। पहले जब बाढ़ आती थी, तब वह इतने व्यापक पर कहर नहीं ढाती थी। इसके लिए गांव वाले तैयार रहते थे। बल्कि इसका उन्हें इंतजार रहता था।

खेतों को बाढ़ के साथ आई नई मिट्टी लाती थी, भरपूर पानी लाती थी जिससे प्यासे खेत तर हो जाते थे। पीने के लिए पानी मिल जाता था, भूजल ऊपर आ जाता था, नदी नाले, ताल-तलैया भर जाते थे। समृद्धि आती थी। बाढ़ आती थी, मेहमान की तरह जल्दी ही चली जाती थी।

लेकिन अब वनों की और पेड़ों की कटाई हो गई है। भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समोने वाले जंगल कम हो गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिए काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं। स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। लेकिन पेड़ नहीं रहेंगे तो बहुत गति से पानी नदियों में आएगा और बरबादी करेगा। और यही हो रहा है।

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी-नाले होते थे, लम्बे-लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे- नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगह किसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी-नाले होते थे, लम्बे-लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे-नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगहकिसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

बढ़ता शहरीकरण और कांक्रीट से कांक्रीट निर्माण भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें, सड़कों राजमार्गों का जाल बन गया है। नदियों का प्राकृतिक प्रवाह अवरूद्ध हो गए हैं। जहां पानी निकलने का रास्ता नहीं रहता है, वहां दलदलीकरण की समस्या हो जाती है। इससे न केवल फसलों को नुकसान होता है बल्कि कई बीमारियां भी फैलती हैं। जो तटबंध बने हैं, वे टूट-फूट जाते हैं जिससे लोगों को बाढ़ से बाहर निकलने का समय भी नहीं मिलता। इससे जान-माल की हानि होती रहती है।

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।

शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है। सब जगह पक्के कांक्रीट के मकान और सड़कें हैं। जैसे कुछ बरस पहले मुंबई की बाढ़ का किस्सा सामने आया था। वहां की नदी ही गायब हो गई, और जब पानी आया तो शहर जलमग्न हो गया। ऐसी हालत ज्यादातर शहरों की हो जाती है। शहरों की नदियां या तो गटर में तब्दील हो गई हैं, या फिर गायब ही हो गई हैं। शहर अपनी सारी गंदगी इन्हीं नदियों में डाल देता है।

लेकिन बाढ़ के कारण और भी हैं। जैसे नदियों में रेत कम होना। रेत भी पानी को स्पंज की तरह सोखकर रखती है। अगर रेत ही नहीं रहेगी तो पानी कहां रहेगा। इसके अलावा नदियों के किनारे तट लंबे-चौड़े होते थे, जिससे पानी फैल जाता था। उसके आसपास नालों में पानी चला जाता था, जिससे पानी का वेग कम हो जाता था। पानी को ठहरने की जगह मिल जाती थी और नदियों का प्रवाह कम होने से बाढ़ से नुकसान भी कम होता था।

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती हैं। नदियां बांध दी जाती हैं। निचले हिस्से में लोग समझते हैं, नदी ही नहीं तो वे उसकी जमीन पर खेती करने लगते हैं या कोई और उपयोग, तो जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। इससे बाढ़ से बरबादी होती है।

इसके अलावा, कई बार बांधों से पानी छोड़ने के कारण भी बाढ़ की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि एकदम से पानी छोड़ने से नदियां उफान पर आ जाती हैं, और बाढ़ आ जाती है। जिन बांधों को कभी बाढ़ नियंत्रण का समाधान बताया जाता था, अब उनके कारण ही कई बार बाढ़ आ जाती है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं।

मौसम बदलाव भी एक कारण है। पहले सावन भादो के महीने में लम्बे समय तक झड़ी लगी रहती थी। कभी-कभी हफ्ते भर बारिश होती थी। सूर्य के दर्शन भी नहीं होते थे। लोग घरों से निकल नहीं पाते थे। घरों में ही रहकर रस्सी बनाने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे।

इस तरह, लगातार बारिश का पानी फसलों के लिए और भूजल पुर्नभरण के लिए बहुत उपयोगी होता था। फसलें भी अच्छी होती थी और धरती का पेट भी भरता था। पर अब अब बड़ी-बड़ी बूंदों वाला पानी बरसता है, जिससे कुछ ही समय में बाढ़ आ जाती है। वर्षा के दिन भी कम हो गए हैं।

पहाड़ी नदियों में बाढ़ थोड़ी ही बारिश से आ जाती है। क्योंकि ऊपर पहाड़ यानी चट्टानें होती हैं, जिनमें पानी सरपट दौड़ता है। उसे रूकने व ठहरने का कोई स्थान नहीं मिलता। इससे कई बार जो मछुआरे समुदाय तरबूज-खरबूज की खेती करते हैं। उनकी वह फसल पानी में बह जाती है। इससे उन्हें बहुत नुकसान होता है।

मछुआरों का यह नुकसान इसलिए भी बड़ा होता है, क्योंकि यह मछुआरे समुदाय ज्यादातर भूमिहीन होते हैं, और इस फसल पर उनकी निर्भरता ज्यादा होती है। अगर बाढ़ में यह फसल बह जाती है, तो उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कुल मिलाकर, पानी के परंपरागत ढांचों की भी भारी उपेक्षा हुई है। ताल, तलैया, तालाब, कुएं खेतों में मेड़ बंधान आदि से भी पानी रूकता है। लेकिन इन सबकी उपेक्षा हो रही है। आज कल इन पर ध्यान न देकर भूजल के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है। हमारी बरसों पुरानी परंपराओं में ही आज की बाढ़ जैसी समस्या के समाधान के सूत्र छिपे हैं। अगर ऐसे समन्वित विकल्पों पर काम किया जाए तो न केवल बाढ़ जैसी बड़ी समस्या से निजात पा सकते हैं। बल्कि पर्यावरण और जैव-विविधता और बारिश के पानी का संरक्षण कर सकेंगे। नदियों को भी बचा सकते हैं, और धरती का पुनर्भरण भी कर सकते हैं। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

बीता सप्ताह

5 जुलाई

- उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में तीन दुश्मनों ने लड़ी जंग।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका खारिज की कि मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद विवादित ढांचा नहीं है।
- सब लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया बनी नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट।
- रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी।

6 जुलाई

- पर्यटन, कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगी उप्र-जापान की साझेदारी।
- टेक्साल में बाढ़ से 13 लोगों की जान गई। 20 से अधिक बच्चे हुए लापता।
- राजनीति के इतिहास में 20 साल बाद साथ आए दोनों भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे।
- भगोड़े हीरा व्यापारी पीएनबी बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई मेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया।

7 जुलाई

- पीएम नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे।
- एलन मस्क ने अमेरिका में अमेरिका पार्टी नाम से बनाया नया दल।
- पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सरकारी बंगला अभी तक खाली नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को नोटिस दिया।
- विश्व मुक्केबाजी कम युवा साक्षी ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक।

8 जुलाई

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने जस्टिस वर्मा केस मामले में कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा पर नोटों बंडल निकलने को लेकर तुरंत एफआईआर की जरूरत है।
- पीएम मोदी ने ब्रिक्स समूह को नया आयाम देते हुए कहा कि ब्रिक्स देश घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे।
- छग में आईएएस यशवंत कुमार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाए गए।
- छग में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार जल, जंगल, जमीन सब अडानी को सौंप रहीं है।

9 जुलाई

- इजरायल सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया।
- पीएम मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे।
- स्विटजरलैंड में बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा कोर्टेम बेबी को दी गई मंजूरी।
- 20 सालों में बच्चों पर सबसे बड़ा अध्ययन में पता चला कि अमेरिका में बच्चों की सेहत सबसे ज्यादा बिगड़ रही।

10 जुलाई

- पीएम नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक का सम्मान 'आर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट बेल्विशिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया।
- वायुसेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटना ग्रस्त हो गया। दोनों पायलट की मौत।
- इसरो ने गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया।
- राहुल गांधी ने पटना में कहा कि सरकार बिहार में वोट चुराने की कोशिश कर रही है।

11 जुलाई

- बिहार में वोटर वेरिफिकेशन पर रोक से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार। और ुझाव दिया कि आधार, राशन कार्ड को ीाी पहचान पत्र माना जाए।
- छग सरकार ने कलेक्टरों को दिया तीन माह के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम का अधिकार।
- पांच देशों की यात्रा के बाद पीएम मोदी आज स्वदेश लौट आ गए।
- गुजरात का महिसागर पुल ढह जाने से 17 लोगों की जान गई।

मज़दूरों की अखिल भारतीय हड़ताल की बड़ी सफलता एक चेतावनी

■ **पी. सुधीर**

9 जुलाई को ऐतिहासिक हड़ताल में करोड़ों मेहनतकश लोग सड़कों पर उतर आये। पहले से तय इस हड़ताल को पहलगाम में निर्दोष नागरिक पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद लगभग डेढ़ महीने के लिए स्थगित करना पड़ा था। फिर भी, लोगों पर थोपी गयी मज़दूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ़ प्रतिरोध की भावना अडिग रही।

मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष को तब और बल मिला जब सरकार ने तीन प्रमुख श्रम संहिताओं- औद्योगिक संबंध (आईआर) संहिता; व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां (ओएसएच) संहिता; और सामाजिक सुरक्षा संहिता – को पारित किया। वेतन संहिता, 2019 के साथ, ये चार संहिताएं-44 मौजूदा श्रम कानूनों को समेकित और प्रतिस्थापित करती हैं। ये संहिताएं श्रमिकों के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं- वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा एवं कल्याण- से संबंधित हैं। संक्षेप में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा संचालित कॉर्पोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ के एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए श्रमिक वर्ग के कठिन परिश्रम से प्राप्त अधिकारों को व्यवस्थित रूप से समाप्त किया जा रहा है।

मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्टचेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है: कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ – जो इसे आगे ले जायेगी।

9 जुलाई की हड़ताल का उद्देश्य इस हमले का प्रतिरोध करना था। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस हड़ताल को न केवल देश भर के सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों और औद्योगिक महासंघों का समर्थन प्राप्त था, बल्कि सभी प्रकार के श्रमिकों का भी समर्थन प्राप्त था। निर्माण क्षेत्र जैसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से लेकर वित्तीय क्षेत्र के कर्मचारियों, गिग श्रमिकों और प्रवासी श्रमिकों तक – सभी ने एक स्वर में अपनी आवाज़ उठायी।

किसानों के सबसे व्यापक मंच- संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का सक्रिय समर्थन और भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने की मांग का समर्थन करने के साथ-साथ, किसान संगठनों ने गहराते कृषि संकट को उजागर किया और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की लंबे समय से लंबित मांग को उठाया। कृषि श्रमिक संघों ने ग्रामीण रोज़गार और मनरेगा योजना के लगातार क्षरण पर गंभीर चिंताएं जतायीं।

मज़दूरों, किसानों और खेतिहर मज़दूरों का यह एकजुट होना एक ऐतिहासिक क्षण है – शायद पहली बार इतनी व्यापक एकता उभरी है। यह आजीविका के व्यापक और गहराते संकट को दर्शाता है जिसका सामना देश के अधिकांश मेहनतकश लोग अब कर रहे हैं।

एक तरह से, यह अब केवल आजीविका का संकट नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई बन गयी है। 9 जुलाई की कार्रवाई की तीव्रता प्रस्तावित श्रम संहिताओं द्वारा उत्पन्न व्यापक खतरे से उपजी थी, जो लगभग सभी नियामक ढांचों को ध्वस्त करके और मज़दूरों के लिए बची-खुची कानूनी सुरक्षा को भी छीनकर कॉर्पोरेट्स को पूरी तरह से खुली छूट देने का संकेत देती हैं। यह बेहद विडंबनापूर्ण है कि सरकार ने इन संहिताओं को मज़दूर-समर्थक पहल के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

सत्ता प्रतिष्ठान की बहादुरी के बावजूद, यह बात तेज़ी से साफ़ होती जा रही है कि सरकार अपने इस पाखंड के बढ़ते सार्वजनिक प्रदर्शन से वाकिफ़ है। काम की स्थितियां इतनी ज़्यादा और इतनी बुरी तरह बिगड़ चुकी हैं कि अब उन्हें नकारा नहीं जा सकता। मेहनतकश जनता की बदतर होती स्थिति के दो प्रमुख कारण हैं- बढ़ती बेरोज़गारी और असमानता में तेज़ वृद्धि।

यहां तक कि 31 जनवरी, 2025 को संसद में पेश किये गये आर्थिक सर्वेक्षण 2024 को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ा। इसमें कहा गया है कि सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में श्रम की हिस्सेदारी में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन कॉर्पोरेट मुनाफ़े में असमान रूप से वृद्धि हुई है – खासकर बड़ी कंपनियों में – जो आय असमानता की बढ़ती खाई को रेखांकित करता है।

सरकार ने जहां मज़दूरों और अन्य मेहनतकश तबकों के अधिकारों पर व्यापक हमला किया, वहीं दूसरी ओर उसने कॉर्पोरेट्स को 1.45 लाख करोड़ रुपये का अभूतपूर्व तोहफ़ा भी दिया, जो शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कुल बजट आवंटन से भी ज़्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में भयावह सामाजिक स्थितियां स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं, और कुछ अर्थशास्त्रियों ने तो यहां तक कहा है कि आज भारत में असमानता ब्रिटिश शासन के दौरान देखी गयी असमानता से भी अधिक है।

इसके विपरीत, कॉर्पोरेट अभिजात वर्ग की संपत्ति में नाटकीय वृद्धि देखी गयी है। 2014 में 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले अरबपतियों की संख्या 100 थी; अब यह आंकड़ा दोगुना होकर 200 हो गया है। शीर्ष 100 अरबपतियों की संयुक्त संपत्ति 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (10 खरब रुपये से अधिक) को पार कर गयी है। धन का यह अत्यधिक संचय, बहुसंख्यक कामकाजी लोगों की वास्तविक आय में भारी गिरावट के साथ-साथ चला है। यह गहरा अन्याय है, जो हर सांस और पसीने की बूंद में महसूस किया जाता है, जिसकी अभिव्यक्ति 9 जुलाई को हुए जन आंदोलन में हुई।

श्रम संहिताएं अनिवार्य रूप से 'श्रम बाजार लचीलेपन' की बहुप्रचारित अवधारणा को संस्थागत रूप देने का काम करती हैं- एक अवधारणा जो पहली बार भाजपा के 2009 के चुनाव घोषणापत्र में सामने आयी थी। हकीकत में, यह क्रूर जब मन हो 'नौकरी दो और निकाल दो' व्यवस्था के लिए एक व्यंजना से अधिक कुछ नहीं है, जो वर्तमान में न्यूनतम सुरक्षा को भी समाप्त करने में सक्षम है।

श्रम के व्यापक ठेकाकरण के कारण, केवल लगभग 4 प्रतिशत कार्यबल ही आउटसोर्सिंग के दायरे और शोषणकारी 'स्वेटशॉप' वातावरण से बाहर रह गया है। श्रम संहिताओं का ज़ोर कार्यबल के इस छोटे से हिस्से के भी ट्रेड यूनियन अधिकारों को और कमज़ोर करने पर है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान के अनुरूप है, जिसकी विशिष्ट विशेषता ट्रेड यूनियनों और उनके सामूहिक सौदेबाजी के अधिकारों का विघटन रही है।

सरकार के दावे इतने हास्यास्पद हो गये हैं कि अब वह भारत को दुनिया की चौथी सबसे समान अर्थव्यवस्था घोषित करने के लिए संदिग्ध शोध का हवाला दे रही है, जो एक स्पष्ट रूप से बेतुका दावा है। ऐसा करते हुए, वह आय के आंकड़ों की जगह व्यय के आंकड़ों को पेश कर रही है, जो जितना विचित्र है उतना ही बेईमान भी है।

9 जुलाई को मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है- कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ – जो इसे आगे ले जायेगी।

महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ

बालासाहेब केशव ठाकरे द्वारा 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद से लगभग छह दशकों तक उनकी पार्टी एक ऐसे राज्य में राजनीति की केंद्र रही है जो पारम्परिक रूप से कांग्रेस शासित था। पश्चिमी महाराष्ट्र के शक्कर क्षत्रपों का राज्य पर नियंत्रण था। दहाड़ता बाघ शिवसेना का पर्याय बन गया था। शिवसेना जल्द ही 'मराठी मानुष' के लिए नौकरियों की तलाश करने वाले एक सामाजिक संगठन से हिंदू हितों की हिमायत करने वाली राजनीतिक पार्टी में बदल गई। एक क्षेत्रीय संगठन से साम्प्रदायिक संगठन में बदलाव, सड़क से राज्य स्तर की पार्टी बनने की प्रक्रिया इसके संस्थापक की लोकप्रियता के आसपास घूम रही थी। शिवसेना को 1989 में धनुष-बाण चुनाव चिह्न प्रदान किया गया और शिवसेना पूरे राज्य और महाराष्ट्र से बाहर भी पहचानी जाने लगी लेकिन जैसे-जैसे वह विभाजित और बंटती चली गयी, उसका दबदबा लगातार घटता गया। चुनाव आयोग ने फरवरी, 2023 में शिवसेना के एक गुट को पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदान किया और बाघ की दहाड़ कम हो गयी। अलग होने के दो दशक बाद अब बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे फिर से मिल गए हैं। 2005 के बाद से 5 जुलाई 2025 को वर्ली में आयोजित एक संयुक्त रैली उनका पहला साझा मंच था। 'आवाज मराठीचा' या 'मराठी की आवाज' रैली का आयोजन प्राथमिक स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव के विरोध में किया गया था।

लेखा रत्तनानी

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है।

त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने के रूप में देखा जाता है। इस फार्मूले का दक्षिणी राज्यों में विरोध हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का सबसे कड़ा विरोध हो रहा है। वहां इसे राज्य की भाषाई पहचान को कमजोर करने और केंद्र सरकार के सांस्कृतिक प्रभुत्व के प्रयास को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। महाराष्ट्र में इसने ठाकरे बन्धुओं को उस जमीन को पुन: प्राप्त करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जिसे वे लगातार खो रहे थे। अपनी प्रासंगिकता को पुन: प्राप्त करने के लिए उन्होंने अब मराठी पहचान के एक शक्तिशाली आख्यान को पुनर्जीवित किया है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद भी कुछ खास राजनीतिक प्रगति नहीं कर पाई है। 2024 के चुनावों में मनसे 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत पाई जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) केवल 20 सीटें ही जीत सकी। बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती शिवसेना में खतरे, भय और करिश्मे के मिश्रण ने कैडर और समर्थकों दोनों को कंट्रोल में रखा। राज ठाकरे ने हमेशा मसल पॉवर और गरज के साथ पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने पार्टी की छात्र शाखा भारतीय विद्यार्थी सेना का गठन किया और बाद में 1990 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना उम्मीदवारों के लिए राज्य भर में प्रचार अभियान शुरू किया। उन्हें अपने चाचा के उत्तराधिकारी के रूप में देखा गया। शैली, ढंग और वाणी में वे बाल ठाकरे के करीब थे। जब विरासत की जिम्मेदारी बाल ठाकरे के बेटे और उनके चचेरे भाई उद्धव के पास गई तो वे वहां से हट गए।

भाजपा ने उद्धव के साथ साझा नेतृत्व का वादा किया था लेकिन यह वादा निभाया नहीं। नाराज उद्धव ने भाजपा पर विश्वासघात का आरोप लगाने के बाद 2019 में राज्य पर शासन करने के लिए कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन किया। भाजपा ने शिवसेना को तोड़कर राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना से अलग हुए एक धड़े के नेता एकनाथ शिंदे के साथ गठबंधन किया। इसके बाद वे एनसीपी को विभाजित करने के लिए आगे बढ़े। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाला एक अलग एनसीपी गुट अब भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति या महागठबंधन का हिस्सा है जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन है।

चचेरे भाईयों का मुख्य उद्देश्य भाजपा को चुनौती देना और फिर से जमीन हासिल करना है क्योंकि दोनों भाईयों की निकाय चुनावों पर नजर है। इनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण वृहद मुंबई नगर निगम के चुनाव हैं जो एशिया में सबसे अमीर नागरिक निकाय है और कई भारतीय राज्यों से इसका वार्षिक बजट बड़ा है। 2025-26 के लिए इसका बजट 74, 400 करोड़ रुपये से अधिक है। इस समय भाजपा 132 सीटों के साथ राज्य में मुख्य पार्टी है। आगामी निकाय चुनाव दिखाएंगे कि क्या भाजपा अपना यह रुतबा कायम रख सकती है। शिवसेना से अलग हुई पार्टी के प्रमुख एकनाथ शिंदे ठाकरे की राज्य विधानसभा में 52 सीटें हैं। शिंदे ही ठाकरे परिवार के पुनर्मिलन के नए घटनाक्रम के मद्देनजर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले नेता हैं। खुद को बाल ठाकरे के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने वाले शिंदे की शिवसेना सुप्रीमो के बेटे और भतीजे के सामने कोई हैसियत नहीं रह जाएगी।

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है लेकिन यदि वे ताकत की राजनीति अपनाते हैं तो यह नीति गैर-मराठी मतदाताओं की पर्याप्त संख्या को अलग-थलग कर सकती है। मनसे कैडर ने अतीत में बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रवासियों पर हमले किये हैं एवं उन पर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीनने का आरोप लगाया है।

नया गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीतिक कहानी में एक मोड़ जोड़ रहा है लेकिन इस जोड़ी में अस्थिरता तथा मतभेद हैं जो दोनों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव के बारे में संदेह पैदा करते हैं। उद्धव ठाकरे अपनी सौम्य और शांत कार्यशैली के साथ विपक्ष में अपने नए सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाने में अधिक सफल रहे हैं जबकि राज ठाकरे की दहाड़ जारी है और उनके कैडर ने मुंबई में प्रवासियों को अलग-थलग करने का जोखिम उठाया है। मुंबई में काम करने वालों में प्रवासियों का बड़ा हिस्सा है। अनुमान कम-ज्यादा हो सकते हैं लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई की आबादी में प्रवासियों की संख्या 43 प्रतिशत से अधिक थी। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या लगभग 41 प्रतिशत थी।

पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी दोनों के टूटने के साथ बहुत सारे राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। परिवर्तनों की तेज रफ्तार तथा बड़ी संख्या ने मतदाता को भ्रमित किया है कि कौन किसके साथ है? क्या ठाकरे गठबंधन इस अस्थिर परिदृश्य में कुछ बदलाव ला सकता है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वे कामकाज की दो अलग-अलग शैलियों में समन्वय बिठा सकते हैं।

कह नहीं सकते कि बाल ठाकरे के वर्षों के जादू को फिर से कायम करने में दोनों चचेरे भाई सक्षम होंगे या उसके कुछ करीब तक पहुंच सकते हैं अथवा नहीं।

(लेखक द बिलियन प्रेस की प्रबंध संपादक हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

उल्टा पुल्टा

डॉक्टर पागल से- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो?
पागल - जी, मंदिर चला जाता हूं..
डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां?
पागल - जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं, उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री का काफिला रोक नारेबाजी करने वाले 12 छात्रों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। खराब सड़कों से नाराज छात्रों ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के काफिले को रोककर सरकार के विरूद्ध जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने आंदोलन करने वाले 12 छात्रों के विरूद्ध धारा 191,2 126,2 के तहत अपराध दर्ज आज गिरफ्तार कर लिया।कोर्ट से सभी को जमानत भी मिल गई।

कांग्रेस ने छात्रों के विरूद्ध अपराध दर्ज होने पर भाजपा सरकार दमनकारी नीति कहा। बरसात में बिलासपुर जबलपुर नेशनल हाईवे मार्ग जर्जर हो जाने और लगातार गड्ढों के कारण सड़क दूर्घटना होने की वजह से नगर के छात्रों ने जन आंदोलन की चेतावनी दी थी आज विभिन्न कार्यक्रमों में तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में शामिल होने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे और कार्यक्रम के पश्चात लगभग 3 बजे मनियारी पुल के पास जैसे ही पहुंचें थे तब दो दिन पूर्व नगर की खराब सड़कों के कारण हो रहे गड्ढों को ठीक करने के लिए छात्रों ने जन आंदोलन की चेतावनी दी थी आज उसी आंदोलन को लेकर मनियारी नदी पुल के ऊपर छात्रों ने चक्का जाम किया हुआ था ठीक उसी समय जब तखतपुर से मुंगेली विधानसभा की ओर कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के काफिले को देखकर पुल के सामने खड़े हो गए और जमकर शासन के खिलाफ नारे बाजी करने लगे इस बीच पुलिस बल भी वहां खड़ा था पर छात्र वहां से नही हटे तब केंद्रीय मंत्री की पायलेटिंग गाड़ी वापस मुड़ गई इसके बाद पूरा काफिला वापस रूट बदलकर चला गया।

पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के द्वारा गुरुवार को बिलासपुर मुगेली मुख्य मार्ग मे मनियारी पुल के पास तखतपुर मे चक्का जाम करने वाले आरोपियों की शीघ्र गिरफतारी करने हेतु निर्देश किया गया था, जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति अर्चना झा, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कोटा श्रीमति नूपूर उपाध्याय के मार्गदर्शन में तखतपुर पुलिस के द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त प्रकरण में शामिल सभी 12 आरोपियों को आज विधिवत गिरफतार किया गया तथा पृथक से 170, 126, 135 (3) ब्हस्स के तहत कार्यपालक दण्डाधिकारी तखतपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कांग्रेस ने दमनकारी नीति बतायाद्व पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पाण्डेय ने आज आंदोलन करने वाले छात्रों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किए जाने पर कहा कि भाजपा सरकार की यह नीति रही है कि आंदोलनकारियों और सच बोलने वालों को हमेशा दबाकर रखती है। जनता आने वाले समय में इन दमनकारी सरकार को सबक सिखायेगी।

तखतपुर मुंगेली मुख्य मार्ग मे मनियारी पुल के पास चक्का जाम करने वाले सभी 12 आरोपियों को तखतपुर पुलिस द्वारा किया गया गिरफतार।

गिरफतार आरोपियों के नाम

बादल निर्मलकर पिता दिनेश उम्र 18 साल 05 माह निवासी वार्ड क्रमांक 03 तखतपुर (शिक्षा 12 वी तक)। इंद्राज सिंह ठाकुर पिता विरेन्द्र सिंह ठाकुर उम्र 19 साल वार्ड क्रमांक 01 चुलघट रोड तखतपुर (शिक्षा 12 वी तक)। विरेन्द्र उर्फ विरू ताम्रकार पिता तिलक उम्र 24 साल निवासी तमेर पारा तखतपुर (शिक्षा 05 वी तक)। राजू निर्मलकर पिता दिलाराम उम्र 25 साल निवासी वार्ड 06 पाठकपारा तखतपुर जिला बिलासपुर (शिक्षा 08वी तक)। शैलेन्द्र मानिकपुरी पिता स्व लक्ष्मण उम्र 20 साल निवासी वार्ड क्रमांक 01 चुलघट रोड तखतपुर (शिक्षा 10 वी तक)। करन गोस्वामी पिता दिलीप गोस्वामी उम्र 18 वर्ष 05 माह वार्ड क्रमांक 01 तखतपुर (शिक्षा 09 वी तक)। दीनु सिह ठाकुर पिता लक्ष्मण ठाकुर उम्र 19 साल निवासी वार्ड क्रमांक 07 तखतपुर (शिक्षा 06 वी तक)। अभय क्षत्री पिता राजू क्षत्री उम्र 19 साल निवासी कुम्हारपारा बरेला जिला मुंगेली (शिक्षा 12 वी तक)। दीपक यादव पिता लक्ष्मीकांत उम्र 19 साल निवासी बहुरता थाना तखतपुर जिला बिलासपुर (शिक्षा 10 वी तक)। अमर निर्मलकर पिता संतन उम्र 20 साल साकिन टिकरीपारा तखतपुर जिला बिलासपुर (शिक्षा 10 वी तक)। जय दीप श्रीवास पिता रेखा राम श्रीवास उम्र 18 साल 11 माह निवासी बहुरता थाना तखतपुर (शिक्षा 12 वी तक)। रवि श्रीवास पिता नकुल प्रसाद धुरी उम्र 20 साल निवासी मंडी चैक तखतपुर जिला बिलासपुर (शिक्षा बीए अंतिम)।

केन्द्रीय विवि के कुलपतियों की दो दिवसीय संगोष्ठी

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय नैक से ए डबल प्लस ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल को 2025 का स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारीगण, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिकारीगण, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हंसमुख अधिया एवं देश के विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए। इस बैठक में सामूहिक रूप से उच्च शिक्षा को बदलने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन के भविष्य के पाठ्यक्रम को निर्धारित करने और शिक्षा के भविष्य को आकार देने पर विचार किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत की प्रगति और उसके बौद्धिक विकास की ज़िम्मेदारी यहाँ एकत्रित सभी लोगों के कंधों पर है। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, जिसकी नींव लोकतंत्र पर है। हमारा एक प्रमुख लक्ष्य 2047 तक एक विकसित राष्ट्र- विकसित भारत का निर्माण करना है, जहाँ हम इसे प्राप्त करने के लिए अपने स्वयं के मूल्य और मानदंड बना सकें।

इस अवसर पर कुलपति महोदय प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें शोध एवं नवाचार पर विशेष ध्यान देना होगा। इस हेतु केन्द्र सरकार के द्वारा बनाई गई नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा प्रधानमंत्री रिसर्च फैलोशिप शोध एवं नवाचार के रूप में प्रेरक का काम रहा है। कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने कहा कि सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को नवाचार के अग्रणी केन्द्र के रूप में राष्ट्र का नेतृत्व करना होगा। शोध एवं नवाचार सिर्फ संसाधनों पर ही निर्भर नहीं करते अपितु यह नवीन विचारों, नवीन कार्य पद्धतियों तथा समस्याओं के नवीन अभिनव समाधान के द्वारा भी क्रियान्वित होते हैं। उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों के गहन चिंतन एवं मंथन हेतु दस सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें शोध एवं नवाचार के समूह में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय शामिल हुआ। इस संगोष्ठी में 52 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

सार-संक्षेप

लायंस क्लब वसुंधरा ने किया जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम पर जागरूकता अभियान

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। लायंस क्लब वसुंधरा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर सकरी बहतराई गांव स्थित प्राथमिक सरकारी हाई स्कूल में जाकर जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया यह कार्यक्रम क्लब अध्यक्ष रश्मि लता मिश्रा जी के मार्गदर्शन में सचिव अर्चना तिवारी ने कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन किया जिसमें कोषाध्यक्ष विनीता मिश्रा, एलसीआइएफ चेयरपर्सन सलमा बेगम, उपाध्यक्ष सुधा परिहार , उषा मुद्लियार, ने अपनी उपस्थिति देकर सहयोग किया जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम की कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम पर जागरूक करना था गवर्नमेंट स्कूल की प्रिंसिपल अंजली गुप्ता के सहयोग से स्कूल में डेढ़ सौ बच्चों के बीच में जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम पर लायंस क्लब वसुंधरा की ओर से चर्चा विमर्श किया गया एवं सभी बच्चों को जनसंख्या वृद्धि से होने वाले नुकसान के बारे में समझाया गया एवं प्रश्नोत्तरी प्रोग्राम के द्वारा बच्चों को यह बताया गया कि आज ही के दिन 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है और संयुक्त राष्ट्र संघ में 11 जुलाई को ही जनसंख्या वृद्धि दिवस के रूप में क्यों घोषित किया इसके साथ ही विजेता बच्चों को क्लब की ओर से प्रथम द्वितीय सम्मानित किया गया डिस्ट्रिक्ट से माइक्रो चेयरपर्सन वी श्रद्धा राव ने भी अपनी उपस्थिति दी लायंस क्लबइंटरनेशनल एक समाज सेवी संस्था है और समय-समय पर बच्चों के बीच में अवेयरनेस पर इस तरह की कार्यशाला आयोजित करती रहती है शाला की शिक्षिकाओं में दीप्ति पटेल,स्वाति सिंह, संध्या शर्मा, संजीव कुर्रे,अनिल झालरिया सभी ने कार्यक्रम को बहुत ही सुंदर ढंग से संचालित करवाया और लायंस क्लब वसुंधरा का पूरा सहयोग किया क्लब के पूर्व अध्यक्षों में डॉक्टर शोभा त्रिपाठी जी, मंजू तिवारी, सुजाता मिश्रा ,चांदनी सक्सेना, मंगला कदम, अन्य पदाधिकारी में मंजू मिश्रा रत्ना खरे सावित्री जायसवाल मंगला देवरस ,गायत्री कश्यप, शोभा चाहिल ,एमजेएफ संजना मिश्रा हंसा सेलारका, अंबुज पांडे, अणिमा मिश्रा, शारदा कश्यप, मंजुला शिंदे साधना दुबे, प्रिया शर्मा, प्रीती खरे, वायला सिंह, सभी ने विश्व जनसंख्या दिवस किए गए इस कार्य की सराहना की।

स्वदेशी जागरण मंच का आज से कार्यशाला और विचार वर्ग

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुसांगिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच और स्वालंबी भारत अभियान के तत्त्वाधान में युवा स्वालंबन की दृष्टि से दो दिवसीय विचार वर्ग और कार्यशाला 12 और 13 जुलाई को तिफरा स्थित झूलेलाल मंगलम भवन में आयोजित की जाएगी। स्वदेशी जागरण मंच में बिलासपुर संभाग के संयोजक डॉ सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि स्वदेशी जागरण मंच देशी उत्पादों को बढ़ावा देने 1991 से आर्थिक क्षेत्र में कार्य कर रही है और वर्तमान में स्वालंबी भारत अभियान रोजगार और स्वरोजगार की दिशा में पूरे भारतवर्ष में कार्य कर रही है इस कार्य को गति देने के उद्देश्य से विश्व वर्ग लगाया जा रहा है जिसमें प्रांत संयोजक जगदीश पटेल, जिला संयोजक नारायण गिरी गोस्वामी सहित मंच के जिला संयोजक,सह संयोजन,जिला समन्वयक,सह समन्वयक, महिला कार्य प्रमुख, स्वालंबन कार्य प्रमुख, स्वालंबन केंद्र प्रमुख, युवा आयाम, स्वदेशी मेला टीम और संघ के अनुसांगिक संगठन के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सिम्स को शैक्षणिक सत्र 2025 में प्रवेश हेतु मान्यता मिली

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग द्वारा सिम्स बिलासपुर की एमबीबीएस पाठ्यक्रम की 150 सीटों पर नवीन सत्र 2025-26 में प्रवेश की मान्यता प्रदान की गई है। एनएमसी की आज 11 जुलाई 2025 जारी पत्र अनुसार मान्यता प्रदान की गई है।

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर संभाग की सबसे बड़ी उच्च चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा संस्थान है। इसका परिचय यहाँ की बढ़ते प्रतिदिन की ओ.पी.डी.एवं आई.पी.डी.संख्या के साथ सरल सुलभ चिकित्सा सुविधा है। संस्थान ने चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा में समय-समय पर अपने कार्य क्षमता (गंभीर बीमारी- कैंसर, ट्युमर, अस्थिरोग, दंतरोग, नेत्र ट्रांसप्लांट इत्यादि) को प्रदर्शित किया है। इससे जनमानस में संस्थान के प्रति विश्वास बढ़ा है। संस्थान में स्नातक (एम.बी.बी.एस.) पाठ्यक्रम की 150 सीटों एवं स्नातकोत्तर (एम.डी./ एम.एस) पाठ्यक्रम की 68 सीटों पर शैक्षणिक कार्य संपादित किये जा रहें है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग, नई दिल्ली द्वारा इस साल 18 जून 2025 को सिम्स के अधिष्ठाता एवं चिकित्सा अधीक्षक की उपस्थिति में व्यवस्थाओं की समीक्षा उपरांत सत्र 2025 में एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु मान्यता दी गई है। जिन प्रमुख बिन्दुओं पर मान्यता निर्भर हुई है, उनमें सिम्स में 2000 मरीजों की ओ.पी.डी. 85 प्रतिशत भर्ती, आपरेशन की संख्या, शैक्षणिक स्तर, हास्टल सुविधा, जाँच-परीक्षण की सुविधा आदि शामिल हैं। फैकल्टी एवं रेसीडेंट्स की कम संख्या जरूर चिंता का कारण है। जिसकी पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा नियमित एवं सिम्स प्रबंधन द्वारा समय-समय पर संविदा आधार पर नियुक्ति की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2025 में मान्यता इस अंचल के छात्रों हेतु सौगात है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है।

ब्याज में पैसे देकर बाइक एवं दस्तावेज गिरवी रखने वाला सूदखोर गिरफ्तार

बिना लायसेंस के क्षेत्र के लोगों को उधारी रकम देकर करता था प्रताड़ित

आरोपी के कब्जे से गिरवी रखे 19 नग मोटर सायकल किया गया बरामद

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। सरकंडा पुलिस ने एक ऐसे सूदखोर को गिरफ्तार किया है जो जरूरतमंद को ब्याज में रुपए देकर मोटर सायकल और उसके कागजात को गिरवी रख लेता था और लोगों को प्रताड़ित करता था । पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 19 मोटर सायकल बरामद किया है। आरोपी के पास सूदखोरी करने का विधिवत लाइसेंस नहीं पाया गया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक भागवत प्रसाद सूर्यवंशी निवासी पंधी थाना सीपत ने गुरुवार को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसे पैसों की आवष्यकता पड़ने पर वह आसपास पता किया तब परसाही के महेश कुमार डहरिया से सम्पर्क कर रकम मांगा जो रकम के बदले में मोटर सायकल को गिरवी रखने एवं 5त्न ब्याज देने की बात बोला जिससे पैसों की आवश्कता होने पर वह अपनी मोटर सायकल होण्डा लियो क्र. सी जी 10 ए वाय 8098 को गिरवी रखकर पैसे ले लिया एक माह पूरा नहीं होने पर भी महेश डहरिया इसे ब्याज का रकम एवं गाड़ी की मूल पेपर मांगने लगा और कहा यदि पैसे नही दोगे तो तुम्हारा गाड़ी डूब जायेगा कहकर मारने पीटने की धमकी देने भी लगा जिससे डर से वह ब्याज का 400 रू. एवं अपने गाड़ी का पेपर उसके पास छोड़ दिया। तब पता चला कि इसी प्रकार से आसपास के लोगों की भी गाड़ी को गिरवी रखकर अपने पास रखा है, और ब्याज के पैसों के लिए लोगों को आये दिन प्रताड़ित कर डरा धमका कर पैसा वसूली करता है ।, प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना कर घटना के संबंध में तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आरोपी के विरूद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए जिसके परिपालन में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर राजेन्द्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सरकंडा निरीक्षक निलेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में टीम तैयार कर तत्काल आरोपी महेश कुमार डहरिया का पता तलाश कर उसके घर से पकड़ा गया जिससे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर ब्याज के रकम देने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं होना एवं आसपास के लोगों के वाहन को ब्याज का रकम देकर गिरवी रखना स्वीकार करते हुये अपने बाड़ी में रखे प्रार्थी के मोटर सायकल सहित 19 नग मोटर सायकल बरामद कराया जिसे विधिवत् जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरी. निलेश पाण्डेय, सउनि शैलेन्द्र सिंह, प्र.आर बलवीर सिंह, प्रमोद सिंह, संजीव जांगड़े, विवेक राय, सत्य कुमार पाटले, विकास यादव एवं अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

रोजगार कार्यालय कोनी में निःशुल्क प्लेसमेंट कैम्प 16 को

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी में 16 जुलाई को सवेरे 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निःशुल्क प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट कैम्प में 4 निजी संस्थानों द्वारा सेल्स डेवलपमेंट मैनेजर, ब्रांच डेवलपमेंट मैनेजर, डेवलपमेंट मैनेजर, बीमा सखी, बीमा अभिकर्ता, लाईफ मित्र, रिलेसनशीप ऑफिसर सहित कुल 118 पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। इन पदों के लिए आवश्यक योग्यता पदों के अनुसार 12वीं, गेजुएट आदि निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधारकार्ड एवं समस्त शैक्षणिक योग्यता संबंधी अंकसूची एवं प्रमाण पत्र की मूलप्रति व छायाप्रति के साथ इस कैंप में उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से एवं जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी बिलासपुर से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में मासिक कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर में आज जिले के मैदानी स्तर के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारियों व ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के साथ केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.अरूण कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मासिक कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कृषि विभाग के उप संचालक पी.डी. हथेस्वर, उप संचालक उद्यानिकी, बिलासपुर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. शिल्पा कौशिक, श्रीमती हेमकांति बंजारे, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. एकता ताम्रकार, इंजी. पंकज मिंज, डॉ. निवेदिता पाठक, उक, डॉ. स्वाति शर्मा उपस्थित थे।

उप संचालक कृषि श्री हथेस्वर ने उपस्थित अधिकारियों से वर्तमान समय में ज्यादा बारिश के कारण उत्पन्न जल भराव की स्थिति की सतत् निरीक्षण कर धान एवं अन्य दलहन तिलहन फसलों पर होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के लिए किसानों को सलाह देने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अब तक विगत वर्ष की तुलना में बिलासपुर जिले में 28 प्रतिशत ज्यादा वर्षा हुई है, जिससे दलहन एवं तिलहनी फसलों की बोनी का कार्य पिछड़ गया है, विगत 10 दिन से लगातार वर्षा होने के कारण धान के खेतों में भी ज्यादा जलभराव होने के कारण रोपा बहने तथा सब्जी वर्गीय फसलों के सड़ने तथा अनेक रोगों का प्रकोप होने की आशंका है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. त्रिपाठी ने उपस्थित अधिकारियों से आग्रह किया कि धान की सीधी बोनी (उन्नत खुर्रा बोनी) करने वाले किसान वर्षा कम होने तथा उपयुक्त दशा में

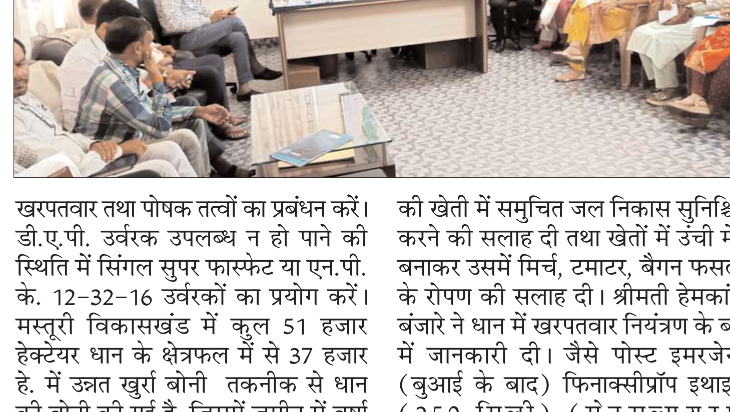

खरपतवार तथा पोषक तत्वों का प्रबंधन करें। डी.ए.पी. उर्वरक उपलब्ध न हो पाने की स्थिति में सिंगल सुपर फास्फेट या एन.पी.के. 12-32-16 उर्वरकों का प्रयोग करें। मस्तूरी विकासखंड में कुल 51 हजार हेक्टेयर धान के क्षेत्रफल में से 37 हजार हे. में उन्नत खुर्रा बोनी तकनीक से धान की बोनी की गई है, जिसमें जमीन में वर्षा जल का अन्त:स्पंदन ज्यादा होगा, मृदा संरचना में सुधार होगा तथा भू-जल स्तर में भी बढ़ोतरी होगी। जिले के कृषि विकास अधिकारियों द्वारा कपास, अरहर एवं धान की खेती में किसानों को आने वाली समस्याओं की जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ. अमित शुक्ला ने सब्जी वर्गीय फसलों की खेती में समुचित जल निकास सुनिश्चित करने की सलाह दी तथा खेतों में उंची मेढ़ बनाकर उसमें मिर्च, टमाटर, बैगन फसलों के रोपण की सलाह दी। श्रीमती हेमकांति बंजारे ने धान में खरपतवार नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। जैसे पोस्ट इमरजेन्स (बुआई के बाद) फिनाक्सीप्रॉप इथाइल (250 मिली) (मेटसल्फयूरान मिथालक्लोडिनोफॉप इथाइल) 8 मिली/एकड़ छिड़काव करने से सकरी व चैड़ी पत्तियों वाले खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ क्षेत्रों जहां पर मोथा खरपतवार ज्यादा पाया जाता है वहां पर पिनॉक्सीसुलम साइहेलोब्यूटाइल के मिश्रण को 1 ली./ एकड़ के दर से छिड़काव करें। कृषकों को खरपतवार नाशकों के उपयोग के लिए नफ्लेटफेन नोजल का प्रयोग करने की सलाह दी गई। डॉ. स्वाति शर्मा द्वारा धान नर्सरी में लगने वाले तना छेदक के नियंत्रण हेतु क्लोरट्रीनीलीपॉल (0.5 द्रव्य) या कार्टाफ हाईड्रोक्लोराइड 4 प्रतिशत की 1 किग्रा प्रति 100 वर्गमी की दर से भुरकाव करें। सब्जियों में लगने वाले चुसक कीटों के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोरपीड 200 एस एल0.5 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। डॉ. निवेदिता पाठक द्वारा पोषण वाटिका में बेल वाली अन्य सब्जियों के बीज उपचारित करके लगाने की सलाह के साथ कद्दूवर्गीय सब्जियों के सहारा के लिए खूटा की व्यवस्था करने की सलाह दी। इंजी. पंकज मिंज द्वारा द्वारा खेती में मशीनीकरण हेतु छोटे-छोटे उपकरण जैसे खरपतवार नियंत्रण के लिए पावर वीडर, सब्जी बीज लगाने के लिए हस्त चलित डिबलर उपयोग करने की सलाह दी। अंत में डॉ. निवेदिता पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यशाला को समाप्त किया गया।

सार-संक्षेप

सावन की बहार, श्रद्धालुओं से गुलजार रहे शिवालय

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। पवित्र सावन माह की शुरुआत के साथ ही कोरबा नगर और जिले के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। जिले के श्रद्धालुओं ने झारखंड के देवघर और मध्य प्रदेश के महाकाल मंदिर पहुंचकर भगवान महादेव के दर्शन किए। पवित्र सावन माह में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए कोरबा नगर और जिले के शिव मंदिरों की साफ सफाई से लेकर यहां विशेष सजावट की गई है। सोमवार को की जाने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर भी अच्छे प्रबंध किए जा रहे हैं। हसदेव नदी और नरसिंह गंगा से जल लेकर श्रद्धालु कनकेश्वर महादेव एवं हनुमानगढ़ चक चकवा पहाड़ी में जलाभिषेक करते हैं। शिव भक्तों ने बताया कि पूरे सावन के महीने में अनेक प्रकार के अनुष्ठान विभिन्न मंदिरों में किए जाएंगे। कुछ स्थानों पर बजट के आधार पर स्थानीय कलाकारों के माध्यम से शिव भक्ति के गीतों का कार्यक्रम भी होगा।

नेत्रदान व देहदान के पोस्टर का विमोचन किया जिलाधीश ने

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। भारत विकास परिषद कोरबा द्वारा नेत्रदान और देहदान के प्रति जन जागरण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए तैयार कराए गए पोस्टर का विमोचन कराया गया। कलेक्टर अजीत बसंत ने भारत विकास परिषद के प्रयास की सराहना करते हुए नेत्रदान देहदान को समर्पित पोस्टर का विमोचन किया। नेत्रदान देहदान प्रकल्प के प्रभारी महेश गुप्ता अध्यक्ष कमलेश यादव धर्मेंद्र कुदेशिया मोहन अग्रवाल और प्रमोद पांडेय की उपस्थिति में कलेक्टर ने पोस्टर का विमोचन करते हुए नेत्रदान को लेकर की गई तैयारी की जानकारी हासिल की। जिला प्रशासन और मेडिकल कॉलेज कोरबा के सहयोग से अब कोरबा के नेत्रदानियों की मरणोपरांत उनकी इच्छा के अनुरूप किसी नेत्रहीन को दृष्टि दी जा सकेगी। भारत विकास परिषद कोरबा इस पुनीत कार्य में जन जागरण करने की भूमिका निभा रहा है। नेत्रदान प्रकल्प के प्रभारी महेश गुप्ता और परिषद के सभी पदाधिकारियो व सदस्यों ने आम और खास जन से अनुरोध किया है कि वह नेत्रदान का संकल्प लेकर इस दुनिया को अलविदा कह देने के बाद भी किसी और के जरिए इस खूबसूरत संसार को देखने का स्वप्न साकार करने की दिशा में अग्रसर हो।

बिच्छू डंक पीड़ितों को मिल रहा बेहतर उपचार

कोरबा-रामपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। करतला ब्लॉक अंतर्गत शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (होम्योपैथी) रामपुर में विगत 3 वर्षों से बिच्छू डंक के मरीजों में सफलता पूर्वक होम्योपैथी दवा एपिस मेल 200 को अनेक रोगियों को दिया गया जिसमें सभी मरीजों को लाभ मिला है। डॉ. एस.सी. साहू ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र आने वाले बिच्छू डंक से प्रभावित मरीजों में इस दवा का आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त हुआ है। इसके अलावा विभिन्न साध्य एवं असाध्य रोगों में भी होम्योपैथी दवा कारगर है। स्वास्थ्य केंद्र में ऑस्टियोअर्थराइटिस, वयोमित्र,एनीमिया सुप्रजा,एनसीडीएस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम संचालित हो रहे है। यहाँ शासन की स्वास्थ्य योजनाओं व सेवा का लाभ जनमानस को मिल रहा है।

बस पलटी, बाइक सवार महिला की मौत

कोरबा-कोरबी-चोटिया, 11 जुलाई (देशबन्धु)। कोरबा जिला से पेंड्रा के मध्य चलने वाली पंकज सर्विस की बस क्रमांक सीजी 10 ए टी 6023 का चालक एक बाइक पर सवार महिला एवं पुरुष को बचाने के चक्कर में अपना नियंत्रण को बैठा। अनियंत्रित होकर बस सड़क से उतर कर पलट गई। बताया गया कि इससे पहले सामने से आ रही बाइक के चालक ने मोड़ पर नियंत्रण खोया और बस की टक्कर बाइक को लग गई। इसके बाद बस पलट गई। हादसे में बाइक सवार एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई जिसकी पहचान एमसीबी जिला के खड़गवा थाना क्षेत्र के शिवपुर निवासी श्रीमती कुंवर आयम के रूप में हुई है। हादसे की सूचना बाद उसके परिजन पसान थाना पहुंचे।

ज्ञान मंदिर में प्रवेश उत्सव पर बांटी पुस्तकें

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। कुसमुंडा के गेवरा बस्ती बरपाली के ज्ञान मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, भाजपा नेता विकेश झा और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर मुँह मीठा कराया गया। विद्यार्थियों को पुस्तक-कापी वितरित की गई। इससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। अतिथियों ने इस अवसर पर अपनी बात रखी और विद्यार्थियों से कहा कि वह पूरे मनोयोग से शिक्षा ग्रहण करें क्योंकि शिक्षा ही आपके जीवन के हर क्षेत्र में सम्मान दिलाएगी।

जाल में फंसा कोबरा, ढेर से निकाला अजगर को

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बारिश के मौसम में खतरनाक जीव-जंतुओं के यहां-वहां निकलने का दौर जारी है। दो स्थान पर रेस्क्यू टीम ने कोबरा और अजगर को सुरक्षित निकाला। बाद में उन्हें रिजर्व आवास में भेज दिया गया। खबर के अनुसार बांकीमोंगरा एसईसीएल हॉस्पिटल के समीप लगभग 9 फीट का विशाल काय अजगर देखा गया। लोगों की सूचना पर नोवा नेचर के जितेन्द्र सारथी अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे। उन्होंने सुरक्षात्मक तरीके से अजगर को पकड़ा जो गुस्से से लाल-पीला हो रहा था। लोगों को बताया गया कि इंडियन रॉक पायथन जहरीला तो नहीं होता पर अपने शिकार को कुंडली मार कर दम घोट कर मार सकता है।

रामलाल दिवाकर का निधन

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद कटघोरा के वर्तमान पार्षद किशोर दिवाकर के पिता व कांग्रेस के पूर्व पार्षद नेता रामलाल दिवाकर के निधन शुक्रवार की दोपहर हो गया। वे अपने पीछे पत्नी और दो बेटा एक पुत्री छोड़ गये। निधन पर कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार होगा।

एनएच पर चक्काजाम, 6 दिन बाद गांव में आई बिजली

रजकम्मा मदनपुर के लोगों ने दिखाए तेवर

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के पॉवर हब कहे जाने वाले कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के मौसम में हाल बुरा है। बिजली की समस्या लोगों को परेशान कर रही है। रजकम्मा मदनपुर गांव में पिछले 6 दिन से बिजली नहीं है। नाराज ग्रामीणों ने अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 पर चक्काजाम कर दिया। दोनों दिशा में सैकड़ों की संख्या में गाड़ियों के लाइन लग गई। कटघोरा पुलिस के हस्तक्षेप पर सीएसईबी के अधिकारी यहां पहुंचे और अगले कुछ घंटों में आपूर्ति बहाल करने की बात कही। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

खबर के अनुसार पिछले 6 दिन से इस इलाके में बिजली नहीं है। पिछले दिनों आए अंधड़ और बारिश की रफ्तार के बाद आसपास के इलाके भी अंधकार में डूबे रहे गए। इसके चलते लोगों के घरेलू व व्यवसायिक काम प्रभावित हो गए। बारिश के सीजन में जीव-जंतुओं का खतरा भी लोगों को परेशान करता रहा। बिजली से संबंधित परेशानी का हल खोजने के लिए लोगों ने अपने स्तर पर स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के अधिकारियों तक सूचना भिजवाई। आखिरकार लोगों के तेवर साथ में आसमान पर पहुंच गए और उन्होंने बिजली कंपनी के साथ-साथ प्रशासन को सबक सिखाने के लिए नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। कुछ ही घंटे में हाइवे की दोनों दिशाओं में छोटी-बड़ी गाड़ियों की लाइन लग गई और लोग परेशान हुए। आखिरकार कटघोरा टीआई धर्म नारायण तिवारी दलबल के साथ यहां पहुंचे। उन्होंने सीएसईबी के अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराया और मौके पर पहुंचने को कहा। जिम्मेदार अधिकारी यहां आए और समस्या को स्वीकार करने के साथ कहा कि आज ही इन इलाकों की बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्या को हल करने के लिए ताकत झोंक दी जाएगी। सीएसईबी के आश्वासन के आधार पर टीआई ने लोगों को समझाया। तब कहीं जाकर वे यहां से वापस गए।

ग्रामीणों ने चंदा किया तब आई बिजली

एक खबर के अनुसार कोरबा ग्रामीण डिवीजन के अंतर्गत बालकोनगर क्षेत्र में खेतार गहनिया और पतरापाली में पिछले 5 दिन से बिना बिजली के ग्रामीण रह रहे थे। उन्होंने समस्या का निराकरण कराने के लिए अधिकारियों तक बात पहुंचाई। जनप्रतिनिधियों के अलावा जागरूक लोगों ने भी पहल कराई गई। इसका कोई असर नहीं हुआ, पता चला है कि ग्रामीणों ने अपने स्तर पर लगभग 3 हजार रुपए का चंदा किया और विद्युत का काम करने वाली प्रायवेट पार्टी को इस काम के लिए मनाया। इतना सबकुछ करने के बाद शुक्रवार को इस क्षेत्र में बिजली आ सकी है। बताया गया कि इसी इलाके में कुछ ऐसी बस्तियां है जहां बिजली नहीं पहुंची है। इसके अभाव में लोगों को बारिश में नदी, नाले के पानी से काम चलाना पड़ रहा है।

राज्यपाल का कावेरी भवन में स्वागत, आज लेंगे अधिकारियों की बैठक

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका दो दिन के प्रवास पर शुक्रवार को एनटीपीसी गेस्ट हाउस कावेरी भवन कोरबा पहुँचे। यहां कलेक्टर अजीत वसंत, डीएफओ निशांत कुमार, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, निगमायुक्त आशुतोष पांडेय आदि ने भी स्वागत किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, एनटीपीसी के अधिकारी, एसडीएम कटघोरा आदि उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल दो दिवसीय प्रवास के अंतर्गत 12 जुलाई को प्रातः 9.45 बजे कावेरी भवन से प्रस्थान कर 9.55 बजे कलेक्टोरेट पहुँचेंगे। वे यहां एक पेड़ माँ के नाम पोधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। दोपहर 11.50 बजे कलेक्टर आफिस से प्रस्थान कर लंच करेंगे। वे दोपहर 1 बजे पोड़ी उपरोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे और पोड़ी उपरोड़ा मुख्यालय में दोपहर 1.30 बजे एक पेड़ मां के नाम पोधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे यहां पर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे और अपरान्ह 3 बजे राजभवन रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

आम लोगों का उपचार नहीं हो रहा एसईसीएल अस्पताल में

कांग्रेस पार्षद व लोगों ने किया प्रदर्शन

कोरबा-बांकीमोंगरा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। एसईसीएल के केन्द्रीय चिकित्सालय में आम लोगों की पूछपरख बिल्कुल नहीं है। उनकी सामान्य चिकित्सा भी नहीं की जा रही है और न ही कोई संसाधन दिए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता मधुसुदन दास के साथ आम लोगों ने यहां प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिकारी को बेशरम फूल का गुलदस्ता देने का प्रयास किया गया।

प्रदर्शन करने वालों का आरोप है कि बांकीमोंगरा क्षेत्र से एसईसीएल ने करोड़ों का राजस्व प्राप्त किया और आज जब खदाने बंद होने लगी तो अपने जिम्मेदारियों से पीछे हट रहा है। ना तो प्रशिक्षित कर्मचारी है और न ही दवाई। हाल में ही एक पूर्व कर्मी की पत्नी की मृत्यु होने पर उसका शव कचरा गाड़ी में ले जाया गया, यह संवेदनहीनता है। मधुसुदन ने नाराजगी जताई कि कर्मचारियों के साथ भी प्रबंधन का रवैय्या अच्छा नहीं है। जबकि आम लोगों का कोई उपचार यहां नहीं हो रहा है। मांग की गई कि यहां जो कमीशनखोरी चल रही है उस पर रोक लगाई जाए। इस दौरान एक अधिकारी ने ज्ञापन लिया और व्यवस्था ठीक करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर पार्षद हेमंत शहानी, संदीप दहरिया, तालिका साहू, बंशी कुमार सांसद प्रतिनिधि प्रदीप अग्रवाल, शब्बीर खान, लालू साहू, सागर कुमार, नंदलाल कुमार, संदीप कुमार, प्रमोद करके, आदिल खान, बबलू मारवा, नानू कर्ष, मनोज साहू, दिगंबर दास,गौतम कुमार,टोनू महाराज,समीरकुमार,आदित्य राठौर, संदीप कुमार, डब्ल्यू साहू, आयुष यादव,अंश कुमार, लक्ष्मी पटेल उपस्थित थे।

गुरू पूर्णिमा पर कबीर आश्रम में उद्योग मंत्री ने की पूजा-अर्चना

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। नगर विधायक, वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरवार को रिसदी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने सतगुरु कबीर साहेब के तैल्य चित्र में पूजा-अर्चना, पुष्प अर्पण कर बंदगी किया।

मंत्री श्री देवांगन ने आश्रम में चौका आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही संतों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने आज के मौके को खास कहा और बताया कि उनका यहां से पुराना जुड़ाव है। मंत्री श्री देवांगन ने आश्रम परिसर में 25 लाख रूपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की आप सभी ने विधानसभा और नगर निगम चुनाव में भाजपा को आशीर्वाद देकर रिकॉर्ड मतों से जिताया। डबल इंजन की सरकार ने कोरबा नगर निगम के सभी वार्डों में पहले वित्तीय वर्ष में 400 करोड़ की राशि की स्वीकृति दी है जिसका काम तेज गति से चल रहा है। इस वित्तीय वर्ष में भी करोड़ों के कार्य स्वीकृत किये गए हैं, टेंडर की प्रक्रिया तेजी से कर कार्यों को गति दी जा रही है। इस अवसर पर मंत्री ने परम पूज्य महंत ज्ञानेश्वर साहेब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गुरु शरण चंद्रा, यशोदा चंद्रा, माया, मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, लखन चंद्रा, पार्षद प्रताप सिंह, जीवेन्द्र चंद्रा, नन्द कुमार चंद्रा, चन्द्रिका चंद्रा, नारायण गभेल, प्यारे लाल गभेल, हेमंत गभेल, रेशम महंत समेत अधिक संख्या में समाज के प्रमुख जन उपस्थित रहे।

स्ट्रीट लाइट ठप, स्काई लिफ्ट मिलने पर हटेंगी झाड़ियां

पार्षद अश्विनी ने की पहल

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बांकीमोंगरा नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत चटाईनार इलाके में स्ट्रीट लाइट को लेकर समस्या बनी हुई है। रात्रि में इसके काम नहीं करने से आवागमन करने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। इस समस्या के निराकरण के लिए कोशिश जारी है। भाजपा पार्षद अश्विनी मिश्र ने इस समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद के अधिकारी का ध्यान आकर्षित कराया है। पत्र में कहां गया कि इस क्षेत्र में ना तो स्ट्रीट लाइट जल रही है और ना ही इसका लाभ लोगों को मिल रहा है। एक स्थान पर स्विच पैनल खुला हुआ है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इन मुद्दों पर सुधार की जरूरत है। ऐसा होने से राहत मिलेगी। सीएमओ ज्योत्सना टोप्पो ने बताया कि क्षेत्र में अलग-अलग समस्याएं आ रही हैं जिन्हें हमने रेक्टिफाई कराया है। कर्मियों के सर्वे करने से मालूम चला कि इस क्षेत्र में झाड़ियों के कारण समस्या है इसलिए उसकी छटाई करेंगे। अभी दूसरी जगह से स्काई लिफ्ट लेनी पड़ती है। डिस्ट्रिक मिनिरल फंड से एक संसाधन मंजूर कराया गया है।

मनुष्य को हर स्तर पर प्रभावित करती है कला : विनोद

संस्कार भारती की प्रांतीय बैठक में कई निर्णय

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। ललित कलाओं के लिए अखिल भारतीय स्तर पर काम करने वाली संस्था संस्कार भारती की प्रांतीय बैठक में प्रदेश के कला साधकों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनोद अग्रवाल सह जिला संघ चालक ने कहा कि संस्कार भारती का समाज में बहुत महत्वपूर्ण दायित्व है। कला मनुष्य को बहुत प्रभावित करती है। नंदवाण में आयोजित कार्यक्रम में श्री अग्रवाल अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि कलाकारों का अनुसरण करने का स्वभाव आम नागरिकों का है। अतः मंच से क्या प्रस्तुत होना चाहिए यह बहुत सोचने का विषय होता है। मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार भारद्वाज रायगढ़ विभाग प्रचारक ने

कहा कि हमें तब, अब और भविष्य में क्या बनना है इसका विचार करना चाहिए। आज विश्व में विमर्श की ही लड़ाई है। भारतीय संस्कृति को नीचा दिखाने के लिए विदेशी ही नहीं बल्कि अपने देश में भी कुछ मानसिक विकृत लोग लगे हुए हैं। भारतीय संस्कृति में विश्वास रखने वाले हमारे संतों, बुद्धिजीवियों और विचारकों ने इस विमर्श का प्रतिरोध किया। जन सामान्य के समक्ष वस्तु स्थिति प्रतिपादित की तब कहीं जाकर इस नकारात्मक विमर्श पर विजय प्राप्त हुई। समापन सत्र का संचालन रिजेंद्र गंजीर कोंकर ने किया। संपूर्ण वंदेमातरम् गान के साथ साधारण सभा समाप्त हुई। साधारण सभा में कोंडागांव, रायपुर, कांकेर, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़, खैरागढ़, सक्ति, दुर्ग, सरगुजा, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले से 63 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सदस्यों ने संस्था को 1,57,404 रुपए की राशि दान स्वरूप प्रदान की। सभी सदस्यों एवं अतिथियों को संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित सामरिक अहिल्या गाथा राजश्री से राजर्षि तक प्रदान की गई। संगठन के प्रांतीय महामंत्री हेमंत माहुलीकर ने बताया कि कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदीप देशपाण्डेय, योगेश अग्रवाल, डॉ. जयमति कश्यप, जागेश्वर सिंह मानसर, अरूण दास वैष्णव, श्रीपाद जोशी, अनिल जोशी व अन्य प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

चोरों ने पार किया कॉपर वायर व ऑयल, मामला दर्ज

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। भले ही जिले में कबाड़, डीजल व कोयला चोरी की गतिविधियां बीते वर्षों के मुकाबले ठंडी पड़ गई है लेकिन एक बार फिर चोर गिरोह सक्रिय होता नजर आ रहा है। पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड और सीएसईबी के कटघोरा डिवीजन अंतर्गत पोड़ीखुर्द लाद के सब स्टेशन को चोरों ने निशाना बनाया। यहां से कॉपर वायर व ऑयल की चोरी की गई है। जेई मंजु कंवर की सूचना पर कोरबी पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

चौकी प्रभारी ने बताया कि सब स्टेशन क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मर को निशाना बनाकर इस घटना को अंजाम दिया गया। बताया गया कि ग्राम पोड़ीखुर्द स्थित सबस्टेशन के पॉवर ट्रांसफार्मर से बंद हालात में कापर तार, ऑयल, आयरन तार को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा पिछली रात चोरी कर लिया गया। सीएसईबी ने मौके से चोरी किए गए सामान की कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई है। 10 जुलाई की रात यह घटना हुई। प्रबंधन को अगली सुबह इस बारे में जानकारी हुई। इसकी सूचना कोरबी पुलिस को देने पर बीएनएस की धारा 303 (1) के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। इस घटना ने संकेत दिए है कि आसपास के चोर उचक्के अथवा कोई बड़ा गिरोह अपनी ताकत को फिर से गति दे।

रियायती दर पर खाद-बीज मिलने से खिले किसानों के चेहरे

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बरसात के साथ ही खेतों में हरियाली लौट आई है और किसानों के चेहरे पर फिर से मेहनत की चमक दिखाई दे रही है। खरीफ सीजन की बुआई जोरों पर है। सरकार की ओर से किसानों को पहले ही वह हर सहायता मिल रही है, जिसकी उन्हें आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले के किसानों को रियायती दरों पर समय पर खाद और बीज की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे खेती का कार्य न केवल समय पर हो रहा है, बल्कि किसानों की लागत भी घट रही है।

जिले के ग्राम जामबहार के किसान जगत पाल सिंह जो इस वर्ष शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अत्यंत संतुष्ट और प्रेरित हैं। 22 एकड़ भूमि में खेती करने वाले श्री सिंह ने इस खरीफ सीजन में सहकारी समिति सोनपुरी पहुंच कर यूरिया और डीएपी उर्वरक प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस बार उन्हें न तो लाइन में लगना पड़ा और न ही किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ा। श्री जगत पाल सिंह कहते हैं, सरकार की यह योजना हम जैसे किसानों के लिए बहुत सहायक सिद्ध हो रही है। सहकारी समिति से मुझे समय पर खाद-बीज मिल गया, वो भी रियायती दर पर। इससे न केवल मेरी लागत कम हुई, बल्कि बुवाई भी समय पर कर पाया। उन्होंने यह भी कहा कि 22 एकड़ भूमि में खेती करना एक चुनौती है, लेकिन इस बार शासन की तैयारी और व्यवस्था ने यह काम आसान कर दिया। शासन द्वारा समय पर खाद और बीज की आपूर्ति ने न केवल किसानों को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि खेती के प्रति विश्वास भी बढ़ाया है।

सड़क पर एक तरफ वाहनों की लाइन, जल भराव के बीच से आवाजाही

स्टेडियम से सीएसईबी चौराहा मार्ग में समस्या

कोरबा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। लंबे समय से ट्रांसपोर्ट नगर इंदिरा स्टेडियम से होकर सीएसईबी चौराहा को जाने वाला मार्ग समस्यामूलक बना हुआ है। इस परेशानी से मुक्त करने और लोगों को सहूलियत देने की इरादे से नगर निगम डेढ़ करोड़ रुपए खर्च कर रोड डिवाइडर बनवा रहा है। वर्तमान में सड़क के एक तरफ ट्रेकों का कब्जा है और दूसरी तरफ जल भराव के बीच से लोगों को आना-जाना करना पड़ रहा है।

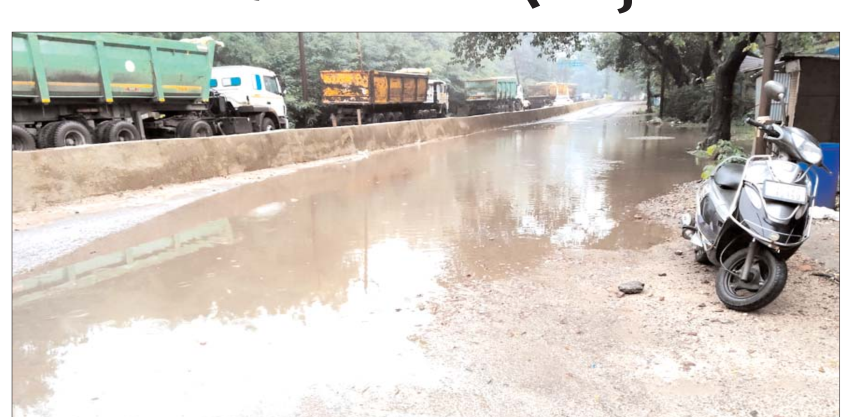

बारिश में यह रास्ता लोगों के लिए और सर दर्द साबित हो रहा है। नगर पालिक निगम और ट्रैफिक पुलिस ने कुछ महीने पहले इस रास्ते पर बनी समस्या का विश्लेषण किया और फिर इसके समाधान के लिए विकल्प निकाले। इसी के अंतर्गत सुनिश्चित किया गया कि इंदिरा स्टेडियम के सामने से लेकर सीएसईबी चौराहे तक रोड डिवाइडर की व्यवस्था की जाए। माना गया था कि ऐसा होने पर वाहनों को अपनी अपनी दिशा में चलाया जा सकेगा और बेमतलब के अतिक्रमण को रोकने में सुविधा होगी। वर्तमान में रोड डिवाइडर का निर्माण जारी है। इस स्थिति में रोड के एक ही तरफ भारी वाहनों की लाइन लग जा रही है जबकि छोटे वाहन और आम लोग दूसरी तरफ से आना-जाना कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस तरफ बारिश का पानी जमा हुआ है और इसी पर से होकर हर किसी को चलना पड़ रहा है। नागरिकोंग नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराया है कि रास्ते पर मौजूद समस्याओं को हल किया जाए ताकि राहत प्राप्त हो।

सार-संक्षेप

मोटिवेशनल स्पीकर चंदन केवट का कार्यक्रम 13 को

मनेन्द्रगढ़,11 जुलाई (देशबन्धु)। युवा पीढ़ी के कैरियर, एवं जीवन में सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने वाले अंचल के चर्चित एवं लोकप्रिय मोटिवेशनल स्पीकर चंदन केवट का प्रेरक व्यक्तव्य रविवार को सिविल लाइन में स्थित विजय मंगलम गर्ल्स हॉस्टल में आयोजित किया गया है। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष एवं सरस्वती विकास विद्यालय गर्ल्स कॉलेज के संस्थापक सदस्य स्व विजय पोद्दार की स्मृति मे निर्मित विजय मंगलम गर्ल्स हॉस्टल में मोटिवेशनल स्पीकर चंदन केवट, स्कूली छात्राएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालो को प्रोत्साहित करेंगे। देश के सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेडा ,चेतन भगत उज्जवल पाटनी को अपना आदर्श बताने वाले चंदन केवट युवा पीढ़ी के बीच बहुत लोकप्रिय हैं और अपने प्रेरणादायक भाषणों के लिए जाने जाते हैं। कार्यक्रम की संयोजिका एवं समाजसेविका रूपा पोद्दार ने बतलाया कि विजय मंगलम गर्ल्स छात्रावास में चिकित्सा, शिक्षा, समाज सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर के चयनित विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम विजय मंगलम छात्रावास के सभागार में वार्ड पार्षद एवं गणमान्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर चंदन केवट सहित आमंत्रित विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा" की हुई शुरूआत, 18 जुलाई तक होगा आयोजन

अम्बिकापुर,11 जुलाई (देशबन्धु)। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व जनसंख्या दिवस एवं जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है। इसी कड़ी में पूरे प्रदेश सहित सरगुजा जिले के समस्त विकासखण्डों में भी 11 जुलाई को जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा" की शुरूआत गई, इसका आयोजन 18 जुलाई 2025 तक किया जाएगा। भारत सरकार के द्वारा इस वर्ष जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 2025 का स्लोगन ''माँ बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही '' रखा गया है। पखवाड़े के पहले दिन शुक्रवार को जागरूकता सारथी रथ को रवाना किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. पी.एस.मार्को, सिविल सर्जन डॉ. जे.के.रेलवानी, डीपीएम डॉ. पुष्पेन्द्र राम, डॉ. रोजलीन आर.एक्का,डॉ. श्रीकांत सिंह, डॉ. प्रीति मॉनिक, श्रीमती कविता सिंह, श्री संतोष सिंह एवं अन्य अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ.मार्को ने स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पखवाड़े में उन दम्पत्तियों को लक्ष्य के रूप में रखा जाएगा, जिनकी अभी-अभी संतान हुई है। इनको अस्थाई तौर पर गर्भनिरोधक और परिवार पूरा होने पर नसबंदी जैसे परिवार नियंत्रण उपायों की जानकारी दी जाएगी। सीएमएचओ ने पखवाड़े के सफल आयोजन हेतु योग्य दम्पत्तियों की सूची ए.ए.एम. एवं मितानिन के द्वारा बनाने एवं लक्ष्य दम्पत्तियों को स्थायी, अस्थायी साधनों के बारे में जानकारी देते हुए परिवार नियोजन की आवश्यकता को आंकलन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर नये अस्थायी परिवार नियोजन साधनों के बारे में चर्चा हेतु सास-बहू सम्मेलन आयोजित किया जाए, जिसमें नए गर्भ निरोधक साधन के बारे जानकारी दी जाए। सिविल सर्जन डॉ.रेलवानी ने कहा देश की बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या वृद्धि की गति को नियंत्रित करना, संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करना एवं नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। जनसंख्या नियंत्रण हेतु जागरूकता शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी अति आवश्यक है, परिवार नियोजन के उपायों जैसे गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता और जागरूकता ग्रामीण क्षेत्रों तक फैलाना है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र राम ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों को सफल बनाएं। यह न केवल देश के भविष्य के लिए जरूरी है, बल्कि हर परिवार के आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी हितों के लिए भी आवश्यक है।

शासकीय राशि गबन करने पर सोनहत के दो ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

कोरिया,11 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में शासन द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों की राशि गबन कर कार्य अधूरा छोड़ने वाले दो ग्राम पंचायत सचिवों को जिला प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश व जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में की गई है। डॉ. चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि शासकीय धन का गबन गंभीर अपराध है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

दोनों सचिवों को छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा आचरण नियम 1998, ग्राम पंचायत सचिव कृत्य नियम 1999 तथा अनुशासन व अपील नियम 1999 के तहत दोषी पाया गया और नियम 4(क) व 4(ख) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि शासन की योजनाओं में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक सतर्कता और अधिक बढ़ाई जा रही है।

ग्राम पंचायत कचोहर व कछाड़ी का मामला

निलंबन आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत कचोहर के सचिव लालमन सोनवंशी, पूर्व में ग्राम पंचायत अकलासरई में पदस्थ थे। वहां राजीव गांधी सेवा केंद्र निर्माण के लिए एक लाख दस हजार रुपये आहरित किए गए थे, लेकिन कार्य प्रारंभ नहीं किया गया। संतोषजनक जवाब न देने पर इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जनपद पंचायत सोनहत कार्यालय में संलग्न किया गया है। अब ग्राम पंचायत कचोहर का प्रभार श्री धन सिंह को सौंपा गया है। वहीं दूसरा मामला है, ग्राम पंचायत कछाड़ी का है। इस मामले में ग्राम सचिव श्री रामचरण, पूर्व में ग्राम पंचायत कछाड़ी में पदस्थ थे। इन्होंने सर्व शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण हेतु 21 हजार रुपये आहरित किए, लेकिन कार्य अधूरा रहा। बार-बार नोटिस देने के बावजूद जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर इन्हें भी निलंबित किया गया है।

चिरमिरी में मानवता की मिसाल

युवाओं ने दो दिन से खाई में फंसी घायल बुजुर्ग महिला की बचाई जान

चिरमिरी,11 जुलाई (देशबन्धु)। चिरमिरी शहर में मानवता और साहस की मिसाल पेश करते हुए स्थानीय युवाओं के एक समूह ने वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद राहुल भाई पटेल के साथ मिलकर दो दिन से खाई में गिरी एक बुजुर्ग महिला की जान बचाई। युवाओं ने साड़ी और लकड़ी की सहायता से महिला को खाई से बाहर निकाला और कंधों पर उठाकर चार किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाया।

घटना की जानकारी देते हुए पार्षद राहुल भाई पटेल ने बताया कि वे सुबह चिरमिरी नगर निगम जा रहे थे, तभी भूकभुकी नाला के पास सन्नी, निशांत और मोंटी ने उन्हें रोका और बताया कि खाई में कोई महिला गिरी हुई दिखाई दे रही है। जब खाई की गहराई का अंदाजा लगा तो पहले तो वे सभी लौट आए, लेकिन स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने सुभाष महतो, आर्केश, धीरज देवांगन और अंशु राजवाड़े जैसे अन्य युवाओं को साथ लेकर खाने-पीने का सामान और पानी लेकर पुन: खाई में उतरने का

फैसला किया।

करीब 400 से 500 फीट नीचे, एक गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग महिला दिखी जो संभवत: दो दिन पहले ऊपर से गिर गई थी और तब से केवल पानी पीकर ज़िंदा थी। महिला ने युवाओं को देखकर बड़ी उम्मीद से मदद की गुहार लगाई। सभी युवाओं ने पहले उन्हें कुछ खिलाया, सांत्वना दी और फिर साड़ी, लकड़ी और रस्सी की मदद से बारी-बारी से उन्हें ऊपर लाने का कठिन कार्य शुरू किया। इस पूरे रेस्क्यू अभियान में युवाओं ने खाई से बाहर निकालकर चार किलोमीटर तक महिला को कंधों पर उठाकर दुबछोला तक पहुंचाया, जहां एक वाहन की व्यवस्था कर उन्हें खड़गवां अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद फिलहाल महिला की हालत सुरक्षित है, लेकिन वह अपने घर या परिवार की पूरी जानकारी नहीं दे पा रही है। वह अपना नाम मुन्नी, बेटी का नाम लक्ष्मनिया और बेटे का नाम दुर्गेश बता रही है।

पार्षद राहुल भाई पटेल ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई इस महिला को पहचानता हो या उसके परिजनों के बारे में जानकारी हो, तो नगर निगम या नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचना दें। इस साहसिक और संवेदनशील कार्य के लिए चिरमिरी के युवाओं की सर्वत्र सराहना हो रही है। जिस समर्पण और टीम भावना से उन्होंने जोखिम उठाकर एक जीवन को बचाया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विपरीत परिस्थितियों में भी जिस मानवता का परिचय दिया गया, वह चिरमिरी की युवा शक्ति की सामाजिक चेतना का जीवंत प्रमाण है।

बैकुंठपुर की उम्मीदों पर ताला, शहरी रेलवे आरक्षण केंद्र बना वीरान घर, जनता कहां जाए

बैकुंठपुर,11 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर की नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने शहर में लंबे समय से बंद पड़े रेलवे शहरी आरक्षण केंद्र को लेकर उन्होंने कहा कभी जिस आरक्षण केंद्र के खुलने पर बैकुंठपुर के लोगों ने राहत की सांस ली थी, आज वही केंद्र वीरान पड़ा है—गेट पर ताला, अंदर सन्नाटा और बाहर टिकट की उम्मीद में खड़े लोग!

यह केंद्र चर्चा रेलवे स्टेशन के 12 किलोमीटर लंबे सफर से निजात दिलाने के उद्देश्य से खोला गया था। लेकिन अब इसे बिना किसी सूचना या कारण बताए बंद कर दिया गया है। न रेलवे विभाग ने कोई कारण बताया, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई। ना समय की कद्र रही, ना जेब की बचत — ऊपर से अफसरों की चुप्पी!

लोगों का कहना है कि जहां पहले टिकट बुकिंग में 10 मिनट लगते थे, अब आधा दिन खर्च हो जाता है। किराया अलग, धूप-पसीना अलग और परेशानी अपनी जगह। इस समस्या को लेकर अन्नपूर्णा प्रभाकरसिंह ने कलेक्टर कोरिया व मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल छत्तीसगढ़ आरक्षण केंद्र बिलासपुर से हस्तक्षेप की मांग की है।उन्होंने कहा कि यह सुविधा हर वर्ग के लिए अत्यंत जरूरी थी — महिला हो, बुजुर्ग, छात्र या व्यापारी — सभी को इसका सीधा लाभ मिल रहा था। अब वह सुविधा अचानक बंद कर दी गई है, जिससे जनता असहाय महसूस कर रही है।नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने प्रशासन का ध्यान आकर्षण करवाते हुए मांग की हैं शहरी रेलवे आरक्षण केंद्र को उसी स्थान पर तत्काल पुन: चालू किया जाए।

कर्मचारियों की स्थाई तैनाती की जाए, जिससे सेवा स्थायी रूप से जारी रह सके। संचालन का स्पष्ट समय निर्धारित किया जाए, ताकि लोगों को भ्रम की स्थिति न हो। जनता पूछ रही है क्या हम शहर में रहकर भी गांव जैसी सुविधाओं को तरसेंगे क्या हमारी छोटी-छोटी जरूरतें प्रशासन की उदासीनता के नीचे दबती रहेंगी नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने प्रशासन से सीधा सवाल किया रेलवे की पटरियों पर तो ट्रेनें दौड़ रही हैं, तो फिर बैकुंठपुर शहर की उम्मीदों पर ताला क्यों पड़ा है?

टीबी मरीजों को पोषण आहार देने आगे आए जनप्रतिनिधि

कोरिया,11 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को प्रोटीन युक्त पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु की गई निक्षय मित्र बनने की अपील का असर दिखे लगा है। अब जनप्रतिनिधि भी इस पुनीत कार्य में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े एवं सभापति श्रीमती सुषमा कोराम द्वारा जिले के 16 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें 6 माह तक पोषण आहार देने का संकल्प लिया गया। ये सभी सहायता अपने-अपने जिला पंचायत मानदेय से प्रदान की जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने 6 मरीजों को गोद लिया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े ने 5 मरीजों की जिम्मेदारी ली। जिला पंचायत सभापति श्रीमती सुषमा कोराम ने भी 5 मरीजों को गोद लेकर सहायता की शुरुआत की। मोहित पैकरा ने कहा कि 'टीबी मरीजों की सेवा मानवता की सेवा है।

मनेंद्रगढ़ को मिली सेंट्रल लाइब्रेरी की सौगात 441 लाख की लागत से होगा निर्माण

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से जिले को मिली एक बड़ी सौगात

चिरमिरी,11 जुलाई (देशबन्धु)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के सतत प्रयासों से एमसीबी जिले को एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर क्षेत्र में सेंट्रल लाइब्रेरी सहित रीडिंग ज़ोन के निर्माण के लिए 441.49 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस परियोजना के तहत नगर पालिक निगम चिरमिरी में 250 सीटों की क्षमता वाली आधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के छात्र-छात्राओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा पुस्तक प्रेमियों को बेहतर अध्ययन सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह लाइब्रेरी न केवल युवाओं के करियर निर्माण में सहायक होगी, बल्कि ज्ञान आधारित समाज की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस लाइब्रेरी में आधुनिक सुविधाएं, डिजिटल अध्ययन सामग्री और शांत रीडिंग ज़ोन की व्यवस्था की जाएगी। यह विकास कार्य क्षेत्रीय समानता और शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। स्थानीय नागरिकों एवं विद्यार्थियों में इस घोषणा को लेकर खुशी की लहर है। सभी ने इस पहल के लिए मंत्री श्री जायसवाल का आभार जताया है।

शिक्षकों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

एकलव्य विद्यालय घुघरा में शिक्षण गतिविधियों पर हुई विस्तार से चर्चा

कोरिया,11 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में एकलव्य आदर्श आवासी विद्यालय, घुघरा (सोनहत) में शिक्षकों की गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछली परीक्षाओं में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का आंकलन करते हुए कलेक्टर ने शिक्षकों से वर्तमान शैक्षणिक सत्र की कार्ययोजना की जानकारी ली।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षण में नवीन तकनीकों जैसे ऑडियो, वीडियो और मैपिंग का उपयोग किया जाए। विषयवार चर्चा के दौरान उन्होंने सभी शिक्षकों को अपने पढ़ाने के स्तर में नवाचार लाने और बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा, बच्चे कच्ची मिट्टी जैसे होते हैं, उन्हें जिस माहौल में ढाला जाएगा, वे वैसा ही बनेंगे।इ इसलिए उन्हें सकारात्मक और सृजनात्मक वातावरण देना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों से अंग्रेज़ी में संवाद करें और उन्हें अंग्रेज़ी बोलने का अभ्यास कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के कुछ प्रेरणादायक शिक्षकों का उदाहरण देते हुए बताया कि थोड़ी सी अतिरिक्त मेहनत और समझदारी से कैसे छात्रों के मनोबल को बढ़ाया जा सकता है, जिससे अच्छे परिणाम भी देखने को मिलते हैं। उन्होंने शिक्षकों को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय का भ्रमण कर शिक्षण वातावरण एवं प्रबंधन की शैली से प्रेरणा लेने की सलाह दी।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखें, उनका समाधान किया जाएगा, लेकिन अच्छे परिणाम देने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यालय में शीघ्र ही स्मार्ट बोर्ड लगाए, जाएंगे, छात्रावासों में सोलर पंप और एग्जॉस्ट फैन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि छात्रों को पढ़ाई में कोई असुविधा न हो।

बैठक के उपरांत कलेक्टर ने 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और भविष्य की तैयारी को लेकर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को 100 प्रतिशत लक्ष्य लेकर समूह अध्ययन करने की सलाह दी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने बालक एवं बालिका छात्रावासों का निरीक्षण कर स्वच्छता, जांच, भोजन व्यवस्था और वातावरण को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती ऊषा लकरा, जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता, एसडीएम सोनहत राकेश साहू, जनपद सीईओ सोनहत, विद्यालय प्राचार्य वी.के. सिंह एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

फूलों से सजी थाल से पुष्पवर्षा, माथे में तिलक, चरण वंदना फिर शाल श्रीफल, मिठाई और मोमेंटो से हुआ गुरुओं का सम्मान

भाव विभोर हुए मंत्री तो गुरुओं ने दिया आशीर्वाद

चिरमिरी,11 जुलाई (देशबन्धु)। गुरु शिष्य की परंपरा का प्रतीक गुरु पूर्णिमा पर भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई एमसीबी ने एक ऐतिहासिक पहल की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी ने जिले के स्थानीय गुरुओं को एक मंच में लाकर चरण वंदना, पूजन और सम्मान स्वरूप शाल श्रीफल, मिठाई और मोमेंटो भेंट किया।

ज्ञात हो कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चिरमिरी के हल्दीबाड़ी एनसीपीएच क्लब में आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव 2025 गुरु पूजन, गुरु सम्मान समारोह में शामिल हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री भावुक हो गए, दरअसल गुरु पूजन कार्यक्रम में पधारे गुरुओं में कई गुरुओं के सानिध्य में मंत्री जी ने ज्ञान का अर्जन लिया था। इस दौरान श्री जायसवाल पधारे समस्त गुरुओं की चरण वंदना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने अनेक उदाहरणों से गुरु-शिष्य परंपरा को किया रेखांकित

कार्यक्रम में मंत्री जायसवाल ने कहा कि

गुरु नहीं तो ज्ञान नहीं, और ज्ञान के बिना मानवता का कोई अस्तित्व नहीं। उन्होंने संत कबीर की अमर वाणी गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए का उल्लेख करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताई और कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भारतीय मूल्यों और परंपराओं से जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने ब्रिटिश काल की शिक्षा नीति की आलोचना करते हुए कहा कि लॉर्ड मैकाले की नीतियों ने हमारे महापुरुषों को इतिहास से हटाकर विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन किया। लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत हमारे गौरवशाली नायकों जैसे चंद्रगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक, शिवाजी महाराज, अहिल्याबाई होलकर जैसे महान विभूतियों को शिक्षा के केंद्र में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल शिक्षा के क्षेत्र मंक बल्कि आत्मनिर्भरता, नवाचार और सांस्कृतिक जागरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि आज का दिन भारत के लिए बेहद खास है और इससे बड़ा दिन कोई हो ही नहीं सकता है क्योंकि गुरुओं का स्थान भगवान से भी ऊपर है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को मर्यादित गुरुओं के ज्ञान ने किया, नटखट कृष्ण को गुरु का ही सानिध्य रहा जो नारायण बना दिया। गुरु के बिना ज्ञान का संचार नहीं हो सकता। उक्त कार्यक्रम में सम्मानित गुरुओं, वरिष्ठजनों मां कैलाश पाण्डेय, यशवंत सिंह, भागवत दुबे, झारोलिया जी, कृष्णा मैम, प्रणव चक्रवर्ती, जगन्नाथ मंदिर के महंत, कथा वाचक मिथलेश जी, हरिकांत अग्निहोत्री, राजेंद्र पटेल, राजेंद्र शुक्ला, राम नरेश सिंह, साधुराम बेलवंशी, तरुण शर्मा, डीके उपाध्याय शामिल रहे वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने अनिल केशरवानी, द्वारिका जायसवाल, राहुल सिंह, रीता जैन, कीर्ति वासो, संतोष सिंह, रघुनंदन यादव, गौरी हाथगेन, इंदु पनेरिया, रीता आइच सहित जिला भाजपा के पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता, नगर निगम चिरमिरी के एमआईसी, पार्षदगण की अहम भूमिका रही।

सार-संक्षेप

सासंद राधेश्याम राठिया व कमलेश जांगड़े ने ली दिशा समिति की समीक्षा बैठक

सारंगढ़,11 जुलाई (देशबन्धु)। आज दोपहर सासंद रायगढ राधेश्याम राठिया व सांसद कमलेश जांगडे ने कलेक्ट्रेट परिसर में दिशा समिति की समीक्षा बैठक लिया जिसमें कलेक्टर डा संजय कन्नौजे पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय सहित कई विभागों के जिला प्रमुखों की उपस्थिति रही जिसमें सांसदों ने दिशा समिति के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा किया।इसके बाद सारंगढ के विश्राम गृह में भाजपा के नेताओं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पाण्डेय जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल दुर्गा ठाकुर टीकाराम पटेल समीर ठाकुर विकास थवाईत इत्यादि ने सांसद राधेश्याम राठिया से मिलकर क्षेत्र के विकास व रेल लाईन के मुद्दों पर चर्चा किया।

ग्राम पंचायत कोसीर में महिला जागरूकता कार्यक्रम

सारंगढ़,11 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत कोसीर में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आराधना रुरल हेलपेज फाउंडेशन के द्वारा किया गया जिसमें आसपास के पंचायत से महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी महिलाओं को फाउंडेशन की तरफ से महिला स्व सहायता समूह को किस प्रकार से कुटीर उद्योग के तहत व्यवसाय की शुरुआत की जा सके तथा अपने समूह को वह कैसे आगे ले जा सके इन समस्त बिंदुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कृषि सलाहकारों के द्वारा महिलाओं को मशरूम उत्पादन के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा उन्हें मशरूम उत्पादन हेतु खेती करने के लिए प्रोत्साहन भी दिया गया। फाउंडेशन के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को रोजगार के अवसर तथा उन्हें कृषि संबंधित समस्याओं को भी अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में महिला स्व सहायता समूहों के अध्यक्ष एवं सदस्य भी शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को कृषि से संबंधित सभी लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ। संस्था में महिलाओं को एनजीओ मित्र के रूप में कार्य करने हेतु उन्हें रोजगार के भी अवसर प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कोसीर के सरपंच साथ ही संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर, कृषि सलाहकार, सभी सर्कल ऑफिसर और सभी एनजीओ मित्रों ने भी सहयोग प्रदान किया

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अधिकारी कर्मचारियों से दो टूक कामकाज में लाए तेजी वरना होगी कार्रवाई

सारंगढ़,11 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने

गुरुवार को ब्लॉक मुख्यालय बरमकेला में ब्लॉक स्तरीय कार्यों के क्रियान्वयन का समीक्षा किया। उन्होंने विभागवार समीक्षा किया, जिसमें डॉ कन्नौजे का कार्य के प्रति लापरवाही करने वाले अधिकारी कर्मचारी पर सख्त नजर आए। उन्होंने सभी अधिकारी कर्मचारी को कहा कि अपने कार्यों में तेजी और सुधार लाएं या कार्यवाही के लिए तैयार रहें। राजस्व विभाग के समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों का पहले चिन्हांकन करें और पटवारी, आरआई, नायब तहसीलदार और तहसीलदार की टीम चिन्हांकित कब्जों को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। नक्शा-बटांकन, खसराविहीन भूमि का शीघ्र संकलन अद्यतन कार्य में धीमी गति पर कलेक्टर ने सभी पटवारियों को कार्य में तेजी लाने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा, जो पटवारी अपने कार्य में लापरवाही बरतेंगे वो कार्रवाई के लिए तैयार रहे। जिसमें कलेक्टर ने आपदा राहत ,स्वास्थ्य, राजस्व, शिक्षा सहित अन्य सभी विभागों के कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश उपस्थितों को दिए।

जमीन बंटवारे को लेकर हत्या, हत्यारों को मिली उम्रकैद की सजा

जांजगीर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। जमीन बंटवारे को लेकर अधेड़ की हत्या करने वाले आरोपी पति-पत्नी, बेटे समेत चार आरोपियों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना बम्हनीडीह थाना क्षेत्र के ग्राम खपरीडीह की है। अभियोजन के मुताबिक, खपरीडीह निवासी रिंकू कुमार गोंड़ ने 21 जनवरी 2024 को थाने में आकर सूचना दी कि उसके पिता खोलबहरा गोंड़ सुबह 6 बजे गांव के मौहार खार स्थित खेत में पानी पलाने गए थे। उसके पिता और गांव के फुलसाय सिदार के बीच मौहार खार की जमीन के बंटवारे को लेकर पिछले 4-5 साल से विवाद चल रहा था। सुबह 11.40 बजे उसके मोबाइल में लोकेश्वर सहिस ने फोन करके बताया कि उसके पिता को भाठापारा रोड में तीन-चार लोग मार रहे हैं। बाइक से वहां पहुंचा तो उसके पिता को फूलसाय, उसका बेटा सुनील, उसकी पत्नी माधुरीऔर भतीजा संतोष लाठी और टंगिया से मार रहे थे। जिसे देखकर वह डर गया और अपने घर लौटकर मां, भाइयों व उपसरपंच को सारी बात बताई और थाने पहुंचे। इस बीच आरोपी सुनील, संतोष व माधुरी तीनों भी थाने पहुंच गए। रिंकू, परिजनों के साथ थाने से सीधे घटना स्थल पहुंचा जहां उसका पिता बेहोश पड़ा था और शरीर में गहरे जख्म थे और खून निकल रहा था। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने खोलबहरा की मौत हो जाने की जानकारी दी। पुलिस ने धारा 302, 34 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की और अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया जहां संपूर्ण साक्ष्य और गवाहों को सुनने के बाद दोष सिद्ध पाए जाने पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जांजगीर शक्ति सिंह राजपूत के द्वारा आरोपी फूलसाय सिदार 60 वर्ष, सुनील सिदार 35 वर्ष, माधुरी सिदार 55 वर्ष और संतोष उर्फ अशोक सिदार को धारा 302 सहपठित धारा 34 के तहत आजीवन कारावास व 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 6-6 माह के सश्रम कारावास की सजा भुगताए जाने का आदेश दिया। अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर ने पैरवी की।

नो एंट्री में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर कसा शिकंजा

जांजगीर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के सख्त पालन को लेकर जांजगीर-चाम्पा पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। नो एंट्री क्षेत्र में नियमों की अनदेखी कर प्रवेश करने वाले भारी वाहनों के विरुद्ध यातायात पुलिस द्वारा कड़ी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विगत छह माह में नो एंट्री का उल्लंघन करने वाले कुल 95 भारी वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 2लाख 20 हजार समन शुल्क वसूल किया गया है। वहीं, पिछले एक माह में 16 भारी वाहन चालकों को नो एंट्री में प्रवेश करते हुए पाए जाने पर चालान की कार्रवाई की गई है। यातायात पुलिस द्वारा यह अभियान जिले के विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग कर चलाया जा रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में औघड़ पीर पर्व के रूप में मनाया गया

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 542 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया

अकलतरा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। अघोर पीठ जन सेवा अभेद आश्रम, पोंडी दल्हा में गुरु पूर्णिमा पर्व अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मनाया गया। औघड़ पीर पर्व के रूप में मनाए गए इस पर्व की शुरुआत सुबह 5 बजे प्रभात फेरी से हुई। आश्रम के भक्तों ने परिसर में सफाई और श्रमदान कर वातावरण को शुद्ध किया।

कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए आश्रम अध्यक्ष परम पूज्य कापालिक धर्म रक्षित रामजी ने प्रातः 11.30 बजे आसन पर विराजमान होकर दर्शन-पूजन का शुभारंभ किया, जो रात्रि 9 बजे तक चला। लगभग छह हजार श्रद्धालुओं ने गुरुदर्शन का लाभ लिया। इसके साथ ही, आश्रम स्थित अघोर चिकित्सालय में विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सकों की उपस्थिति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 542 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में आश्रम स्वयंसेवकों, अघोर

विद्यापीठ विद्यालय, आर.के. सिंह स्कूल के एनएसएस विद्यार्थी, विधुत विभाग, थाना अकलतरा एवं यातायात विभाग जांजगीर का सराहनीय योगदान रहा।

राम-नाम को जीवन का आधार बनाएं- परम पूज्य कापालिक धर्म रक्षित रामजी

सायंकाल आयोजित युवा एवं महिला गोष्ठी में देशभर से आए भक्तों को संबोधित करते हुए परम पूज्य कापालिक धर्म रक्षित रामजी ने कहा कि भौतिकता की चकाचौंध में न खोकर राम-नाम रूपी मणि को जीवन में धारण करें। यही नाम भय को हरता है, यही आत्मा को अडिग रखता है। शरीर नश्वर है, पर आत्मा अमर है। अतः अच्छे कर्म करें, जरुरतमंदों की सहायता करें और आत्म-संरक्षण के उपाय भी समझदारी से करें।

उन्होंने यह भी कहा कि आज का मानव भौतिक उन्नति तो कर रहा है, लेकिन अपने संस्कार और संस्कृति को भूल रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे राम-नाम का रसास्वादन करें और ईश्वर के नाम को अपने जीवन में सर्वोपरि रखें।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर रहा आकर्षण का केंद्र

स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ आश्रम व्यवस्थापक गोपाल राम जी द्वारा अवधूत भगवान राम के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। चिकित्सा शिविर में भाग लेने वाले प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. वाई. आर. राजशेखर कृष्णा (ऑर्थो स्पाइन सर्जन, किम्स अस्पताल बिलासपुर),डॉ. दयामणि साहू, डॉ. मंजू राठौर, डॉ. सूर्यप्रकाश, डॉ. सुनील साहू, डॉ. शुभम शुक्ला,डॉ. संदीप तिवारी (नेत्र विशेषज्ञ, संकल्प नेत्र चिकित्सालय), डॉ. आलोक मंगलम, डॉ. वैभव कौशिक (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. मनोज चन्द्रकार, डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. संदीप चन्देल। इन सभी चिकित्सकों ने निशुल्क परामर्श दिया और दवाएं वितरित कीं।

राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक राघवेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक चुन्नी लाल साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगेड़े, गुलाब सिंह, पूर्णेन्द्र सिंह, एवं दिवाकर राणा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अंत में अम्बिकापुर से आए डॉ. कृष्ण मोहन पाठक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नाबालिग बालक के अपहरण के मामले में युवती गिरफ्तार,भेजी गई न्यायिक रिमाण्ड पर

जांजगीर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। जिले की पुलिस ने एक नाबालिग बालक के अपहरण और अनाचार के गंभीर मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी युवती को पकड़ने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में संपन्न हुई।

जानकारी के अनुसार, 01 जुलाई को थाना जांजगीर में एक नाबालिग बालक को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। जांच के दौरान सायबर तकनीक के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त नाबालिग बालक जगदलपुर क्षेत्र में एक युवती के कब्जे में है। तत्पश्चात, थाना जांजगीर की टीम ने तत्परता दिखाते हुए जगदलपुर में दबिश दी और नाबालिग बालक को युवती के कब्जे से सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान युवती ने यह स्वीकार किया कि उसने बालक को शादी का झांसा देकर भगाया था और उसके साथ अनाचार भी किया। युवती के कबूलनामे के पश्चात उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में उप निरीक्षक सत्यम चौहान, प्रधान आरक्षक राजकुमार चंद्रा, आरक्षक राजू लाठे एवं महिला आरक्षक रेखा यादव की भूमिका रही।

फ्री फायर गेम से शुरू हुई बातचीत

नाबालिग से पूछताछ में सामने आया कि उसकी आरोपी युवती से पहचान फ्री फायर गेम के जरिए हुई थी। दोनों के बीच इंस्टाग्राम और फोन पर बातचीत होने लगी। जून में युवती जांजगीर पहुंची और परिजनों के सामने नाबालिग से शादी की इच्छा जताई, जिसे परिजनों ने खारिज कर दिया। इसके कुछ दिनों बाद नाबालिग बालक 50 हजार रुपये लेकर बिना बताए घर से निकल गया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग देगा युवा रत्न सम्मान

चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रूपए एवं चयनित संगठन को 5 लाख रूपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी

जांजगीर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना लागू की गई है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में किए गए अविस्मरणीय कार्य सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसित करने की दृष्टि से युवा रत्न सम्मान की स्थापना किया गया है। इस कार्य में व्यक्तियों, संगठनों के योगदान को प्रोत्साहित करने मान्यता देने एवं प्रतिष्ठ मंडित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों एवं संगठनों को युवा रत्न सम्मान प्रदाय करने का निर्णय लिया गया है। युवा रत्न सम्मान योजना का उद्देश्य राज्य में सामाजिक, संस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को प्रेरित करना तथा युवाओं में अपने समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के क्षेत्र में दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रूपए एवं चयनित संगठन को 5 लाख रूपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसी तरह युवा रत्न सम्मान अंतर्गत सामाजिक, साहित्य, नवाचार उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत सांस्कृतिक, लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग पुरानी सिंचाई कॉलोनी जांजगीर-चांपा से संपर्क कर सकते हैं।

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे आप दुनिया बदल सकते है-कमल गर्ग

पीएम श्री आत्मानंद स्कूल में पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के हाथों वी पुस्तक वितरण

खरसिया,11 जुलाई (देशबन्धु)। पीएम श्री आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खरसिया में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं पीएम श्री स्कूल के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अवध नारायण बंटी सोनी पार्षद ललित राठौर नवीन अग्रवाल हर्ष अग्रवाल एवं कैलाश शर्मा की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं में पुस्तकों का वितरण किया गया बताते चलें कि रायगढ़ जिले के उत्कृष्ट स्कूल पीएम श्री आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में जिले में सबसे पहले पुस्तकों का वितरण किया गया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने कहा कि शिक्षा व हथियार है जिससे आप देश दुनिया बदल सकते हैं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे अधिक कार्य कर रहे हैं देश के एवं छत्तीसगढ़ के सभी बच्चों को शिक्षा मिलेकोई बच्चा शिक्षा से वंचित न हो इसका विशेष ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भवन की मजबूती के लिए नींव का मजबूत होना जरूरी है अभी आपका समय इस नींव को शारीरिक मानसिक और शैक्षिक रूप से मजबूत करने का है ताकि आने वाले समय में आप सफल जीवन जी सके एक शिक्षीत व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं मानता आप सभी को पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खरसिया शहर का स्कूल का एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करना है इसके लिए खूब मेहनत करें और अभ्यास करें वही जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अवध नारायण बंटी सोनी ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करें और पीएम श्री स्कूल को पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान पर लेकर आए आप सभी का नगर पालिका द्वारा सम्मान किया जाएगा कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए पीएम श्री आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य रामनिवास नागवंशी ने नगर पालिका अध्यक्ष पार्किंग सेड बनवाने एवं स्कूल के ऑडिटोरियम का जीर्णोद्धार तथा मैदान को समतल करवाने का अनुरोध किया था कि वहां खेलकूद के आयोजन किया जा सके इस पर नगर पालिका अध्यक्ष ने इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया इस अवसर पर पीएम श्री आत्मानंद स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवास का निरीक्षण किया जिला पंचायत सीईओ वासु जैन ने

डभरा,11 जुलाई (देशबन्धु)। जनपद पंचायत डभरा के बी.पी.आर.सी. भवन में 11जुलाई को जिला पंचायत सक्ती के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन द्वारा प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना एवं मनरेगा के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजन किया गया था। जिसमें प्रधानमंत्री आवास के नोडल जनपद पंचायत डभरा के ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायक आवास मित्रों को प्रत्येक ग्राम पंचायत के स्वीकृत आवासों का विस्तृत समीक्षा करते हुए स्वीकृत आवासों की रजिस्ट्रेशन जियो टैग आदि अविलम्ब पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। मनरेगा में सभी हितग्रहियों का 90 दिवस का मास्टर रोल जनरेट करने साथ ही 25 जुलाई 2025 को सभी आवास हितग्राहियों को एक पेड़ मां के नाम के तहत एक पेड़ लगाने हेतु आदेशित किया गया है तथा सभी आवास हितग्राहियों को मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत अपने-अपने घरों में बारिश की पानी की संरक्षण के लिए सोखता गड्ढा बनाकर जल संरक्षण एवं संचयन के वृहद प्रयास किये जाने हेतु अपील किया गया। जिससे की भूजल स्तर बढ़ सके। समीक्षा बैठक के जिला पंचायत सी ई ओ सीधे जनपद पंचायत डमरा अंतर्गत ग्राम पंचायत ठनगन में स्वीकृत आवासों का मौके पर जा कर निरीक्षण किया गया तथा हितग्राहियों को अपूर्ण आवासों को अविलम्ब पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं उक्त आयोजित बैठक में विशेष रूप से सी. के.आदिले मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डभरा सुमीत कुमार राजपुत प्रभारी एस.डी.ओ. आर.ई.एस. डभरा प्रीति साव आवास समन्वयक जिला सक्ती आशीष पटेल खण्ड समन्वयक डभरा प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण कोमल प्रसाद पटेल भोलाराम पटेल सहायक विकास विस्तार अधिकारी ज.पं. डभरा सत्येन्द्र पटेल, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा ज.पं. डमरा एवं समस्त आवास मित्र रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

बाढ़ आपदा राहत के लिए कंट्रोल रूम का नंबर जारी

जांजगीर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। लगातार हो रही बारिश एवं नदी-नालों में बढ़ते जल स्तर को देखते हुए कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिलेवासियों, पर्यटकों से आपदा की स्थिति में सतर्क रहने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 24.7 कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। आपदा की किसी भी सूचना के लिए लोग तुरंत कंट्रोल रूम के नंबर 07817222032 पर संपर्क कर सकते हैं। कलेक्टर श्री महोबे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा नदियों और नालों के पुल के ऊपर पानी होने पर पार न करें, दूसरे सुरक्षित मार्ग का प्रयोग करें। जलस्तर उफान पर होने पर नदियों में नहाना और तैरना पूरी तरह से टालें। जलभराव से बीमारियां फैल सकती हैं, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। बंधों, जलाशयों और पिकनिक स्थलों पर जहां पानी का स्तर ज्यादा हो, वहां न जाएं। झरने या ऊंचे फिसलन वाले स्थानों पर सेल्फी लेने से बचे। तेज बारिश के दौरान कच्चे मकानों और स्मारकों के नीचे शरण लेने से बचें। आकाशीय बिजली के समय खुले में और पेड़ों के नीचे खड़े न रहें। स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा का ध्यान रखें और ग्राम में कुशल लोग प्रशासन के साथ राहत कार्यों में सहयोग करें।

अधूरा गौरव पथ निर्माण बना परेशानी का सबब

चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव ने दी 12 जुलाई तक सड़क मार्ग ठीक करने प्रशासन को अल्टीमेटम

बारिश में सड़क कीचड़ से सराबोर

डभरा,11 जुलाई (देशबन्धु)। चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मां चंद्रहासिनी देवी की नगरी चंद्रपुर में अधूरे गौरव पथ निर्माण कार्य को लेकर नगरवासी तीर्थयात्री सहित आसपास गावों के नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव ने 10 जुलाई 2025 को जिला कलेक्टर सक्ती को पत्र लिखकर अधूरे गौरव पथ सड़क मार्ग को तत्काल पूर्ण करने की अल्टीमेटम जिला प्रशासन शासन को दिया है अगर 12 जुलाई तक तीन दिवस के भीतर अधूरे गौरव पथ सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है आर्थिक नाकेबंदी एवं आंदोलन की चेतावनी दी है।

हम आपको बता दें कि नगर पंचायत चंद्रपुर में नगरीय निकाय द्वारा नगर की सड़क मार्ग को चमचमाती बनाने के लिए करोड़ों रुपयों राशि की मंजूरी दी गई। नगर पंचायत की गौरव पथ निर्माण के लिए ठेके पर दिया गया था परंतु समय सीमा समाप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया और ठेकेदार द्वारा गौरव पथ निर्माण कार्य में भारी अनियमितता की गई है।आज

इसी कारण अधूरे गौरव पथ निर्माण से बारिश के दिनों में आवागमन रोज बाधित हो रहा है।मांड नदी पुल से आगे पेट्रोल पंप के पास से लेकर नगर पंचायत तक सड़क निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। मात्र एक तरफ की सड़क को बनाया गया है दूसरी तरफ की हिस्सा को आज तक सी सी सड़क निर्माण कार्य नहीं कराया है जिस कारण हर रोज सैकड़ों ट्रक वाहन तीर्थ यात्रियों का वाहन एंबुलेंस वाहन तक को निकलने में घंटों लग रहा है। वाहन पलट रहे है कीचड़ से सराबोर गौरव पथ में मोटरसाइकल सवार लोगों को एवं पैदल चलना भी मुश्किल है। करोड़ो रूपये के गौरव पथ सड़क निर्माण कार्य में नगर पंचायत व ठेकेदार द्वारा भारी अनियमितता की गई है। सड़क के कई जगहों में दरारे पड़ चुका है एवं कई जगहों पर गौरव पथ सड़क में बड़े बड़े गड्ढे हो चुके है।

नगर पंचायत चंद्रपुर के गौरव पथ सड़क निर्माण कार्य में भारी गड़बड़झाला किया गया है। जिसकी खामियाजा नगरवासी तीर्थयात्री आने जाने वाले जनता भुगत रही है।

मां चंद्रहासिनी देवी कि नगरी चंद्रपुर में हर रोज देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में देवी मंदिर दर्शन करने आते है। अधूरे गौरव पथ सड़क मार्ग के कारण तीर्थयात्रीयो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में एस डी एम डभरा बालेश्वर राम ने कहा कि अधूरे गौरव पथ सड़क मार्ग को जल्दी बनाने के लिए नगर पंचायत चंद्रपुर के सी एम ओ एवं ठेकेदार को निर्देशित किया गया है। ताकि किसी प्रकार कि आवागमन में समस्या न हो।

देश विदेश

15वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन मलेशिया में आयोजित, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

कुआलालंपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में शुक्रवार को 15वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) की विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में ईएएस के सहयोग की समीक्षा की गई और भविष्य के रोडमैप को लेकर चर्चा की गई। नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए। इस साल ईएएस अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिसके चलते इसे और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। आसियान ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पोस्ट में कहा कि ईएएस में शामिल देशों ने इसे एक मजबूत मंच के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया, ताकि रणनीतिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर संवाद व सहयोग बढ़ाया जा सके।

बलूचिस्तान में 9 यात्रियों की हत्या बसों से उतारकर मारी गई गोली

क्वेटा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 9 लोगों की हत्या कर दी है। हथियारबंद लोगों के एक ग्रुप ने बसों में सवार इन यात्रियों का अपहरण किया। उसके बाद हमलावरों ने कथित तौर पर सभी 9 लोगों को गोली मार दी। बलूचिस्तान के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में यह घटना हुई।

■ पंजाब प्रांत की ओर जा रही थीं बसें

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ये बसें पंजाब प्रांत की ओर जा रही थीं। हथियारबंद लोगों के एक ग्रुप ने सड़क जाम कर इन बसों को रोक लिया। एन-70 राजमार्ग के पास सुर-दकई इलाके में बसों को रोका गया। हमलावरों ने कुछ यात्रियों की पहचान की और हथियार के बल पर 9 लोगों को बसों से उतार लिया। 9 लोगों का अपहरण करने के बाद हमलावरों ने बसों को जाने दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, एक यात्री ने बताया कि उन्होंने 9 यात्रियों को पकड़ा था। एक बस से 7 और दूसरी बस से 2 लोगों को उतारा गया था। मुझे नहीं पता कि उन्होंने उनके साथ क्या किया, लेकिन जब हम निकल रहे थे तो गोलियों की आवाज सुनी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि यात्रियों का गुरुवार शाम बसों से अपहरण किया गया था। एक अन्य सरकारी अधिकारी नवीद आलम ने बताया कि उनके शव पहाड़ियों में मिले। इन पर गोलियों के निशान थे।

रिपोर्ट के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि बस से अपहृत 9 लोगों की हत्या कर दी गई है और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। किसी संगठन ने इन हत्याओं की फिलहाल जिम्मेदारी नहीं ली है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को जारी की नई एडवाइजरी, कहा

किसी भी हालत में न करें ईरान की यात्रा

■ ईरान में अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी चेतावनी व अपराध का सबूत दिए किया गया अगवा

वांशिगटन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच हालात फिर तनाव की ओर बढ़ रहे हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान नहीं जाने की सलाह दी है। अमेरिका की ओर से ईरान यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नागरिकों को किसी भी स्थिति में ईरान की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के वाणिज्य दूतावास कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी कारण से ईरान नहीं जाना चाहिए। ईरान में अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी चेतावनी और अपराध का कोई सबूत दिए अगवा किया गया है और गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इनमें दोहरी नागरिकता (यूएस-ईरानी) रखने वाले नागरिक भी शामिल हैं। कुछ को झूठे आरोपों में सालों तक कैद रखा गया, मानसिक यातना दी गई और यहां तक कि मौत की सजा भी सुनाई गई है। सिर्फ अमेरिकी पासपोर्ट होना या अमेरिका से संबंध होना ही ईरानी अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी का कारण बन सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरानी शासन दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से कांसुलर सहायता देने से इनकार करता है। उन्होंने कहा कि हालांकि बमबारी रुक गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान की यात्रा करना सुरक्षित है। टैमी ब्रूस ने यह भी बताया कि अमेरिकी सरकार एक नई वेबसाइट लॉन्च कर रही है, जिसका उद्देश्य अमेरिकियों को ईरान यात्रा से सावधान करना है। ब्रूस ने कहा कि हम अमेरिकियों को ईरान की यात्रा के प्रति आगाह करने के लिए एक नई वेबसाइट भी शुरू कर रहे हैं।

समुद्र में फंसे अमेरिकी नौका के दो चालक सदस्यों को भारतीय तटरक्षक बल ने बचाया

पोर्ट ब्लेयर। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने 10 जुलाई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के इंदिरा पॉइंट से 52 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में फंसी अमेरिकी नौका 'सी एंजल' और इसके दो चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाया। नौका में एक अमेरिकी और एक तुर्की नागरिक सवार थे, जो तेज हवाओं और उबड़-खाबड़ समुद्र में अपनी नौका के खराब होने के कारण संकट में थे। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज राजवीर ने इस जोखिम भरे अभियान को अंजाम देकर नौका को कैंपबेल बे तक सुरक्षित पहुंचाया। 10 जुलाई को सुबह 11:57 बजे, पोर्ट ब्लेयर में तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) को चेन्नई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से संकट सिग्नल मिला। नौका सी एंजल की पाल फट गई थी और इसका प्रोपेलर रस्सियों में उलझने के कारण पूरी तरह से काम नहीं कर रहा था।

एमआरसीसी ने तुरंत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नेटवर्क को सक्रिय किया और जहाज राजवीर को बचाव के लिए रवाना किया। तेज हवाओं और ऊंची लहरों के बीच जहाज राजवीर नौका तक पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बचाव दल ने पाया कि नौका की पाल पूरी तरह से फटी हुई थी और प्रोपेलर रस्सियों में उलझा था, जिसके कारण नौका गतिहीन थी। तटरक्षक बल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 10 जुलाई को शाम 6:50 बजे नौका का संचालन करना शुरू किया।

सुडोकू 6971

6								
			4		8		7	
4		7	9	5	3		8	
9		5						
8		1		4		7		5
						9		1
	9		8	2	1	4		7
	8		6		4			
								6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6971

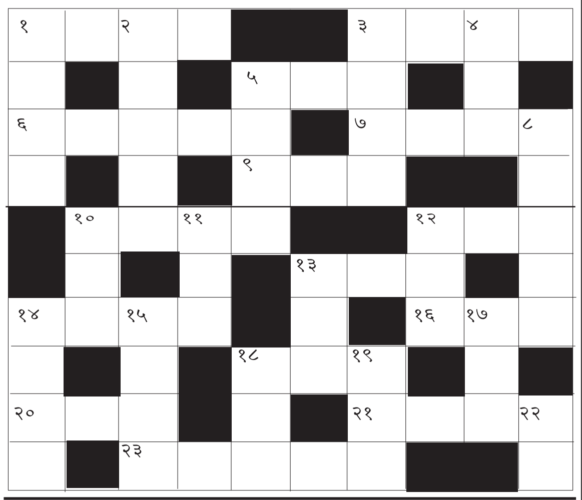

बायें से दायें:-

१. जीवन का अवलंब, सहारा, प्रियतम, पति
३. हलचल, घबराहट, उथल-पुथल
५. भद्दा, विशाल, भयंकर दुर्गम
६. समय का बोध कराने वाला
७. कुटुंब
९. माथा, ललाट
१०. समीपता
१२. उपकरण, आला, कोई काम करने का साधन (उर्दू)
१३. उस ओर का, दूसरी ओर का
१४. सेविका, दासी
१६. चारों दिशाओं में से एक दिशा
१८. उच्च कुल में उत्पन्न
२०. सालाना
२१. जंगल में पैदा होने वाला
२३. दयालु, उदारमना (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. सवेरे का समय
२. अविच्छिन्न रूप से होने या चलने वाला
३. अनबन, मनमुटाव
४. उपद्रव, दंगा (उर्दू)
५. बेचैनी, व्याकुलता
८. कामदेव
१०. जो किसी से न डरे
११. पतली शाखा, डाली
१२. संतान
१३. ऐसी समस्या जो शीघ्र हल न किया जा सके, बुझौवल
१४. नवयुवक (उर्दू)
१५. राजा.या शासन को दिया जाने वाला कर
१७. सीता
१८. फूल, पुष्प
१९. नया, नवीन
२२. वृक्ष, पेड़

वर्ग पहेली-6970

१ म	स	२ ख	रा	■	■	३ वि	मा	४ नि	त
णि	■	ब	■	५ मो	ह	क	■	र्जी	■
६ बं	द	र	गा	ह	■	७ ल	ब्ध	व	८ र
ध	■	दा	■	९ पा	त्र	ता	■	■	वि
■	१० प	र	११ व	श	■	■	१२ अ	त्यं	त
■	ह	■	र्ण	■	१३ प्र	ति	भा	■	न
१४ मू	ल	१५ ध	न	■	वा	■	१६ व	१७ ल	य
ल्यां	■	न्य	■	१८ ब	ह	१९ रा	■	ल	■
२० क	ले	वा	■	ढ़ि	■	२१ क्ष	यं	क	२२ र
न	■	२३ द	कि	या	नू	स	■	■	द्द

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 12 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 2

राशिफल

मेष - आज आप पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर घरेलू मामलों के संबंध में विचार विमर्श करेंगे। घर को नए सिरे से योजनाबद्ध करके आप उसे एक नया स्वरूप देंगे। ऑफिस में उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा होगी।

वृषभ - आज आप विदेश में बसनेवाले मित्रों या स्नेहीजनों के अच्छे समाचार पाकर आनंद अनुभव कर सकेंगे। जो लोग विदेश जाना चाहते हैं, उनके लिए अच्छा समय है। प्रवास या धार्मिक स्थान पर जाने का योग है।

मिथुन - आज आपको काफी सावधानी रखने की जरुरत है। आज इलाज या शल्यचिकित्सा टालना बेहतर होगा। क्रोध से खुद की हानि कर लेंगे। दिमाग को शांत रखें। मानहानि न हो, इसका ध्यान रखिएगा।

कर्क - वैभवी जीवन शैली तथा मनोरंजक प्रवृत्तियों से आज आप आनंदित रहेंगे। व्यापार में आप को लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा या प्रवास का आयोजन कर सकेंगे।

सिंह - मानसिक चिंता से मन चिंतित रहेगा। शंका और उदासी भी मन पर छाई रहेगी, इसलिए आज मन भारी रहेगा। किसी कारणवश दैनिक कामों में विघ्न आ सकते हैं। व्यवसाय में सहकर्मियों का सहयोग आज नहीं के बराबर मिलेगा।

कन्या - आज विद्यार्थियों के लिए समय कठिन है। संतान के विषय में आपको चिंता बनी रहेगी। शेयर-सट्टे से संभलकर चलिएगा। मन में खिन्नता का अनुभव होगा। आज बौद्धिक चर्चाओं में न उतरना आपके लिए हितकारी रहेगा।

तुला - आपके लिए समय शुभ है। किसी बात को लेकर मन ज्यादा इमोशनल रहेगा। शारीरिक ताज़गी का अभाव रहेगा। मानसिक चिंता भी रहेगी। धन और यश की हानि हो सकती है। मां के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आज आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ भाग्य वृद्धि भी होगी। स्नेहीजनों के साथ संबंधों में प्रेम की अधिकता रहेगी। नए काम का शुभारंभ करने के लिए समय शुभ है।

धनु - आप का दिन मिश्रित फलदायी है। असमंजस के कारण निर्णय लेना कठिन होगा। मन में चिंता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो, इसका ध्यान रखें। काम में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से निराशा होगी।

मकर - आज दिन की शुरूआत ईश्वर स्मरण से होने के कारण मन प्रफुल्लित रहेगा। पारिवारिक वातावरण मंगलमय रहेगा। मित्रों, स्नेहीजनों से आपको उपहार प्राप्त होंगे। नौकरी और व्यापार के स्थान पर आपका प्रभाव बना रहेगा।

कुंभ - आज शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। परिजनों के साथ कलह होने की संभावना है। धन के लेनदेन या पूंजी निवेश करते समय ध्यान रखें। अदालती कार्यवाही में संभलकर चलें। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन - आज आकस्मिक धनलाभ की संभावना अधिक है। संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बचपन के या पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। नए मित्रों से भी संपर्क होगा, इसका आपको भविष्य में लाभ होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

कनाडा अपने कर्मचारियों व व्यवसायों की रक्षा करेगा : कार्नी

ओटावा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार कनाडा के श्रमिकों और व्यवसायों की रक्षा को प्रतिबद्ध है। कार्नी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा पर 35 प्रतिशत टैरिफ (कर) लगाने के प्रस्ताव के जवाब में आया है, जो 1 अगस्त से लागू होगा। यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा यह घोषणा करने के बाद आई कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ मौजूदा व्यापार वार्ता के दौरान, कनाडा सरकार ने हमारे श्रमिकों और व्यवसायों का दृढ़ता से बचाव किया है। हम 1 अगस्त की संशोधित समय सीमा तक ऐसा करना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कनाडा ने उत्तरी अमेरिका में फेंटानिल (एक नशीली दवा) की समस्या को रोकने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

बता दें कि ट्रंप ने इसी मुद्दे को शुल्क लगाने के कारण के रूप में बताया था। कार्नी ने कहा कि हम अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों में लोगों की जान बचाने और समुदायों की रक्षा करने के लिए काम करते रहेंगे। हम कनाडा को मजबूत बना रहे हैं। संघीय सरकार, प्रांत और क्षेत्र एक मजबूत कनाडाई अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी प्रगति कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ पर अमेरिकी प्रतिबंध अस्वीकार्य : दुजारिक

संयुक्त राष्ट्र, 11 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध को अस्वीकार्य बताया। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों पर प्रतिबंध लगाना खतरनाक है। यह बयान फ्रांसेस्का अल्बानीज पर अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में आया। अल्बानीज फिलिस्तीन में यूएन की विशेष रिपोर्टर (प्रतिवेदक) के तौर पर काम करती हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि सदस्य देशों को अपने विचार रखने और विशेष प्रतिवेदकों की रिपोर्टों से असहमत होने का पूरा अधिकार है, लेकिन हम उन्हें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संरचना के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विशेष प्रतिवेदकों या किसी अन्य संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ या अधिकारी के विरुद्ध एकतरफा प्रतिबंधों का प्रयोग अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि अल्बनीज, अन्य सभी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञों की तरह, एक स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने नियुक्त किया है

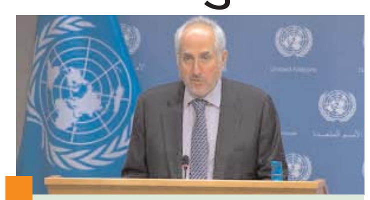

सदस्य देशों को अपने विचार रखने व विशेष प्रतिवेदकों की रिपोर्टों से असहमत होने का पूरा अधिकार है : स्टीफन दुजारिक

और वे जेनेवा स्थित परिषद को रिपोर्ट करते हैं। दुजारिक ने कहा कि विशेष प्रतिवेदक संयुक्त राष्ट्र महासचिव को रिपोर्ट नहीं करते हैं, जिनका उन पर या उनके कार्य पर कोई अधिकार नहीं होता है। वाशिंगटन ने बुधवार को फिलिस्तीनियों के खिलाफ कथित इजरायली मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच में भूमिका के लिए अल्बानीज पर प्रतिबंधों की घोषणा की। यह कदम गाजा में चल रहे इजरायली सैन्य अभियानों के बीच उसके द्वारा किए गए कथित युद्ध अपराधों की अंतरराष्ट्रीय जांच को रोकने के वाशिंगटन के नवीनतम प्रयासों का प्रतीक है।

ईरान-पाकिस्तान से अफगानों की वापसी की प्रक्रिया जारी

काबुल, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान और पाकिस्तान से 5,000 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार एक ही दिन में अपने वतन अफगानिस्तान लौट आए। यह जानकारी स्थानीय सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने शुक्रवार को दी। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को कुल 4,852 परिवार ईरान से और 153 परिवार पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौटे।

यह बड़ा वापसी अभियान ऐसे समय में जारी है जब अफगान अंतरिम सरकार ने ईरान से आग्रह किया है कि वह शरणार्थियों को वापस भेजने की प्रक्रिया में संयम बरते। ईरान ने हाल ही में अवैध रूप से रहने वाले अफगान नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया था।

जानकारी के अनुसार, अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री कार्यालय ने ईरान का पिछले चार दशकों से अफगान शरणार्थियों को शरण देने के लिए आभार व्यक्त किया है और शरणार्थियों के अधिकारों का सम्मान बनाए रखने की अपील की है। अफगानिस्तान के कार्यवाहक उपप्रधानमंत्री (प्रशासनिक मामलों) मौलवी अब्दुस सलाम हनफी ने गुरुवार को

■ पांच हजार से अधिक शरणार्थी परिवार लौटे वतन

बताया कि पिछले एक महीने में ही आधे लाख से अधिक अफगान शरणार्थी ईरान से लौट चुके हैं। इस वर्ष अब तक कुल 15 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी ईरान और पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। इससे पहले 26 जून को पश्चिमी हेरात स्थित इस्लाम क़ला बॉर्डर से एक दिन में 30,000 से अधिक शरणार्थी अफगानिस्तान लौटे, जिसे हाल के दिनों की सबसे बड़ी वापसी के रूप में देखा गया।

यूएई से भारत लाया गया नारकोटिक्स मामले का आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यूएई से नारकोटिक्स मामले के आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को वापस लाने में सफलता हासिल की है। सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से कुब्बावाला मुस्तफा को यूएई से सफलतापूर्वक भारत वापस लाने का समन्वय किया है। कुब्बावाला मुस्तफा मुंबई पुलिस का वांछित आरोपी है। सीबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, सीबीआई की इंटरनेशनल पुलिस कोऑपरेशन यूनिट (आईपीसीयू) ने अबू धाबी की इंटरपोल टीम (एनसीबी-अबू धाबी) के साथ मिलकर वांछित आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को 11 जुलाई को भारत वापस लाया है। मुंबई पुलिस की चार सदस्यीय टीम 7 जुलाई को दुबई (यूएई) गई थी ताकि मुस्तफा को भारत लाया जा सके। यह टीम 11 जुलाई को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (मुंबई) पहुंची। इससे पहले, कुब्बावाला मुस्तफा को पहले यूएई में ट्रैक किया गया था।

सुडोकू 6971 का हल

6	3	8	7	1	2	5	9	4
2	5	9	4	6	8	1	7	3
4	1	7	9	5	3	6	8	2
9	4	5	1	3	7	2	6	8
8	6	1	2	4	9	7	3	5
7	2	3	5	8	6	9	4	1
3	9	6	8	2	1	4	5	7
5	8	2	6	7	4	3	1	9
1	7	4	3	9	5	8	2	6

आज का इतिहास

1290- इंग्लैंड के सम्राट एडवर्ड प्रथम के आदेश पर यहूदियों को बाहर निकाला गया।
1346- लक्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ को रोमन साम्राज्य का शासक नियुक्त किया गया।
1673- नीदरलैंड और डेनमार्क के बीच रक्षा संधि पर हस्ताक्षर हुए।
1690- विलियम ऑफ ऑरेंज के नेतृत्व में प्रोटेस्टेंटों ने रोमन कैथोलिक सेना को पराजित किया।
1801- अल्जीसिरास की लड़ाई में ब्रिटेन ने फ्रांस और स्पेन को पराजित किया।
1823- भारत में निर्मित प्रथम वाष्प इंजन युक्त जहाज 'डायना' का कलकत्ता (अब कोलकाता) में जलावतरण।
1862- अमेरिकी कांग्रेस ने मेडल ऑफ ऑनर को प्राधिकृत किया।
1912- 'क्वीन एलिजाबेथ' अमेरिका में प्रदर्शित होने वाली पहली विदेशी फिल्म बनी।
1918- टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट में 500 लोगों की मौत।
1935- बेल्जियम ने तत्कालीन सोवियत संघ को मान्यता दी।
1949- महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबंध को सशर्त हटाया गया।
1957- अमेरिकी सर्जन लेरोय इ बर्नी ने बताया कि धूम्रपान और फेफड़े के कैंसर में सीधा संबंध होता है।
1960- भागलपुर और रांची यूनिवर्सिटी की स्थापना।
1970- अलकनंदा नदी में आई भीषण बाढ़ ने 600 लोगों की जान ली।

चिंताजनक / ब्रिटेन के सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं की दुर्दशा पर डाला प्रकाश, कहा

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने में नाकाम रही यूनुस सरकार

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के कई प्रमुख राजनेता, पूर्व और वर्तमान सांसद, मानवाधिकार कार्यकर्ता और विभिन्न धार्मिक समुदायों के सदस्यों ने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार से आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ सख्त कदम उठाए, क्योंकि वह दक्षिण एशियाई देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ बांग्लादेश (सीएफओबी) की ओर से आयोजित एक सेमिनार में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि जब यूनुस ने शेख हसीना की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई अवामी लीग सरकार के हटने के बाद अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला, तब (5 अगस्त से 20 सितंबर, 2024 के बीच) हिंदुओं के खिलाफ 2,010 हिंसक घटनाएं हुईं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी रही और 21 सितंबर से 31 दिसंबर 2024 के बीच 174, 1 जनवरी से 30 जून 2025 के बीच 258 घटनाएं दर्ज की गईं। बताया गया कि, बांग्लादेश में पुलिस और सेना मूकदर्शक बनी हुई है। पिछले 11 महीनों में यूनुस की 'गैर-जिम्मेदार, अपारदर्शी, गैर-निर्वाचित सरकार' ने 168 पत्रकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया और 43 पत्रकारों को जेल में डाल दिया। सेमिनार की शुरुआत सीएफओबी अध्यक्ष अंजेनारा रहमान-हक ने की और इसकी अध्यक्षता हैरो ईस्ट के सांसद बॉब

■ यूनुस सरकार के खिलाफ कार्रवाई का किया आह्वान

ब्लैकमैन ने की, जो 1922 समिति के अध्यक्ष, 2024 से बैकबेंच बिजनेस कमेटी के अध्यक्ष और कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ बांग्लादेश (सीएफओबी) के संसदीय अध्यक्ष भी हैं।

वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यक बांग्लादेश के आर्थिक विकास और राजनीतिक स्थिरता में योगदान करते हैं और राजनीति में उनका आनुपातिक प्रतिनिधित्व होना चाहिए ताकि अल्पसंख्यक न्याय, शांति और सद्भाव की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकें।

ब्रिटेन के यूनाइटेड हिंदू अलायंस के हराधन भौमिक ने कहा कि हिंदू दहशत में जी रहे हैं। वे घर पर चैन से सो नहीं सकते, क्योंकि उन्हें नहीं पता है कि कल क्या होगा। उन्होंने कहा कि 26 जून को मुरादनगर में एक हिंदू महिला के साथ कुमिला के एक स्थानीय राजनेता ने बलात्कार किया और उसके नग्न शरीर के वीडियो दुनिया भर में सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। ब्रिटेन के बौद्ध समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए बैरिस्टर प्रशांत बरुआ ने बांग्लादेश में समाज के कट्टरपंथ के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त की और मलेशिया में 36 बांग्लादेशी चरमपंथियों की गिरफ्तारी का भी उल्लेख किया।

दुनिया को जानें

कांगो में हैजा का प्रकोप गंभीर दौर में, सरकार अलर्ट

किनशासा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में हैजा का प्रकोप गंभीर दौर में पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्री रॉजर कांबा ने बताया कि जनवरी 2025 से अब तक देशभर में 33,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें मृत्यु दर लगभग 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा साल 2024 के पूरे साल के 31,749 मामलों से भी अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हैजा की बीमारी अब देश के 26 में से 17 प्रांतों में फैल चुकी है, जो एक दिन पहले 14 प्रांतों में थी।

राजधानी किनशासा में 1.7 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, यहां हर हफ्ते करीब 130 नए मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें से कई घातक साबित हो रहे हैं। मंत्री ने चेतावनी दी कि बीमारी तेजी से फैल रही है।

सरकार ने किनशासा में नए उपचार केंद्र खोलने और मरीजों को मुफ्त इलाज देने की घोषणा की है। इसके साथ ही देश में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) के मामले भी बढ़ रहे हैं, जिसे कांबा ने गंभीर स्वास्थ्य संकट बताया। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) ने 5 मई को हैजा के प्रकोप की आधिकारिक घोषणा की।

खेल जगत

अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर : वियान मुल्डर

बुलावायो। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे। इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए लेकिन बाद में उन्होंने खुलासा किया कि इस मामले पर लारा की दूसरी राय थी। मुल्डर ने सुपरस्पोर्ट से कहा कि अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर हुई हैं। मेरी ब्रायन लारा से भी बात हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी लीगेसी बना रहा हूं और मुझे रिकॉर्ड के लिए जाना चाहिए था।

लॉर्ड्स में दिखा जसप्रीत बुमराह का जलवा

■ 20 रन देकर तीन विकेट झटके

लॉर्ड्स, 11 जुलाई (एजेंसियां)। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन के पहले सत्र के शुरुआती ओवरों में जसप्रीत बुमराह के दिए तीन झटकों से इंग्लैंड टीम ने खुद को उबार लिया। पहले सत्र की समाप्ति के समय इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 353 रन बना लिए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ 51 और ब्रायडन कार्स 33 रन पर खेल रहे हैं। इसके पहले इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 251 रन से पहले सत्र की शुरुआत की थी। पहले दिन 99 पर नाबाद लौटे जो रूट ने दिन की पहली ही गेंद पर अपना शतक पूरा किया।

इसके बाद मैदान पर जसप्रीत बुमराह का जलवा दिखा। बुमराह ने 20 रन के अंदर तीन विकेट निकाल दिए। रूट 104 और स्टोक्स 44 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद क्रिस वोक्स को भी बुमराह ने आउट किया। 251 पर 4 से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लैंड 271 पर 7 विकेट गंवाकर चिंताजनक स्थिति में आ गई। 7 विकेट खोने के बाद इंग्लैंड की पारी 300 के ऊपर जाती नहीं दिख रही थी। लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने इंग्लैंड की पारी को संभाला और लंच तक विकेट नहीं गिरने दिया।

लंच तक इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 353 रन बना लिए। दोनों के बीच 82 रन साझेदारी हो चुकी है। स्मिथ 51 और कार्स 33 पर नाबाद हैं। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाज पूरी तरह दिन के पहले सत्र में प्रभावी नहीं रहे। बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया गया था।

गेंदबाजी में सुधार का श्रेय पैट कमिंस और मॉर्कल को: रेड्डी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाजी ऑलराउंडर ने एंडरसन तेडुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पाच टेस्ट मैचों की सीरीज लॉडर्स में बृहस्पतिवार को शुरू हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जाक क्रॉली को अपने एक ही ओवर में आउट कर सभी को चौंका दिया। बॉर्डर गावसकर ट्रॉफी के दौरान पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ नीतिश रेड्डी मेलबर्न टेस्ट में भारत के लिए बढ़िया शतक जड़ सुर्खियों में आए थे। जसप्रीत बुमराह,मोहम्मद सिराज और आकाश दीप जैसे अपने वरिष्ठ साथी तेज गेदबाजों की त्रिमूर्ति की मौजदूगी में नीतिश रेड्डी की रफ्तार सबसे कम और इसीलिए वह अपने तीन साथियों के मुकाबले गेंद को ज्यादा स्विंग कराने में कराने में कामयाब रहते है और सीम का भी बेहतर इस्तेमाल करते है। रेड्डी की कोशिश बुमराह से भी ज्यादा गेंद को सीम कराने के साथ स्टंप को निशाना बना कर ज्यादा गेंदबाजी करते हैं। भारत के ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी ने अपनी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय आईपीएल में अपनी सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस और टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मॉर्नी मॉर्केल को दिया। नीतिश रेड्डी ने पहले दिन के खेल के बाद संवाददाताओं से मुखातिब होते हुए कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मैंने महसूस किया कि मुझे अपनी गेंदबाजी सुधारने के साथ इसमें निरंतरता भी लाने की जरूरत है। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला और तब वहां मेरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट के हर फॉर्मेट में बतौर तेज गेंदबाज शानदार गेंदबाजी कर चुके कमिंस थे।

भारत को रेड्डी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत : कुंबले

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने दो विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजी में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाज अनिल कुंबले ने रेड्डी की तारीफ करते हुए उन्हें एक उभरता हुआ ऑलराउंडर बताया। कुंबले ने कहा कि भारत को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो बीच-बीच में साझेदारियों को तोड़ सकें और तेज गेंदबाजों को थोड़ी राहत दे सकें। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन नितीश ने नई गेंद से उम्दा गेंदबाजी की। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें 14वें ओवर में गेंद थमाई और रेड्डी ने अपने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के दोनों ओपनरों बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। रेड्डी ने डकेट को लेग साइड की गेंद पर फंसाया, जब वह पुल शॉट खेलने में चूक गए। उनकी अगली ही गेंद पर ओली पोप ने एज किया, लेकिन गिल स्लिप में कैच नहीं पकड़ पाए।

मैं एमएस धोनी को अपना युगल पार्टनर चुनूंगा : सूर्यकुमार

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन रॉयल बॉक्स में सितारों का आना जारी है, ऐसे में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव भी वहां रुकने वाले नए भारतीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार से टेनिस के प्रति अपने प्रेम, अपने खेल के दिग्गजों और अपने जीवन में क्रिकेट-टेनिस के अप्रत्याशित मेल के बारे में बात की। विंबलडन में पहली बार आने की वजह पर सूर्या ने कहा कि मैं टेलीविजन पर टेनिस काफी देखता हूं। मैंने हमेशा सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में सुना है, खासकर जब आप अंदर कदम रखते हैं। मैं यहां उस अद्भुत एहसास का अनुभव करने आया हूं। विंबलडन में पहली बार टेनिस देखने और अपने सूट के पीछे की प्रेरणा के बारे में उन्होंने कहा कि मैं पहली बार यहां आया हूं, और मैं सब कुछ सही करना चाहता था। सच कहूं तो, मेरी पत्नी मेरा बहुत ख्याल रखती है। वह पिछले तीन-चार दिनों से मेरे साथ रही है और मुझे इस शानदार टूर्नामेंट में क्या पहनना है, यह तय करने में मदद कर रही है। इतने सारे लोग बड़ी संख्या में आए हैं, मैं भी उनमें से एक हूं, बस यही अनुभव करने आया हूं। जिन सितारों को देखने का वह बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, उनके बारे में सूर्या ने कहा कि मैं निश्चित रूप से नोवाक जोकोविच को देखने आया हूं। मैं बहुत लंबे समय से उनके करियर पर नजर रख रहा हूं। मैंने उनकी किताब 'सर्व टू विन' भी पढ़ी है, जिसने मुझे वाकई प्रेरित किया। मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण थोड़ी देर से किया, हालांकि 30 साल की उम्र ज्यादा नहीं, लेकिन मैं उनके सफर और दृढ़ता से खुद को जोड़ पाया। जिस तरह से वह आगे बढ़ते रहते हैं, वह अद्भुत है। सूर्या ने अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ियों, भूतपूर्व और वर्तमान, के बारे में कहा कि अगर हम ख़ास तौर पर विंबलडन की बात कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से पीट सम्प्रास और रोजर फेडरर।

> मैं टेलीविजन पर टेनिस काफी देखता हूं। मैंने हमेशा सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में सुना है, खासकर जब आप अंदर कदम रखते हैं। मैं यहां उस अद्भुत एहसास का अनुभव करने आया हूं : सूर्याकुमार यादव

आज से शुरू होगी नेशनल कार्टिंग चैम्पियनशिप

कोयंबटूर, 11 जुलाई (एजेंसिसां)। 12 जुलाई से राष्ट्रीय कार्टिंग चैम्पियनशिप की शुरुआत हो रही है। इसमें 10 टीमों से कुल 74 युवा खिलाड़ी चार अलग-अलग कैटेगरी- सीनियर मैक्स, जूनियर मैक्स, मिनी मैक्स और माइक्रो मैक्स में हिस्सा ले रहे हैं। नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप 2025 के छह राउंड के बाद, ग्रैंड फिनाले 8-9 नवंबर को होगा। सीनियर मैक्स, जूनियर मैक्स, मिनी मैक्स और माइक्रो मैक्स श्रेणियों में चुने गए चार राष्ट्रीय चैंपियन, बहरीन में रोटैक्स मैक्स चैलेंज ग्रैंड फाइनल (29 नवंबर से 6 दिसंबर) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 2025 सीजन में 11 वर्ष से कम आयु के रेसर्स के लिए मिनी मैक्स श्रेणी की शुरुआत की जाएगी, जिसे माइक्रो और जूनियर मैक्स वर्गों के बीच रखा जाएगा। सीनियर मैक्स में 34 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बेंगलुरु के रेसर रिशोन राजीव (बिरेल आर्ट इंडिया) और पेरेग्रीन रेसिंग के रोहान मदेश और ईशान मदेश भाइयों के दबदबे की उम्मीद है, जबकि इन तीनों के बीच मुकाबला कड़ा और रोमांचक होने की संभावना है। जूनियर मैक्स वर्ग में पिछले साल के चैंपियन पुणे के अराफात शेख (क्रेस्ट मोटरस्पोर्ट्स) और चेन्नई के ईशांत वेंगटेसन (एमस्पोर्ट) हिस्सा लेंगे, जिनके खिलाफ कई नए खिलाड़ी उतरेंगे। मिनी मैक्स वर्ग में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होने की उम्मीद है, जिसमें कई रेसर माइक्रो मैक्स से आगे बढ़े हैं। रिवान देव प्रीतम (चेन्नई, एमस्पोर्ट), हमजा बालासिनोरवाला (मुंबई, क्रेस्ट मोटरस्पोर्ट्स), रेहान खान रशीद (चेन्नई, एमस्पोर्ट), यथार्थ गौर और दानिश डालमिया (पुणे, रेयो रेसिंग), जो पिछले साल माइक्रो मैक्स वर्ग में लगातार पोडियम हासिल कर रहे थे, सभी नई मिनी श्रेणी में आ गए हैं। शीर्ष पांच के चले जाने से माइक्रो मैक्स के लिए जगह खाली हो गई है, जिसमें बेंगलुरु के पेरेग्रीन रेसिंग के शिव तुम्माला और मुंबई के रेयो रेसिंग के आरव सुरेखा सबसे आगे हैं।

इंग्लैंड में ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जीतने पर मंधाना ने कहा-

टीम की हर खिलाड़ी में थी जीत की भूख

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओर से इंग्लैंड में पहली बार टी-20 सीरीज जीतने के बाद, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने सीरीज में अब तक टीम के ऑलराउंड प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि सभी की आंखों में जीत की भूख थी, जो सभी के प्रदर्शन में दिखाई दी। भारत ने बुधवार रात ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथा टी20 मैच छह विकेट से जीतकर इतिहास रच दिया। इस मैच में, दीप्ति शर्मा झूलन गोस्वामी के बाद 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट तक पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में मंधाना ने कहा कि जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने चारों मैचों में गेंदबाजी की। यहां तक कि तीसरे टी20 में भी उन्होंने जिस तरह से वापसी की। उन्होंने विपक्षी टीम को आखिरी 4-5 ओवरों में रोका और 25 के आसपास रन दिए। हमारी टीम फील्डिंग को लेकर स्पष्ट थी। मैं वास्तव में इसे इन दो पहलुओं का नतीजा मानूंगी। जिस तरह की स्पष्टता और जिस तरह की फील्डिंग सभी ने की है। उन्होंने आगे कहा कि निश्चित रूप से सभी काफी फिट दिख रहे हैं। इसलिए मैं यही कहूंगी कि इसका बहुत सारा श्रेय उन्हें जाता है। मुझे लगता है कि सीरीज से पहले उन पर काफी दबाव था। लेकिन जिस तरह से वे यहां आए और गेंदबाजी की, उससे मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने आगे कहाए कि हर कोई वाकई बहुत उत्साहित था। हर कोई जाने के लिए तैयार था। हम बस सही समय का इंतजार कर रहे थे। कभी-कभी आपको ऐसा एहसास होता है कि हर कोई आपके साथ है। वह भूख हर किसी की आंखों में थी और मुझे लगता है कि यह प्रदर्शन में साफ झलक रहा था। भारतीय टीम ने 2006 में इंग्लैंड के बीच हुए पहले टी-20 मुकाबले में उसे हराया था, लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत से पहले उसने इंग्लैंड के खिलाफ कोई भी टी-20 सीरीज नहीं जीती थी। मंधाना ने कहा कि हमने बैठक में इस बात पर चर्चा की कि हम इतिहास रचने के करीब हैं क्योंकि हमने इंग्लैंड को टी20 सीरीज में कभी नहीं हराया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को धवन ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड की धरती पर पहली बार ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत दर्ज करने पर बधाई दी। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए पांच मैचों की सीरीज के चौथे मैच में छह विकेट से जीत हासिल कर छोटे प्रारूप की सीरीज पर कब्जा किया। इस जीत से टीम ने न सिर्फ सीरीज अपने नाम कर ली, बल्कि 3-1 की अजेय बढ़त भी बना ली। धवन ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर लिखा, भारतीय क्रिकेट के लिए क्या ही पल है। इंग्लैंड में अपनी पहली टी20 सीरीज जीत के साथ इतिहास रचने के लिए हमारी महिला टीम को सलाम। आप सभी ने एक मिसाल कायम की है और कई लड़कियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की और एकजुट होकर खेलने के लिए अपनी टीम की सराहना की।

सार संक्षेप

कार्लसन ने बिना कोई मोहरा गंवाए चैटजीपीटी को हराया

नई दिल्ली। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, जो पहले ही पांच क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप और रैपिड तथा ब्लिट्ज दोनों प्रारूपों में शीर्ष वैश्विक रैंकिंग के साथ ओवर-द-बोर्ड शतरंज की दुनिया में अपना दबदबा बना चुके हैं, अब अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों का सामना करने पर केंद्रित कर रहे हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने हाल ही में ओपनएआई के संवादी एआई, चैटजीपीटी के साथ शतरंज के खेल में मुकाबला किया और बिना एक भी मोहरा गंवाए निर्णायक जीत हासिल की। कार्लसन ने 53 चालों के बाद एआई को हार मानने पर मजबूर कर दिया। अपनी जीत के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए, कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं कभी-कभी यात्रा करते समय ऊब जाता हूँ। तस्वीरों में चैटजीपीटी अपनी हार स्वीकार करते हुए कह रहा है, मेरे सारे मोहरे चले गए हैं। आपने एक भी मोहरा नहीं गंवाया है। आपने अपनी जीत की शर्त पूरी तरह से पूरी की... जैसा कि तय हुआ था, मैं हार मानता हूँ।

डूरंड कप भव्य ट्रॉफी यात्रा के साथ एक बार फिर इंफाल लौटा

इम्फाल। एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की ट्रॉफियों का आज इम्फाल में भव्य स्वागत किया गया। दो साल के अंतराल के बाद, यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट एक बार फिर मणिपुर की राजधानी लौटा है। इस अवसर पर आयोजित ट्रॉफी टूर के तहत डूरंड कप की तीनों चमचमाती ट्रॉफियों - मूल डूरंड कप, रोलिंग शिमला ट्रॉफी और प्रेसिडेंट्स कप - को सिटी कन्वेंशन सेंटर, इम्फाल में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला थे। उनके साथ मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह आईएएस, तथा भारतीय सेना और सुरक्षा बलों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल भल्ला ने कहा कि 134वें डूरंड कप टूर्नामेंट का एक बार फिर इंफाल में आयोजन किया जाना हमारे राज्य की फुटबॉल के प्रति गहरी भावना और नागरिक तथा सैन्य संस्थानों के संयुक्त प्रयासों का प्रमाण है।

राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ से आगे निकले जो रूट

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में शतक बनाकर दिग्गज राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक टेस्ट शतकों की सूची में शीर्ष पांच में जगह बना ली है। उनका नवीनतम शतक - उनका 37वां शतक - लॉर्ड्स में शानदार अंदाज में लगा। रूट अब सर्वकालिक टेस्ट शतक बनाने वालों की सूची में केवल सचिन तेंदुलकर (51), जैक्स कैलिस (45), रिकी पोंटिंग (41) और कुमार संगकारा (38) से पीछे हैं। उन्होंने क्रिकेट के इस मैदान पर अपना लगातार तीसरा शतक भी बनाया - इससे पहले उन्होंने 143 और 103 रन बनाए थे - जिससे वह जैक हॉब्स (1912-1926) और माइकल वॉन (2004-2005) के बाद लॉर्ड्स में लगातार तीन टेस्ट शतक बनाने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी बन गए। भारत के खिलाफ उल्लेखनीय निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, रूट का यह शतक उपमहाद्वीपीय दिग्गजों के खिलाफ टेस्ट मैचों में उनका 11वां शतक था। गौरतलब है कि रूट का नवीनतम कीर्तिमान 192 गेंदों में बना, जो इंग्लैंड के आक्रामक 'बैजबॉल' युग का तीसरा सबसे धीमा टेस्ट शतक है-जो केवल 2024 में रांची में उनके द्वारा बनाए गए 219 गेंदों के शतक और 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेन फोक्स के 206 गेंदों के शतक से धीमा है। रूट की प्रमुख उपस्थिति इंग्लैंड की लाल गेंद की महत्वाकांक्षाओं का आधार बनी हुई है, भले ही टीम ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में अपने आक्रामक दृष्टिकोण को नया रूप दे रही हो।

कर्टिस कैम्फर ने पांच गेंद में पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

■ वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 88 पर सिमट गई

डबलिन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आयलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर पेशेवर क्रिकेट में पांच गेंदों में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। मुनस्टर रेड्स के कप्तान कैम्फर ने इंटर-प्रोविंसियल टी-20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। कैम्फर को अपने दूसरे से तीसरे ओवर के दौरान यह पांचों विकेट हासिल किए। वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 के बाद 88 पर सिमट गई।

पाँच विकेटों में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए, जब कैंपर की गेंद स्विंग होकर ऑफ स्टंप से टकरा गई। अगली गेंद पर, ग्राहम ह्यूम बैकफुट पर पगबाधा हो गए यह इनस्विंगर उनके पैड पर लगी। इसके साथ ही कैंपर ने अपने अगले ओवर की शुरुआत में हैट्रिक बना ली और यह हैट्रिक तब आई जब 14वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन डीप मिडविकेट की ओर स्लॉग शॉट खेलने में चूक गए। कैम्फर ने इस मैच कुल 2.3 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 16 रन देकर पांच विकेट झटके। कैम्फर ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा कि ओवरों के बदलाव के बीच मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। मैं बस चीजो को बहुत सरल रखने पर बल दिया और सौभाग्य से मैं ऐसा कर पाने में सफल रहा। जब उनसे पूछा गया कि अगर कोई और बल्लेबाज आता तो क्या वह छह में से छह रन बना पाते, तो कैम्फ़र ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता। दोनों ही चीज़ें मुझे स्वीकार्य होतीं। मैं बस खेलकर खुश हूं।

उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी-20 सीरीज से बाहर होने के बाद यह कैम्फर का दूसरा मैच था। मंगलवार को लेइनस्टर लाइटनिंग के खिलाफ अपने वापसी मैच में उन्होंने 35 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी। गुरुवार को भी उन्होंने 24 गेंदों पर 44 रन बनाए और फिर पांच विकेट लिए। कैम्फर अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में शामिल हैं यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी नहीं हैं।

नए पाकिस्तानी कोच ने बाबर और अफरीदी की वापसी की राह बताई

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के नए सीमित ओवरों के कोच माइक हेसन ने उन कदमों का खुलासा किया है जो अनुभवी जोड़ी बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए उठाने होंगे। बाबर और शाहीन ने 2021 और 2022 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरणों में पाकिस्तान को लगातार जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन हाल ही में वे टी20 विश्व कप में टीम से बाहर हो गए हैं और पिछले महीने की शुरुआत में घरेलू धरती पर बांग्लादेश को 3-0 से हराने वाली हेसन की पहली टीम में भी नहीं थे। हेसन ने सुझाव दिया कि बाबर और शाहीन दोनों ही अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी दीर्घकालिक योजनाओं में शामिल हैं और दोनों इस समय कराची में अपने साथियों के साथ एक प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। ये साथी खिलाड़ी इस महीने के अंत में मीरपुर में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए बांग्लादेश जाएंगे। हेसन ने स्पष्ट किया कि बाबर की टीम में वापसी विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद बनकर नहीं हुई, बल्कि पूर्व कप्तान अपने साथी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों फखर जमान और सैम अयूब के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो में से एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

हेसन ने कहा कि सबसे पहले, बाबर आजम को विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में नहीं देखा जा रहा है। पता नहीं यह कहां से आया, लेकिन मैंने यह अटकलें सुनी हैं। बाबर इस समय सलामी बल्लेबाजों में से एक के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। लेकिन जाहिर है कि इस समय हमारे पास फखर और सैम दोनों ही इन दो भूमिकाओं में हैं, इसलिए वह इसके लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाबर का स्ट्राइक रेट 129.81 है, जो फखर (133.49) और अयूब (138.48) से कम है। हेसन ने स्वीकार किया कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को छोटे प्रारूप में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी रन गति बढ़ाने की जरूरत है।

भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण खेल संबंधों में गतिरोध बना हुआ है। भारत में इस साल बाद में एशिया कप और जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन होना है। पाकिस्तान इन टूर्नामेंटों के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। पाकिस्तान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि अगर कोई सुरक्षा खतरा होगा तो उनकी हॉकी टीम भारत नहीं भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि पाकिस्तान की हॉकी टीम टूर्नामेंट के लिए भारत तभी जाएगी जब सरकार सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होगी। पूर्व मंत्री मसूद ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में स्थिति से अगर वह संतुष्ट नहीं है, तो वह हमारे किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे जोखिम में नहीं डालेगा। उन्होंने बताया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो प्रमुख हॉकी आयोजनों के लिए राष्ट्रीय टीमें भेजने हेतु संबंधित मंत्रालयों से सलाह और अनुमति मांगी है।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

■ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई

पल्लेकेले, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कुसल मेंडिस (73) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को छह गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरआत करते हुए पहले विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। पांचवें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने पथुम निसंका को आउटकर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 16 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में कुसल परेरा 24 रन बनाकर आउट हुए। 18वें ओवर में श्रीलंका का तीसरा विकेट कुसल मेंडिस के रूप में गिरा। कुसल मेंडिस ने 51 गेंदों में पांच चौके ओर तीन छक्के लगाते हुए 73 रन बनाये।

श्रीलंका ने 19 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। अविष्का फर्नांडो 11 और कप्तान चरित असालंका एक रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से मोहम्मद सैफुद्दीन, मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के परवेज हुसैन इमॉन और तंजिद हसन ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। पांचवें ओवर में नुवान तुषारा ने तंजिद हसन (16) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान लिटन कुमार दास को जेफ्री वेंडरसे ने पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। नौवें ओवर में महीश तीक्षणा ने परवेज हुसैन इमॉन (22 गेंदों में 38) को आउटकर श्रीलंका को तीसरी सफलता दिलाई।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

हिंद यूनिलीवर	4.61 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.79 प्रतिशत
सन फार्मा	0.56 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.37 प्रतिशत
इटर्नल	0.19 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	3.46 प्रतिशत
एमएंडएम	2.75 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.20 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	2.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.73 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,511
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,10,290
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7789-7818
मसूर काली	8006-8032
उड़द दाल	10556-10561
मूंग दाल	10133-10146
अरहर दाल	11130-11132

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी पर : बीओबी

- पिछली तिमाही की तुलना में खपत मांग में हो रहा सुधार
- मानसून औसत से 15 प्रतिशत अधिक होने से कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी पर बनी हुई है। सेवाओं और विनिर्माण दोनों के हाई फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर में सुधार हुआ है और वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में खपत में तेजी दर्ज की गई है।

बीओबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली तिमाही के लिए उपलब्ध अब तक के हाई फ्रिक्वेंसी डेटा से पता चलता है कि पिछली तिमाही की तुलना में खपत मांग में सुधार हो रहा है। यह स्टील की खपत में वृद्धि, इलेक्ट्रॉनिक आयात में वृद्धि और केंद्र सरकार के राजस्व व्यय में वृद्धि से दिखाई देता है।

सर्विस इंडीकेटर में भी एक्टिविटी में तेजी देखी जा रही है, जैसा कि सर्विसेज पीएमआई, वाहन पंजीकरण, डीजल खपत, राज्यों के राजस्व संग्रह और ई-वे बिल जनरेशन के मामले में देखा जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, दोपहिया वाहनों की बिक्री के प्रदर्शन में कुछ तनाव देखा जा सकता है और कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी उत्पादन में नरमी देखी जा सकती है। घरेलू मुद्रास्फीति अनुकूल बनी हुई है, जो नरम मौद्रिक नीति का संकेत देती है जिससे विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मानसून की गतिविधि 9 जुलाई तक लंबी अवधि के औसत से 15 प्रतिशत अधिक है, जिससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत है और राजकोषीय घाटा अनुपात अप्रैल 2025 के 4.6 प्रतिशत से घटकर मई 2025 तक 4.5 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट रुपए के भविष्य के बारे में भी सकारात्मक है। इसमें कहा गया है कि मई में 1.3 प्रतिशत की गिरावट के बाद जून में रुपए में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। भू-राजनीतिक तनाव कम होने के कारण महीने के आखिरी 15 दिनों में घरेलू मुद्रा में सीमित दायरे में कारोबार हुआ।

भारत में घरेलू क्रेडिट बढ़कर जीडीपी का 42 प्रतिशत हुआ

नई दिल्ली। मजबूत अर्थव्यवस्था के चलते भारत में घरेलू क्रेडिट वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 42.1 प्रतिशत हो गया है। यह वित्त वर्ष 13 से वित्त वर्ष 20 के दौरान 32 से 35 प्रतिशत की सीमा में स्थिर था। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की मार्केट प्लस रिपोर्ट में बताया गया कि घरेलू वित्तीय देनदारियों में तेज वृद्धि महामारी के बाद आई है। यह बढ़ता हुआ क्रेडिट फुटप्रिंट महामारी के बाद के दौर में परिवारों के बीच वित्तीय पहुंच और आत्मविश्वास में वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि महामारी के बाद परिवारों के क्रेडिट में मजबूत वृद्धि हुई है, यह वित्त वर्ष 13 से वित्त वर्ष 20 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के 32-35 प्रतिशत पर स्थिर रहा था, लेकिन कोविड के बाद यह वित्त वर्ष 21 में 39.9 प्रतिशत और वित्त वर्ष 24 में 42.1 प्रतिशत तक बढ़ गया। रिपोर्ट में बताया कि शुद्ध घरेलू वित्तीय बचत, जो महामारी के कारण सावधानी और खर्च या उधार लेने के कम अवसरों के कारण वित्त वर्ष 2021 में सकल घरेलू उत्पाद के 11.7 प्रतिशत तक असाधारण रूप से बढ़ी थी, धीरे-धीरे सामान्य हो गई है।

भारत में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से हो रहा भुगतान : आईएमएफ

- भारत में नकदी के इस्तेमाल में हो रही गिरावट

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक नोट में कहा कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल होना है। आईएमएफ के बढ़ते खुदरा डिजिटल भुगतान इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य शीर्षक वाले नोट के अनुसार, 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट शुरू हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है।

यूपीआई एक त्वरित भुगतान प्लेटफॉर्म है जो इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बना हुआ है। नोट में आगे कहा गया कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इस प्लेटफॉर्म से मिले सबूत बताते हैं कि इंटरऑपरेबिलिटी यूजर्स के डिजिटल भुगतान के अनुभव को बेहतर बना सकती है और इससे नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की दर में इजाफा हो सकता है। आईएमएफ ने नोट में कहा कि इंटरऑपरेबिलिटी सीधे तौर पर यूजर्स को अपना पसंदीदा ऐप चुनने की आजादी देती है, जिससे वे उपलब्ध ऐप्स की विविधता और गुणवत्ता का पूरा लाभ उठा पाते हैं। इंटरऑपरेबिलिटी नए प्रोवाइडर्स के प्रवेश को भी सुगम बना सकती है और मौजूदा प्रदाताओं को अपने ऐप्स अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे यूजर्स को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

यूपीआई को बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2016 के अंत में भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) ऐप को लॉन्च किया था। जून में यूपीआई लेनदेन की मात्रा सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़ी।

पूर्वोत्तर राज्य विकसित भारत 2047 विजन में देंगे बड़ा योगदान : सीतारमण

शिलांग, 11 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा पूर्वोत्तर क्षेत्र को 'अष्ट लक्ष्मी' कहते हैं और यहां अच्छे स्वभाव वाले लोग, प्राकृतिक संसाधन, सांस्कृतिक समृद्धि, रणनीतिक स्थान और ऊर्जावान युवा तक हर चीज प्रचुर मात्रा में है। इस कारण से यह क्षेत्र विकसित भारत 2047 विजन में बड़ा योगदान देगा।

आईआईएम शिलांग में आईआईसीए नॉर्थ ईस्ट कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हम हमेशा सबका साथ और सबका विकास के बारे में बात करते हैं और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल किए बिना पूरा नहीं हो सकता। यह केवल जन धन खाते खोलकर वित्तीय समावेशन के बारे में नहीं, बल्कि युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में भी है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि आज के समय में युवा स्वयं को दुनिया की जरूरतों के मुकाबले तेजी से खुद को ढाल रहे हैं। ऐसे में नीतिगत समर्थन भी मिले तो यह उद्यमिता विकास के लिए एक बहुत अच्छा मंच तैयार कर सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2,300 डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिनमें से 69 अकेले मेघालय में स्थित हैं।

नई की तुलना में दोगुनी से भी अधिक तेजी से बिक रही पुरानी कारें : क्रिसिल

- उपभोक्ता व्यवहार में एक बड़े बदलाव का संकेत दे रही कार बाजार

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का पुरानी कारों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इस वित्त वर्ष में इसके 60 लाख यूनिट को पार कर जाने की उम्मीद है। इसकी वजह वैल्यू के प्रति सचेत खरीदारों की बढ़ती मांग, डिजिटल तकनीक अपनाने में तेजी और फंडिंग की आसान पहुंच है। शुक्रवार को जारी एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, पुरानी कारों की बिक्री 8-10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो नई कारों की बिक्री की वृद्धि दर से दोगुनी से भी ज्यादा है।

यूज्ड कार मार्केट में इस तेजी ने पुरानी कारों की तुलना में नई कारों की बिक्री के अनुपात को इस साल 1.4 तक पहुंचा दिया है, जो पांच साल पहले 1 से भी कम था, जो उपभोक्ता व्यवहार में एक बड़े बदलाव का संकेत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरानी कारों का अनुमानित बाजार मूल्य अब लगभग 4 लाख करोड़ रुपए है, जो देश में नई कारों की बिक्री के मूल्य के लगभग बराबर है। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि पुरानी कारों और नई कारों का बढ़ता अनुपात खरीदारों की प्राथमिकताओं में दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देता है।

उन्होंने आगे कहा कि पुरानी कारों की औसत आयु अब घट रही है और लगभग 3.7 वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है, जो दर्शाता है कि लोग अपने वाहनों को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं।

इस बदलाव के पीछे एक मुख्य कारण यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा बेहतर पारदर्शिता और सुविधा प्रदान करने के कारण है जिससे अब ज्यादा लोग पुरानी कारें खरीदने में विश्वास दिखा रहे हैं। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर रेयर अर्थ मिनरल और सेमीकंडक्टर की कमी के कारण नई कारों की डिलीवरी में देरी के कारण, कई खरीदार तेज पहुंच के लिए पुरानी कारों की ओर रुख कर रहे हैं।

सार संक्षेप

डॉलर के मुकाबले रुपए में 27 पैसे की गिरावट

मुंबई। वैश्विक व्यापार परिदृश्य को लेकर व्याप्त अनिश्चितताओं और स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार गिरावट के बीच अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के समक्ष रुपया करीब 27 पैसे नीचे आ गया। अमेरिका में कनाडा के सामानों पर 35 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने और ब्रिक्स के सदस्य देशों पर 1 प्रतिशत का दंडात्मक प्रशुल्क लगाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणाओं से व्यापार को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं। इस बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला तीसरे दिन भी बना रहा। इस बीच, प्रमुख विदेशी मुद्राओं के समक्ष अमेरिकी डॉलर में लगातार तेजी बनी हुई है। डॉलर भारतीय रुपए के खिलाफ मजबूत होकर 85.8536 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। कल बंद के समय डॉलर का भाव 85.578 था। भारतीय मुद्रा के साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं की विनिमय दर इस प्रकार रही- पौंड (ब्रिटेन) 116.2853 रुपये, यूरो 1.285 रुपये और जापानी येन (प्रति सैकड़ा) 58.45 रुपए।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 699.736 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की शुक्रवार को जारी साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार चार जुलाई को समाप्त में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.49 अरब डॉलर घटकर 699.736 अरब डॉलर (5975266) करोड़ रुपए के स्तर पर आ गया। उससे पिछले सप्ताह में, कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 72.784 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। सितंबर 224 के अंत में मुद्रा भंडार 74.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। इस वर्ष मार्च से विदेशी मुद्रा भंडार में कुल मिला कर 31.41 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है, जबकि विदेशी मुद्रा भंडार एक साल में 42.581 अरब डॉलर बढ़ा है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चार जुलाई को समाप्त सप्ताह के अंत में विदेशी मुद्रा आस्तियां, 3.537 अरब डॉलर घटकर 591.287 अरब डॉलर पर आ गई।

टेस्ला का पहला भारतीय एक्सपीरियंस सेंटर 15 जुलाई को मुंबई में खुलेगा

नई दिल्ली। एलन मस्क के स्वामित्व वाली किफायती सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है, वहीं उनका दूसरा वेंचर, इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भी इसी महीने से देश में अपना परिचालन शुरू करने के करीब पहुंच रही है। हालांकि, कंपनी फिलहाल देश में मैन्युफैक्चरिंग नहीं कर रही है, लेकिन वह 15 जुलाई को मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने वाली है। एक्सपीरियंस सेंटर कहे जाने वाले इस टेस्ला शोरूम को आर्थिक राजधानी में 4, वर्ग फुट के रिटेल स्पेस में बनाया गया है, जो शहर में अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल के फ्लैगशिप स्टोर के करीब है। यह कदम टेस्ला की भारत में व्यापक विस्तार रणनीति का हिस्सा है।

बिकवाली के दबाव से बाजार में गिरावट जारी

- सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत गिर कर 82,500.47 अंक पर बंद
- निफ्टी 0.81 प्रतिशत की गिरावट से 25,149.85 अंक पर

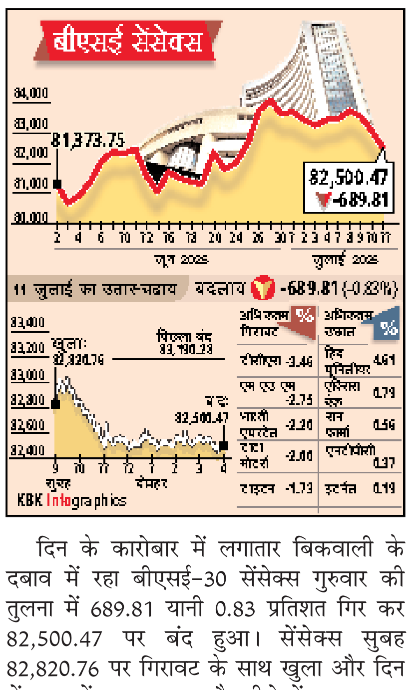

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सूचना प्रौद्योगिकी और वाहन कंपनियों के शेयरों में तेज बिकवाली के दबाव से शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों में 0.83 प्रतिशत तक टूट गए।

विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उठा-पटक भरी व्यापार नीति से फैली अनिश्चितताओं के साथ-साथ भारतीय कंपनियों के हिमाही नतीजों को लेकर भी बाजार में सावधानी है। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस के गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद घोषित तिमाही परिणाम के बाद इसके शेयर में 3.46 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। एशियायी बाजारों में मिले जुले रुख का भी स्थानीय बाजार पर असर रहा। एशियायी बाजारों में जापान के बाजार में करीब 0.19 प्रतिशत की गिरावट रही, सिंगापुर का स्ट्रेट टाइम्स 0.30 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.46 प्रतिशत लाभ में रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट कल के स्तर पर बना रहा।

दिन के कारोबार में लगातार बिकवाली के दबाव में रहा बीएसई-30 सेंसेक्स गुरुवार की तुलना में 689.81 यानी 0.83 प्रतिशत गिर कर 82,500.47 पर बंद हुआ। सेंसेक्स सुबह 82,820.76 पर गिरावट के साथ खुला और दिन में ऊपर में 83,040.74 और नीचे में 82,442.25 तक चला गया था। कल बाजार 83,190.28 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 25,149.85 पर बंद के साथ 205.40 अंक (0.81 प्रतिशत की) गिरावट पर था। निफ्टी 25,255.50 पर खुल कर कारोबार के दौरान ऊपर में 25,322.45 और नीचे में 25,129.00 तक गया था।

बीएसई सेंसेक्स के 22 शेयर घाटे में बंद हुए। सबसे वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंदा, टाटा मोटर्स में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही, मारुति भी हल्की गिरावट में बंद हुआ। टेक कंपनियों में टीसीएस के साथ साथ एचसीएल टेक, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा भी घाटे में बंद हुए। लाभ में रहे शेयरों में हिंदुस्तान लीवर 4.61 प्रतिशत उछल गया। एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी, इटर्नल, एसबीआई, आईटीसी और अल्ट्रा सेमको भी हल्के लाभ में रहे। निफ्टी बैंक 0.35 प्रतिशत की गिरावट में रहा। निफ्टी 100, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मालकैप 100 भी क्रमश: 0.81 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत और 1.02 प्रतिशत घाटे में बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कंपनियों के पहली तिमाही के शुरुआती नतीजों में आय वृद्धि की रफ्तार दिखने और अमेरिका द्वारा कनाडा पर 35 प्रतिशत शुल्क लगाने लगाने की धमकी का घरेलू बाज़ारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। बजाज ब्रोकिंग रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों की शुरुआत गिरावट से हुई और पूरे सत्र में गिरावट जारी रही।

वैश्विक अस्थिरता से सोने की कीमतें बढ़ीं, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सोना-चांदी की कीमतों में शुक्रवार को बढ़त देखने को मिली। 24 कैरेट के सोने की कीमतों में 465 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी की कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि गुरुवार को यह 97,046 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए हो गई है, जो कि पहले 88,894 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 73,133 रुपए हो गया है, जो कि पहले 72,785 रुपए प्रति 10 ग्राम था। आईबीजेए द्वारा दिन में दो बार-सुबह और शाम सोने की कीमतें जारी की जाती हैं।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी इजाफा देखने को मिला है और यह ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में चांदी की कीमत 2,356 रुपए बढ़कर 1,10,290 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,07,934 रुपए प्रति किलो थी। इससे पहले 18 जून को चांदी का पिछला ऑल-टाइम हाई 1,09,550 रुपए प्रति किलो था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक सोना 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,358 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 38.40 डॉलर प्रति औंस पर थी। सोने की कीमतों में 0.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसकी वजह नए व्यापार शुल्कों की आशंका बढ़ना है। अमेरिका द्वारा कनाडा और ब्राजील पर नए शुल्क लगाने के साथ बाजारों ने नए व्यापार तनावों के प्रतिकूल प्रभावों का मूल्यांकन करना शुरू कर दिया है।

'लूज फास्टैग' को ब्लैकलिस्ट करेगा एनएचएआई

- रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को किया मजबूत
- फास्टैग ने देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली में ला दी क्रांति

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सुचारू टोल संचालन सुनिश्चित करने और 'लूज फास्टैग' की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए, एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतकर्ताओं के लिए 'लूज फास्टैग' की तुरंत रिपोर्ट करने और ब्लैकलिस्ट करने के लिए अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है।

लूज फास्टैग को आमतौर पर 'टैग-इन-हैंड' भी कहा जाता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे का समाधान करना आवश्यक है। बयान में आगे कहा गया कि कभी-कभी वाहन मालिक जानबूझकर वाहन के विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं लगाते। इससे परिचालन सम्बंधी चुनौतियां पैदा होती हैं, जिससे लेन में भीड़भाड़, झूठे चार्जबैक, बंद टोल प्रणाली में दुरुपयोग, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह व्यवस्था में बाधा आती है, जिसके परिणामस्वरूप टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है और राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्य उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है। समय पर सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए, एनएचएआई ने एक समर्पित ईमेल आईडी उपलब्ध कराई है और टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतधारकों को ऐसे फास्टैग की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया है।

ट्रेन सुरक्षा के लिए रेलवे करेगा एआई का इस्तेमाल

- डीएफसीसीआईएल के साथ किया समझौता
- डीएफसीसीआईएल चार एमवीआई इकाइयों की खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व कमीशन के लिए होगा जिम्मेदार

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। रेलवे की सेवा दक्षता में सुधार करने और रोलिंग स्टॉक के रखरखाव को स्वचालित करने के लिए भारतीय रेलवे (आईआर) ने मशीन विजन बेस्ड इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस) की स्थापना के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमवीआईएस एक आधुनिक, एआई/एमएल-आधारित टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन है जो चलती ट्रेनों के अंडर-गियर की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरों को कैप्चर करता है और स्वचालित रूप से किसी भी लटके हुए, ढीले या लापता घटकों का पता लगाता है। यह सिस्टम खराबी का पता लगाने पर त्वरित प्रतिक्रिया और कार्रवाई के लिए रियल टाइम के अलर्ट भेजता है।

एमओयू पर औपचारिक रूप से रेलवे बोर्ड के निदेशक (परियोजना एवं विकास) सुमित कुमार और डीएफसीसीआईएल के जीजीएम (मैकेनिकल) जवाहर लाल ने रेल भवन नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए।

एमओयू के अंतर्गत डीएफसीसीआईएल चार एमवीआई इकाइयों की खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशन के लिए जिम्मेदार होगा। यह प्रणाली भारतीय रेलवे में पहली है। टेक्नोलॉजी के उपयोग से ट्रेन संचालन की सुरक्षा को बढ़ाने, मैनुअल निरीक्षण प्रयासों को कम करने और संभावित दुर्घटनाओं/सेवा व्यवधानों से बचने में मदद करने की उम्मीद है।

रेल मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रेलवे इकोसिस्टम के लिए आधुनिक और इंटेलिजेंट सिस्टम को पेश करने के आईआर के व्यापक उद्देश्य के साथ भी संरेखित है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर भविष्य के लिए तैयार रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में रेल सुरक्षा में डिजिटल परिवर्तन के लिए नई राह खोलेगी।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेलवे इस वित्त वर्ष के अंत तक 50,000 से अधिक नौकरियां देने के लिए भी तेजी से काम कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रेलवे द्वारा 9,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड विभिन्न पदों को भरने के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान सक्रिय रूप से चला रहा है।

नाम के अनुरूप विश्वविद्यालय प्रगति करें-राज्यपाल

राज्यपाल श्री डेका ने अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का किया आकस्मिक निरीक्षण

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने आज अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति एवं शैक्षणिक स्टाफ से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी के नाम के अनुरूप विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में आगे बढ़े।

राज्यपाल ने कहा कि सहायक प्राध्यापकों को समय पर प्रमोशन देने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रोफेसर के पद पर दस साल का अनुभव होने के बाद छत्तीसगढ़ के प्रोफेसरों को कुलपति बनने का अवसर मिल सके। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्राध्यापक और छात्रों के बीच बेहतर ताल-मेल पर बल दिया साथ ही शैक्षणिक वातावरण पर ध्यान देने कहा। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का निरीक्षण किया एवं विभागों की कार्यप्रणाली तथा स्टाफ से संबंधित जानकारी ली। श्री डेका विद्यार्थियों से भी मिले और उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर कुलपति को निराकरण के निर्देश दिए। श्री डेका ने प्रशासनिक विभाग एवं विभागाध्यक्षों की बैठक भी ली तथा अध्ययन प्रभाग मे पाठ्यक्रमों में विस्तार से चर्चा करते हुए नए कोर्स प्रारंभ करने एवं छात्र संख्या में वृद्धि करने हेतु आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के संरचना के अनुरूप अध्ययन, अध्यापन की सुविधा सुनिश्चित की जाए तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रोफेसर अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी, राज्यपाल की अवर सचिव श्रीमती अर्चना पाण्डेय, संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए सतत् मॉनिटरिंग के निर्देश के परिपालन में राज्यपाल श्री डेका छत्तीसगढ़ के समस्त विश्वविद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्री डेका ने आज अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का निरीक्षण किया।

शिक्षक ऐसा पढ़ाएं जिसे विद्यार्थी जीवन भर याद रखें-राज्यपाल

राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने आज बिलासपुर के कोटा स्थित डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय में नवाचार एवं स्टार्टअप पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्राध्यापक ऐसा पढ़ाएं कि विद्यार्थी जीवन भर याद रखें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में प्राध्यापक और छात्रों के बीच बेहतर ताल-मेल पर बल दिया साथ ही शैक्षणिक वातावरण पर ध्यान देने कहा। श्री डेका ने प्रशासनिक विभाग एवं विभागाध्यक्षों की बैठक भी ली तथा अध्ययन प्रभाग मे पाठ्यक्रमों में विस्तार से चर्चा करते हुए नए कोर्स प्रारंभ करने एवं छात्र संख्या में वृद्धि करने हेतु आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान सभी प्राध्यापकों से कहा कि आदर्श शिक्षक वही होता है, जिस विद्यार्थी जीवन भर याद रखें। उनके पढ़ाई पाठ को हमेशा याद रखें और उनके बताएं आदर्श को अपने जीवन में उतारे। उन्होंने कहा कि हमें आदर्श शिक्षक बनना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को पूरी तरह से जल्द ही लागू किया जाए। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार से जानकारी ली। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने एवं उनके प्लेसमेंट की जानकारी लेते हुए संतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा स्थापित इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इनक्यूबेशन सेंटर में लगाए गए उपकरणों और युवाओं को उद्यमिता के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में भी विस्तार से जाना। उन्होंने बताया कि आज के समय में युवा उद्यमियों की आवश्यकता है, तभी हम विकसित भारत 2047 की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने लैब, लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की खेल सुविधा के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने उन्हें अकादमिक जानकारी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल की अवर सचिव श्रीमती अर्चना पाण्डेय, संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अरविंद तिवारी ने विश्वविद्यालय के प्रशासन के बारे में उन्हें अवगत कराया। इस दौरान उन्हें विश्वविद्यालय की विशेषताओं छत्तीसगढ़ी संजोही, छत्तीसगढ़ शोध एवं सृजन पीठ, रेडियो रमन 90.4, इनक्यूबेशन सेंटर, भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, रवींद्रनाथ टैगोर अंतरराष्ट्रीय कला एवं संस्कृति केंद्र, सहित अन्य विशिष्ट केंद्रों की जानकारी दी गई। राज्यपाल को पुस्तक यात्रा ऑटोमेटेड लाइब्रेरी पौधारोपण आदि की जानकारी भी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए सतत् मॉनिटरिंग के निर्देश के परिपालन में राज्यपाल श्री डेका छत्तीसगढ़ के समस्त विश्वविद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्री डेका ने आज डॉ.सीवी रमन यूनिवर्सिटी बिलासपुर का निरीक्षण किया।

राज्यपाल से छात्र-छात्राओं ने लगा दी शिकायतों की झड़ी, अधिकारियों पर भ्रष्टाचार,गड़बड़ी, तानाशाही का आरोप

महामहिम राज्यपाल अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में अचानक दौरे पर आए। विश्वविद्यालय में राज्यपाल के स्वागत में कुलपति स्वागत में खड़े थे। राज्यपाल कुलपति,अधिकारियों से मिले बिना सीधे उपस्थित छात्र छात्राओं से मिलने चले गए, जिसमें वहां उपस्थित छात्र-छात्राओं ने वहां शिकायतों की झड़ी लगा दी और कुलपति को हटाने की मांग करने लगे, विश्वविद्यालय के यूटीडी के छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय में हो रहे बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रियाओं में की गड़बड़ियों, पढ़ाई की दयनीय स्थिति, कुलपति प्रो वाजपेई के मनमाने रवैए, वित्तीय शक्तियों का दुरुपयोग, रुसा फंड के दुरुपयोग करने, खराब निर्माण कार्य होने की बात कही, एलुमनी एसोसिएशन सचिव सूरज सिंह राजपूत ने विश्वविद्यालय प्रशासन के दिखावे के कार्य करने और तानाशाही रवैए की शिकायत करदी, इस पर छात्र छात्राओं को महामहिम राज्यपाल रामेन डेका ने कार्यवाही करने का पूर्ण भरोसा दिया, समीक्षा बैठक के दौरान कुलपति प्रो वाजपेई एवं प्रभारी कुलसचिव शैलेंद्र दुबे को लंबी शिकायतें होने व अनियमितता पर नाराजगी जाहिर की। कुलसचिव कक्ष को इतना आलीशान रखने, संसाधनों के दुरुपयोग करने और फोटो बाजी करने को लेकर भी डांट लगाई।

कूर्मि समाज में लक्षित परिणाम के लिए विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन , दिए नियुक्ति पत्र

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के द्वारा कूर्मि समाज की बैठक आयोजित किया गया, जिसमें नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों को प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप कौशिक ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

ज्ञातब्य हो कि कूर्मि समाज में लक्षित परिणाम के लिए के विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया है, जिससे समाज का त्वरित विकास हो सके। इन नव नियुक्त पदाधिकारी द्वारा समाज को प्रगति की राह में आगे ले जाने के लिए वैज्ञानिक सोच, सकारात्मक कार्यक्रम, युवा संगठन, महिला जागरूकता, राजनीतिक व सामाजिक जागरूकता की दिशा में निस्वार्थ काम किया जाएगा। इस हेतु समाज का बैठक आहूत कर नये पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेंदारी की जानकारी समाज के संरक्षक डां. हेमंत कौशिक एवं इंजीनियर लक्ष्मी कुमार गहवई ने दी।

इस अवसर पर प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चमन चंद्राकर, महासचिव डॉ. गणेश कौशिक, संभागीय अध्यक्ष बिलासपुर सुरेश कौशिक, जिला युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष यज्ञेश कौशिक, उपाध्यक्ष टिकेश्वर कौशिक,सचिव डॉ.नवीन कौशिक, कोषाध्यक्ष सोमनाथ सिंगरौल, जिला बिलासपुर ग्रामीण अध्यक्ष सुनील कौशिक, उपाध्यक्ष मोहन कश्यप, नाथूराम राम सिंगरौल, अध्यक्ष नगर युवा प्रकोष्ठ बिलासपुर विनय कश्यप, सचिव कलेश्वर कौशिक, बिलासपुर जिला शहर अध्यक्ष तामेश कश्यप, उपाध्यक्ष मनीष कौशिक, सचिव महेंद्र चंद्राकर, कोषाध्यक्ष जय चंद्राकर, प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. शारदा कश्यप, उपाध्यक्ष आशा कश्यप, महासचिव सुमन कौशिक, संभागीय महिला कोषाध्यक्ष नवोदिता पाटनवार, जिला महिला युवा प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ज्योति सिंगरौल, सचिव ऋतु कुंभज, नगर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष स्वाती वर्मा, कोषाध्यक्ष गायत्री कौशिक को तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। सभी पदाधिकारियों को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि वे अपनी जिम्मेंदारी का निष्ठापूर्वक निर्वाह करेंगे। बैठक में प्रदेश महासचिव अनिल वर्मा,उपाध्यक्ष माला चंद्राकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद चंद्राकर, प्रदेश सचिव देवनारायण कश्यप, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक कौशिक, पूर्व महिला प्रांताध्यक्ष नंदिनी पाटनवार, भारती कश्यप, वरीष्ठ आजीवन सदस्य मोहन कश्यप, सलाहकार यदुनंदन कौशिक, पुनाराम कौशिक, राजेन्द्र वर्मा, अश्वनी कुमार कश्यप, पदुमलाल कश्यप, रामकिशोर कश्यप, टी. आर कश्यप,तुलसी कौशिक, टिकेश्वर कौशिक,शकुंतला पाटनवार, नमिता कश्यप, रेवती कश्यप, छाया कश्यप, सुषमा कश्यप, मधु वर्मा, रंजना कौशिक, भुवनेश्वरी कौशिक, मौजूद रहीं । कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वनाथ कश्यप ने किया। आभार प्रदर्शन प्रदेश सचिव देवनारायण कश्यप ने किया। इस अवसर पर पदाधिकारियों को शीघ्र अपनी कार्यसमिति बनाने का निर्देश प्रांताध्यक्ष प्रदीप कौशिक ने दिया है।

युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आप का प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन

जिला शिक्षा अधिकारी का किया घेराव, मधुशाला नहीं पाठशाला के लगे नारे

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा शुक्रवार को सभी जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी/ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। आप नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार शिक्षा नीति के मोर्चे पर विफल रही है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर हज़ारों स्कूलों को बंद कर देने के बाद कई स्कूल शिक्षक विहीन हो गए हैं। 63 हजार शिक्षकों के पदों को भरने में नाकाम रही है सरकार,नाकामी छुपाने 10 हजार स्कूल बंद कर दिया गया ताकि छत्तीसगढ़ के युवाओं को नौकरी नहीं देना पड़े इसलिए युक्तियुक्तकरण किया गया है। युवाओं और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी विरोध जताती है।

प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंग ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों को आपस में मिलाया गया, शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया और कई छोटे स्कूलों को बंद किया गया। लेकिन वास्तविकता में इसके नतीजे कई जगहों पर नकारात्मक साबित हुए। युक्तियुक्तकरण के तहत जब दो स्कूलों को मिलाया गया, तो कई छात्रों को अब 3-5 किमी दूर स्कूल जाना पड़ रहा है। इससे खासकर बालिकाओं की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। जहाँ एक ओर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया, वहीं कई स्कूल ऐसे रह गए जहाँ विषय विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। बच्चों को बिना गणित या विज्ञान शिक्षक के पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई स्थानों पर बिना स्थानीय स्थिति को समझे स्कूलों का विलय किया गया। इससे सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक बाधाएँ सामने आईं। जो स्कूल बंद कर दिए गए, उनके भवन जर्जर हो रहे हैं, और कई जगहों पर सरकारी संसाधन व्यर्थ जा रहे हैं।

प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि उदाहरण से समझिये की धरसींवा विकासखंड में परसतराई में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है जो की 1962 से संचालित है, वर्तमान सरकार के युक्तियुक्तकरण से स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहा है, विडंबना देखिए की 3 कक्षाओं के लिए एकमात्र अंग्रेजी का शिक्षक है और वही शिक्षक विज्ञान की क्लास भी लेतें हैं! बलौदाबाजार जिले के नगर पंचायत के एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं 50 किलोमीटर दूर कलेक्ट्रेट जाकर विरोध प्रदर्शन कर सरकार को अपने बर्बाद होते भविष्य पर चेतावनी तक दे डाली।

बोदरी पार्षद विजय वर्मा भाँ ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा की बदहाल व्यवस्था देख लीजिये की बच्चों को पढ़ाई लिखाई छोड़कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है? बिलासपुर से लेकर बस्तर, सरगुजा, कांकेर सहित ग्रामीण आदिवासी बहुल इलाकों में छात्र संख्या में गिरावट और स्कूल से ड्रॉपआउट दर में इज़ाफ़ा देखा गया है। दंतेवाड़ा में एक स्कूल को 7 किमी दूर स्थानांतरित किया गया, जिससे बच्चे आना बंद कर दिए हैं! गांव के एक स्कूल में तो शिक्षक ना होने के कारण बच्चों ने खुद स्कूल में ताला लगा दिया। लोकसभा सचिव राकेश लोनिया एवं मिडिया प्रभारी इरफान सिद्दिकी ने बताया कि सरकार के इस फैसले से अभिभावक और पंचायतें इस नीति का विरोध कर रहीं हैं। 1 जुलाई को साझा शिक्षक संघ ने राज्यव्यापी हड़ताल की जिसमें राज्य के लगभग 2 लाख शिक्षक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और संघ मानता है कि सरकार ने केवल कागज़ों में सुधार किया है, ज़मीनी हकीकत अनदेखी रह गई। संघ ने मांग की कि शिक्षा व्यवस्था यदि सरकार नहीं सुधारती है तो वे आगे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जायेंगे। वर्तमान में छत्तीसगढ़ की शिक्षा प्रणाली इस नीति से प्रभावित होकर बदहाल हो गयी है।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय घेराव एवं धरना कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री सरदार जसबीर सिंह चावला, प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट प्रियंका शुक्ला, लोकसभा सचिव राकेश लुनिया, बोदरी पार्षद विजय वर्मा भाँ ,मिडिया प्रभारी इरफान सिद्दीकी, जिला अध्यक्ष युथ विंग नुरुल हुदा,अरविंद पाण्डेय, रवि यादव, संजय गढेवाल, एडवोकेट अखतर हुसैन,अशोक वस्त्रकार, दीपू खाण्डे, सजय श्रीवास,परदेसी रात्रे, मुम्ताज अनवर खान भाई, सुखी राम केवट, धन्नजय कश्यप, परदेसी रात्रे,चिन्ता देवी, रोजी रानी, करन बंजारे, शंकर कश्यप,सत्या पाट्रे सहित पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित रहें ।

बिजली दरों में प्रति यूनिट 20 पैसे की वृद्धि,कृषि पंपों पर 50 पैसे की बढ़ोतरी

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। लगातार बिजली कटौती से जूझ रहे उपभोक्ताओं को विद्युत विभाग ने दर में वृद्धि का करंट दे दिया है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को एक जुलाई से बढ़ी हुई दर पर बिजली बिल का भुगतान करना पड़ेगा ।

विद्युत नियामक आयोग ने 10 से 20 पैसे तक प्रति यूनिट बिजली दर में वृद्धि कर दी है। व्यवसायिक बिजली भी प्रति यूनिट 25 पैसे की बढ़ोतरी की है। आम उपभोक्ताओं को बिजली के मोर्चे पर झटका लगा है। छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नई विद्युत दरों की घोषणा की। आयोग के अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने बताया कि घरेलू, गैर-घरेलू और कृषि वर्ग के उपभोक्ताओं की बिजली दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इस निर्णय के तहत अब घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 10 से 20 पैसे अधिक चुकाने होंगे। वहीं, व्यवसायिक यानी गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए औसतन 25 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है।

सबसे ज्यादा असर कृषि पंपों पर पड़ा है, जिनकी दरों में सीधे 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि राज्य के लाखों किसानों को प्रभावित कर सकती है, जो पहले से ही खेती की लागत को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। दरअसल छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी ने दिया था 4947.41 करोड़ राजस्व घाटा का ब्यौरा दिया था। नियामक आयोग ने राजस्व घाटे को 523.43 करोड़ मान्य किया। हेमंत वर्मा ने कहा कि दरों में यह संशोधन ऊर्जा कंपनियों की लागत, मेंटेनेंस खर्च और फिक्स्ड चार्ज के आकलन के आधार पर किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

हालांकि, आयोग का तर्क है कि यह वृद्धि न्यूनतम है और अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में अब भी बिजली की दरें कम हैं। बावजूद इसके आम जनता और किसान वर्ग में इस फैसले को लेकर असंतोष देखा जा रहा है।

प्रमुख दर वृद्धि इस प्रकार है

घरेलू उपभोक्ता-10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि। गैर-घरेलू उपभोक्ता (व्यवसायिक) औसतन 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि कृषि पंप-50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि।

27 साल पहले दुर्गम रास्ते में, बाबाधाम की यात्रा

सड़क मार्ग में सुई जैसे नुकिले पत्थर, फिर भी बाबा बैजनाथ धाम पहुंचे

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बोल बम समिति बिलासपुर के बम आज बाबा बैजनाथ धाम यात्रा पर रवाना हुए। दुर्गम पहाड़ी यात्रा में बाबा धाम की यात्रा में सूइया पहाड़ की याद आते ही हम लोग शिहर उठते हैं। शहर से आज से 27 साल पहले 1998 में बाबा धाम की यात्रा शुरू करने वाले सतीश सिंह तथा विकास शुक्ला शहर के कुछ बुजुर्गो के पांच सदस्यों के साथ बाबाधाम की यात्रा शुरू शुरू की थी । सतीश सिंह का कहना है की 1997 में जब उन्होंने यात्रा शुरू की तब सुल्तानगंज से देवघर बाबा बैजनाथ धाम जाने के लिए सड़क भी ठीक नहीं थी। पहाड़ी पहाड़ी इलाका था और सूइया पहाड़ की याद आते ही मन सिहर उठता है जब वहां पैदल चलते थे तो सड़क पर सुई चुभने लगता था जैसे सड़क पर चलते हुए नुकीले पत्थर पैरों में सुई जैसे पैरों में चुभते थे। 125 किलोमीटर की है पद यात्रा में नदी नाले में उस समय पुल पुलिया नहीं हुआ करता था । गले तक डूब कर पानी में पैदल कांवर यात्रा करते थे। और तब से आज तक लगातार बाबा के आशीर्वाद से यह पद यात्रा अनवरत चल रही है । सावन के महीने में बाबा धाम की यात्रा करने के लिए चार महीना पहले से ही तैयारी शुरू हो जाती है अब तो बोल बम समिति बिलासपुर में 50 से अधिक सदस्य शामिल हैं ।

बिलासपुर नागपुर गोंदिया रायपुर और रायगढ़ के भी के भी बम शामिल हैं। आज बोल बम समिति बिलासपुर के बम बम साउथ बिहार एक्सप्रेस से देवघर बाबा के लिए रवाना हुए । कल सुबह देवघर पहुंचने के बाद दोपहर को सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे। कल शाम सुल्तानगंज से गंगा जी गंगा जी में स्नान करने के बाद जल लेकर पैदल देवघर के लिए रवाना होंगे और 16 जुलाई को शिवजी को जल अर्पण करेंगे और 18 को वापसी होगी। आज यहां से बाबा धाम की यात्रा करने वालों में सतीश सिंह,, विकास शुक्ला, राजेंद्र भंडारी, संजय बहल,आशीष शुक्ला, दिनेश निर्मलकर, रोहित मिश्रा ,शेखर पाल, रेजि नायर ,सतीश नादम, बंटी कटेलिया ,रमेश शुक्ला, चंदू मिश्रा ,राजकुमार तिवारी, मनीष सोनी ,आशु वर्मा ,शैलू मिश्रा ,हरीश राठौर ,खडगे दादा बम राकेश,शेखर पाल, राजकुमार तिवारी, सतीश नादम, अनुभव शुक्ला, सौरभ बहल, काफी संख्या में बम शामिल हुए।

रेल परिचालन की दिशा में सिग्नल एवं दूरसंचार की सतर्क पहल

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बिलासपुर मंडल में मानसून का आगमन जहाँ एक ओर वातावरण को शीतलता और ताजगी से भर रहा है, वहीं रेलवे जैसे विशाल नेटवर्क के लिए यह कई चुनौतियाँ भी साथ लेकर आ रहा है। रेल पटरियों पर जलभराव, सिग्नल प्रणाली में नमी प्रवेश, बिजली आपूर्ति में व्यवधान जैसी अनेक समस्याएँ मानसून में सामान्य हैं, जो रेल संचालन को प्रभावित कर रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार (एसएंडटी) विभाग विशेष सावधानियों के साथ मानसून के दौरान भी रेल परिचालन को संरक्षित, समयबद्ध एवं निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेलवे स्टेशनों के प्वाइंट एवं ट्रैक सर्किट क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को रोकने हेतु यार्डों की जल निकासी प्रणाली की सफाई कराई गई है। मानसून से पहले ही सभी सुधारात्मक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं । साथ ही, आकाशीय बिजली से बचाव के लिए कई स्टेशनों पर सेल्फ-रिस्टोरिंग पीपीटीसी फ्यूज लगाए गए हैं, जिससे उपकरणों की सुरक्षा और संचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग मानसून की कठिन परिस्थितियों में भी रेल संचालन को संरक्षित और प्रभावी बनाए रखने के लिए अत्यंत गंभीर और सजग है। इन पूर्व तैयारियों और सावधानियों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्रीगण किसी भी प्रकार की असुविधा के बिना अपनी यात्रा पूरी कर सकें।।

सिग्नल प्रणाली की नमी से रक्षा

सभी सिग्नल पोस्ट की जाँच कर उनके अंदर पानी या नमी के रिसाव की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त किया गया है। सिग्नल इकाइयों को विशेष गैस्केट और सीलिंग से सुरक्षित किया गया है। सिग्नल लैंपों के प्रत्येक छिद्र को बंद कर पूरी प्रणाली को मौसमरोधी बनाया गया है।

रिले रूम एवं उपकरण कक्षों की मरम्मत

रिले रूम, बैटरी रूम और पैनल रूम की छतों की सफाई कर पानी जमा होने की स्थिति से बचाव किया गया है। क्षतिग्रस्त खिड़कियाँ, दरवाजे और छतों की मरम्मत समय रहते की गई है। ड्रेनेज पाइपों को भी साफ कर किसी भी तरह की रुकावट को दूर किया गया है। लोकेशन बॉक्सों की भी गहन जांच कर आवश्यक मरम्मत की गई है।

बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उपाय

मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति में संभावित व्यवधान को ध्यान में रखते हुए स्टैंडबाय पावर सप्लाई की व्यवस्था की गई है। जहाँ कहीं भी बिजली आपूर्ति में अनियमितता पाई गई, वहाँ जेनेरेटर सेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि बैटरी निरंतर चार्ज हो सकें और सिग्नलिंग व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

केबल और उपकरणों की सतत निगरानी

पुराने या क्षतिग्रस्त केबलों को मानसून से पहले ही बदला गया है। सभी जंक्शन बॉक्स, लोकेशन बॉक्स तथा सिग्नल पोस्ट में केबल की इंसुलेशन जांच की गई है और अर्थ फॉल्ट को दूर किया गया है। सभी महत्वपूर्ण उपकरण जैसे ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, आईपीएस, एक्सल काउंटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आदि पर उचित अर्थिंग की गई है और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित की गई है।

निरंतर समीक्षा और सुधार की व्यवस्था

जोनल मुख्यालय स्तर पर सभी विभागों के अधिकारी और पर्यवेक्षक प्रतिदिन पर फेलियर की समीक्षा करते हैं और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करते हैं। इन सुझावों का पालन कर्मचारीगण पूरी तत्परता से करते हैं, जिससे संपूर्ण प्रणाली की दक्षता और विश्वसनीयता बनी रहती है।

जिले में अब तक 379.3 मिमी बारिश दर्ज

बिलासपुर, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बिलासपुर जिले में चालू खरीफ मौसम में अब तक 379.3 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है। जो कि पिछले 10 वर्ष के औसत बारिश 289.2 मि.मी. से 90.1 मि.मी. अधिक है। अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बारिश 609.6 मि.मी. बेलगहना तहसील में और सबसे कम बारिश 259.4 मि.मी. बोदरी में रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बिल्हा तहसील में 340.5 मि.मी., मस्तूरी में 356.5 मि.मी., तखतपुर में 310.4 मि.मी., कोटा में 294.4 मि.मी., सीपत में 386.8 मि.मी., बेलतरा में 336 मि.मी., रतनपुर में 417.5 मि.मी., सकरी में 416.6 मि.मी. और पचपेड़ी तहसील में 330.8 मि.मी. बारिश रिकार्ड की गई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1202.3 मि.मी. है।

NECC

12.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	515	75	165
चिल्हर	7.00	100	190
डिलीवरी	530 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 80 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771